खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 09 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-248

राजीव गांधी फाउंडेशन की देशविरोधी हरकतों पर कस रहा शिकंजा

चीन और जाकिर नाइक से लिए धन का हिसाब दो

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)। भारत राज्य (इंडियन स्टेट) के खिलाफ लड़ने का राहुल गांधी का राष्ट्र विरोधी आह्वान उनके राष्ट्रप्रेम की असलियत खोलने वाला है। भारत के शत्रु देश चीन और भारत से निष्कासित आतंकी धर्मगुरु जाकिर नाइक से धन लेने के मामले में राजीव गांधी फाउंडेशन से जवाब मांगा गया है। ओड़ीशा पुलिस ने राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) के निदेशक (वित्त) संदीप आनंद को नोटिस जारी कर 04 नवंबर 2025 तक इन सब जानकारियों के साथ जरूरी दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया है। नोटिस का पालन न करने पर बीएनएस की धारा 210 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

ओड़ीशा पुलिस ने राहुल गांधी के इंडियन स्टेट से लड़ रहे वाले बयान के खिलाफ दर्ज एफआईआर की जांच आगे बढ़ाई है। पुलिस की जांच अब राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) तक पहुंच गई है। फाउंडेशन को फाइनेंशियल रिकॉर्ड पेश करने का नोटिस भेजा गया है। इसमें इस्लामी कट्टरपंथी जाकिर नाइक और चीन से फंडिंग का ब्यौरा मांगा गया है। ओड़ीशा की झारसुगुड़ा पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने 03 सितंबर 2025 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसड) 2023 की धारा 94 के तहत आरजीएफ को नोटिस भेजा है। झारसुगुड़ा के पुलिस उपाधीक्षक उमाशंकर सिंह द्वारा आरजीएफ के वित्त

ओड़ीशा पुलिस ने नोटिस जारी कर मांगे दस्तावेज

राहुल गांधी पर भारी पड़ रहा राष्ट्र विरोधी बयान

निदेशक संदीप आनंद को जारी किए गए नोटिस में कहा गया है कि राजीव गांधी फाउंडेशन को 1991 से मिले विदेशी योगदान का पूरा रिकॉर्ड प्रस्तुत किया जाए। इसमें बैंक खाता विवरण और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के साथ-साथ लेखा परीक्षकों के नाम और संपर्क शामिल होंगे। फाउंडेशन से एफसीआरए लाइसेंस की कॉपी भी मांगी गई है। फाउंडेशन को जारी हुए नोटिस में वर्ष वर्ष 2005-6 के बीच चीन से और वर्ष 2011 में आतंकी धर्मगुरु जाकिर नाइक से लिए गए 2.49 करोड़ रुपए के बारे में भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। ओड़ीशा पुलिस ने यूपीए शासन के दौरान पीएम राहत कोष का दुरुपयोग किए जाने के बारे में भी जवाब मांगा है। राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) को 04 नवंबर 2025 तक इन सब जानकारियों के साथ दस्तावेज जमा करने होंगे। नोटिस का पालन न करने पर बीएनएस की धारा 210 के तहत कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी गई है।

संबलपुर के आईजी हिमांशु लाल ने कहा, जांच अब उस चरण में पहुंच गई है जहां राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) और उससे संबंधित संस्थाओं को रिकॉर्ड प्रस्तुत करने होंगे। यह एक कानूनी प्रक्रिया है। कानून अपना काम करेगा। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी भी राजीव गांधी फाउंडेशन के बोर्ड सदस्यों में से एक हैं। इस फाउंडेशन की अध्यक्ष सोनिया गांधी है।

▶10 पर

विपक्ष की बेमानी चिल्लपों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया

आधार कार्ड नागरिकता का सबूत नहीं

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)। विपक्ष की तमाम चिल्लपों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधार कार्ड को देश की नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आधार कार्ड की वैधता की जांच करने का पूरा अधिकार चुनाव आयोग को है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि जो व्यक्ति भारत का आधिकारिक नागरिक होगा, उसे ही मताधिकार प्राप्त होगा।

बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने देश के समक्ष यह स्पष्ट कर दिया कि आधार कार्ड को देश की नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। आधार कार्ड मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र हो सकता है, लेकिन उसकी वैधता की जांच करना चुनाव आयोग का अधिकार है। बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव

आयोग को निर्देश दिया कि वे आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज मानें ताकि मतदाता वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के लिए आधार कार्ड को भी पेश कर सकें, लेकिन आधार कार्ड की वैधता की जांच चुनाव आयोग कर सकता है।

आधार कार्ड की वैधता की जांच कर सकता है चुनाव आयोग

प्रमाणित नागरिकों के नाम ही मतदाता सूची में शामिल होंगे

चुनाव आयोग पहले ही 11 दस्तावेजों की सूची जारी कर चुका है, जिन्हें दिखाकर मतदाता, वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल कर सकते हैं। पहले इन दस्तावेजों में आधार कार्ड शामिल नहीं था, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को बतौर 12वां दस्तावेज मानने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अपने सभी अधिकारियों को निर्देश जारी करने को भी कहा है ताकि आधार कार्ड को स्वीकार किया जा सके। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि आधार कार्ड को नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता।

चुनाव आयोग को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग को आधार कार्ड की वैधता जांचने का पूरा अधिकार होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केवल वास्तविक नागरिकों को ही वोट देने की अनुमति होगी, जाली दस्तावेजों के आधार पर असली होने का दावा करने वालों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई भी नहीं चाहता कि चुनाव आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे।

▶10 पर

रेवंत रेड्डी के खिलाफ भाजपा की याचिका खारिज

नेता की चमड़ी मोटी होनी चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना शाखा की ओर से राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ दायर याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया है। इस याचिका में रेवंत रेड्डी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों के मामले को रद्द करने के तेलंगाना हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान रेवंत रेड्डी ने कहा था कि अगर भाजपा तेलंगाना में सत्ता में आती है तो वह आरक्षण समाप्त कर देगी।

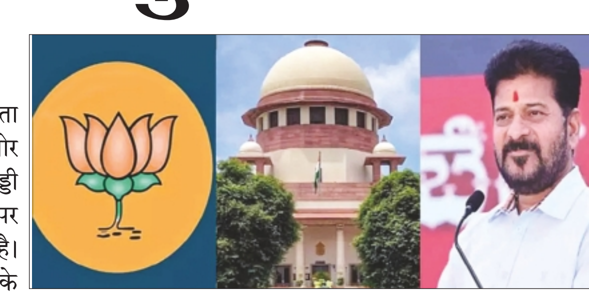

शीर्ष अदालत को सियासी लड़ाई का मंच न बनाएं

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने सोमवार को यह कहते हुए मामले को खारिज कर दिया कि शीर्ष अदालत को राजनीतिक लड़ाई लड़ने के मंच में नहीं बदला जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की, यदि आप नेता हैं, तो आपके पास इन सब चीजों को सहने के लिए मोटी चमड़ी होनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने कहा कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करने के लिए इच्छुक नहीं है।

▶10 पर

सांप्रदायिक हरकतों और अफवाहबाजी पर सख्ती का नतीजा

संसद भवन में घुसे उपद्रवी, हिंसा में 14 मरे

काठमांडू, 08 सितंबर (एजेंसियां)। अफवाहबाजी, कट्टर सांप्रदायिक हरकतें और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के बेजा इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले के खिलाफ नेपाल में अराजक तत्वों ने काठमांडू को ढाका बनाने की कोशिश की। सरकार के भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर बैन के खिलाफ आंदोलन के नाम पर उपद्रवियों की भीड़ ने पुलिस पर हमला बोल दिया और बिल्कुल बांग्लादेश की तरह काठमांडू में भी संसद भवन में घुस गए। उग्र भीड़ पर पुलिस ने पहले लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे।

काठमांडू को ढाका बनाने की साजिशी हिंसा

लेकिन भीड़ का इरादा कुछ और था। इसे देखते हुए पुलिस को उपद्रवियों पर बल प्रयोग करना पड़ा। उपद्रवियों द्वारा भड़काई गई हिंसा में 14 लोगों के मारे जाने की खबर है। 50 लोगों के घायल होने की भी जानकारी मिली है।

नेपाल में सरकार के भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ प्रदर्शनकारियों सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया, सरकार के खिलाफ उग्र नारेबाजी की और संसद भवन में घुस गए। सुरक्षा बलों की ओर से जब उन्हें रोकने की कोशिश की गई, तब वे और हिंसक हो गए और बैरिकेड कूदकर इधर-उधर भागने लगे।

▶10 पर

मटन नहीं तो शादी नहीं..!

जम्मू, 08 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में मटन का अकाल हो गया है, इसलिए शादियां नहीं हो रही हैं। सैकड़ों शादियां मटन के अकाल के कारण स्थगित हो गई हैं। श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग के लगातार बंद रहने और मुगल रोड पर कथित कुप्रबंधन के कारण कश्मीर घाटी में मटन उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इससे मटन की भारी कमी हो गई है और लोगों को शादी समारोह स्थगित करने पड़े हैं।

मटन डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार, मटन की अनुपलब्धता के कारण घाटी में होने वाली 150 से ज्यादा शादियां स्थगित करनी पड़ी हैं। ▶10 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा सांसदों से कहा

जनता से जुड़ें, कॉरपोरेट एजेंडे से बचें

जनता का हित सर्वोपरि रहना चाहिए

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा की कार्यशाला में पीएम मोदी ने सांसदों से संसदीय समितियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। पीएम मोदी ने सांसदों से अपने-अपने क्षेत्रों में टिफिन मीटिंग रखने का भी आह्वान किया। पीएम मोदी ने सांसदों से अपील की कि वह अपने क्षेत्रों में इस बात का ध्यान रखें कि सरकार की योजनाएं सुचारू ढंग से चल रही हैं या नहीं। पीएम मोदी ने सांसदों को चेताया कि वे कॉरपोरेट एजेंडा का हिस्सा न बनें और किसी भी तरह के पक्षपाती सवालों से बचें। उनका कहना था कि जनता का हित हमेशा सर्वोपरि रहना चाहिए।

पार्टी कार्यशाला में विभिन्न सांसद समूहों से बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें संसदीय समितियों में सक्रिय रहने के लिए कहा। पीएम ने कहा, इन बैठकों में जाने से पहले आप मंत्रियों और अधिकारियों से मिलें ताकि आप विषय की गहराई समझ सकें। पीएम मोदी ने सांसदों से सरकारी योजनाओं पर ध्यान देने और स्वच्छता अभियान में आगे बढ़ने के लिए सिंगापुर का उदाहरण लेने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने सांसदों से अपने संसदीय क्षेत्रों की विधानसभा सीटों पर हर महीने एक टिफिन मीटिंग आयोजित करने को कहा, ताकि लोगों से सीधा संवाद हो सके और उनकी समस्याओं को जाना जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारी पार्टी में संसद कार्यशाला जैसे मंच महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये एक-दूसरे से सीखने और इस बात पर विचार-विमर्श करने के बेहतरीन मंच हैं कि हम लोगों की और बेहतर सेवा कैसे कर सकते हैं। पीएम मोदी ने जीएसटी सुधारों की प्रशंसा की और इसके लाभों को जनता ▶10 पर

कुलगाम में 2 आतंकी ढेर, 2 जवान भी शहीद

जम्मू, 08 सितंबर (ब्यूरो)। कश्मीर के कुलगाम इलाके के जंगलों में तीन से चार आतंकियों के साथ मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने दो को मार गिराया है जबकि बाकी के साथ मुठभेड़ जारी थी। मुठभेड़ में सेना के एक अधिकारी समेत चार जवान जख्मी हो गए थे जिनमें से दो ने बाद में दम तोड़ दिया। दूसरी ओर बीएसएफ ने जम्मू के आरएस पुरा में एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के गुड्डार वन क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस, सेना की 9 आरआर और ▶10 पर

पहली बार मिजोरम की राजधानी आइजोल पहुंचेगी रेल

दुर्गम क्षेत्र में अब होगी सुगम यात्रा

विशाल केशरवानी

आइजोल, 08 सितंबर। पूर्वोत्तर भारत के राज्यों को उनकी राजधानियों से जोड़ने के अपने संकल्प को पूरा करने की दिशा में केंद्र सरकार ने मजबूत कदम बढ़ाया है। मिजोरम की राजधानी आइजोल के पास सायरंग स्टेशन को बइरबी शहर से रेल द्वारा जोड़ा जाएगा। यह नई रेल लाइन 52 किलोमीटर लंबी है और इसमें 48 सुरंगें और 142 पुल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को इस रेल लाइन का उद्घाटन करेंगे। इस परियोजना पर 8070 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इस रेल लाइन से मिजोरम के पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा मिलने वाला है।

सायरंग से बइरबी की दूरी 52 किलोमीटर है। नई ट्रेन की गति सौ किलोमीटर होगी। यह रेलमार्ग पूरी तरह से जंगलों, घाटियों और पहाड़ों से होकर गुजरता है। इसीलिए इसमें 48 सुरंगें हैं। 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल हैं। मिजोरम के शहरों को जोड़ने वाली पांच सड़कें रेलवे लाइन के ऊपर से और छह सड़कें रेलवे लाइन के नीचे से गुजरती हैं। वर्तमान में वहां के लोग बइरबी से सायरंग तक की यात्रा सड़क मार्गों से पूरा करते हैं। इस रेल मार्ग के आने से वहां के लोगों को भी काफी लाभ

पीएम मोदी 13 सितंबर को करेंगे नायाब प्रोजेक्ट का उद्घाटन

48 सुरंगों और 142 पुलों से गुजरेगी 52 किमी की रेल लाइन

पहुंचेगा और उनकी यात्रा सुलभ हो जाएगी। इस नई और मिजोरम के लिए पहली परियोजना की जानकारी देने के लिए कर्नाटक के पत्रकारों के लिए एक अध्ययन दौरे का आयोजन किया गया। इसमें राज्य के कई पत्रकारों ने भाग लिया। इस दौरे में दक्षिण पश्चिम रेलवे की जन-सम्पर्क अधिकारी राधा रानी, दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पवन कुमार और पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कपिंजल के शर्मा भी शामिल थे, जिन्होंने परियोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 नवंबर 2014 को मिजोरम में बइरबी से सायरंग तक की नई रेल लाइन की आधारशिला रखी थी। 21 मार्च 2016 को असम से बइरबी तक रेल मार्ग को ब्रॉड गेज में परिवर्तित करने के साथ पहली मालगाड़ी मिजोरम के बइरबी पहुंची। 10 जून 2025 को हरतकी से सायरंग तक अंतिम सेक्शन चालू किया गया। इससे 51.38 किलोमीटर रेल मार्ग पूरी हो गई और आइजोल पहली बार भारतीय रेलवे के नेटवर्क से जुड़ गया। परियोजना की कुल लंबाई 51.38 किलोमीटर है। परियोजना लाइन कोलासिब और आइजोल जिलों से होकर गुजरती है। जिसमें हरतकी, कॉनपुई, मुअलखांग, सायरंग स्टेशन शामिल हैं।

▶10 पर

बंगाल में रेत तस्करों के खिलाफ ईडी का छापा

कोलकाता, 08 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में 20 से ज्यादा जगहों पर सिलसिलेवार छापेमारी की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रेत तस्करी रैकेट में शामिल लोगों और उनके व्यवसायों पर छापेमारी की गई। कोलकाता के बेहाला, रीजेंट पार्क, बिधाननगर और कल्याणी समेत कई इलाकों में छापेमारी हुई है। इस कार्रवाई के केंद्र में पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम का कुख्यात रेत तस्कर शेख जहीरुल है। ईडी के अधिकारियों ने झारग्राम के गोपीबल्लवपुर में स्वर्णरेखा नदी के पास स्थित शेख जहीरुल के आवास की तलाशी ली। ▶10 पर

कोट डी आइवर क्या सच में होने जा रहा मालामाल सोने का विशाल भंडार और 2026 से खनन कार्य

यमोऊसोउक्रो,08 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम अफ्रीकी देश कोट डी आइवर को लेकर एक खबर सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि यहां सोने के विशाल भंडार मिले हैं। यही नहीं सरकार ने इन सोने के भंडार पर खनन कार्य 2026 से करने का प्लान भी बना लिया है, जिस पर कार्य किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के दावे के अनुसार कोट डी आइवर के उत्तर-पूर्वी डोरोपो क्षेत्र में सोने का एक विशाल भंडार मिलने की पुष्टि हो गई है।

रिपोर्ट्स में बताया गया है, कि पश्चिमी अफ्रीकी देश कोट डी आइवर में जमीन के भीतर लगभग 100 टन से अधिक सोना दबा हुआ है। लंबे समय से चर्चा में रही इस खोज को अब वास्तविकता में बदलने की तैयारी हो चुकी है। अधिकारियों के हवाले से बताया गया है, कि खदान के निर्माण कार्य की शुरुआत वर्ष 2026 से होने की संभावना है। इसके साथ ही सोने का पहला उत्पादन 2028 तक शुरू हो सकता है। खास बात यह है कि इसके लिए जून 2024 में पर्यावरणीय परमिट पहले ही जारी किया जा चुका है, जबकि खनन लाइसेंस की प्रक्रिया जारी है। खनन शुरू होने के बाद हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा और देश की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आ सकता है। यह खोज उस क्षेत्र में हुई है, जहां पहले से ही खनन और उत्पादन की सुविधाएं मौजूद हैं, जिससे आधारभूत ढांचे और श्रमिकों की उपलब्धता में आसानी होगी।

इसकी रिपोर्ट में पुष्टि की गई है और बताया गया है कि रेजोल्यूट माइनिंग कंपनी के सीईओ क्रिस एगर ने अपने एक बयान में कहा, कि उत्पादन शुरू होने के शुरुआती चरण में ही कोट डी आइवर को लगभग 300 अरब एफसीएफए (सेंट्रल अफ्रीकन फ्रैंक) टैक्स के तौर पर राजस्व प्राप्त हो सकता है। हालांकि, यह अनुमान उत्पादन दरों और खदान की लागत पर निर्भर करेगा। उम्मीद जताई जा रही है कि सोने के इस भंडार और उत्पादन यदि पूर्व लक्ष्य पर आधारित परिणाम प्राप्त करता है तो यह खोज कोट डी आइवर पश्चिम अफ्रीका के सोने के उद्योग को एक नई शक्ति के तौर पर उभारने में सफल हो जाएगा है। इस पर अब दुनियां की नजरें टिकी हुई हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आठ माह में आतंकवादियों ने 605 हमले किए 138 नागरिक मारे गए और 352 घायल

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में इस साल आतंकवादी घटनाओं में तेजी से वृद्धि देखी गई है। साल के पहले आठ महीनों में 605 हमले हुए। इनमें 138 नागरिक मारे गए और 352 घायल हुए। रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय पुलिस कार्यालय (सीपीओ) के आंकड़ों में बताया गया है कि इस अवधि के दौरान आतंकवाद से संबंधित मामलों में 351 संदिग्ध आतंकवादियों के नाम दर्ज किए गए। सुरक्षा अभियानों में 32 आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य गिरफ्तार किए गए। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि प्रांत के पुलिस बल को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इन हमलों में 79 जवान मारे गए और 130 घायल हुए। अकेले अगस्त में ही पूरे प्रांत में 129 आतंकवादी घटनाएं हुईं। इन हमलों में 17 नागरिकों की जान गई और 51 घायल हुए। इसी महीने, 186 संदिग्धों की पहचान की गई, जबकि मुठभेड़ों में आठ आतंकवादी मारे गए। जिलेवार विवरण से पता चलता है कि अगस्त में बन्नू में सबसे अधिक 42 हमले हुए।

प्रेमी को पैसों के लिए बेच डाला गुलामी कराने वाले गिरोह को

बीजिंग। चीन के ग्वांगडोंग प्रांत के झांजियांग की एक 17 वर्षीय लड़की ने अपने 19 साल के प्रेमी को पहले मोहब्बत के जाल में फंसाया और पैसों के लिए गुलामी कराने वाले गिरोह को बेच डाला। रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों की मुलाकात एक स्थानीय पूल हॉल में हुई थी। लड़की हमेशा आकर्षक कपड़े पहनती और नकली डिजाइनर बैग्स के जरिए अमीरी का दिखावा करती थी। यही चीजें उस युवक को लुभा गईं। धीरे-धीरे लड़की ने उससे नजदीकियां बढ़ाईं और अपने कथित बिजनेस की कहानियां सुनाकर उसे प्रभावित किया। उसने युवक को म्यांमार में शानदार नौकरी दिलाने का वादा किया। प्रेम के जाल में फंसा युवक परिवार के विरोध के बावजूद फरवरी में उसके साथ थाईलैंड चला गया। थाईलैंड-म्यांमार बॉर्डर पर पहुंचने के बाद लड़की ने उसे अकेला छोड़ दिया और हथियारबंद लोगों के हवाले कर दिया। उन्होंने युवक के दस्तावेज और फोन छीनकर उसे एक सीक्रेट कैंप में कैद कर लिया। वहां उसका सिर मुंडवाया गया और उसे रोजाना 16 से 20 घंटे तक कंप्यूटर पर बैठाकर अपने ही देशवासियों के खिलाफ ऑनलाइन धोखाधड़ी करने के लिए मजबूर किया गया। जब वह काम में असफल रहा तो उसे लोहे की रॉड से पीटा गया। लगातार यातनाओं के कारण उसका वजन 10 किलो से ज्यादा घट गया और उसे सुनने में भी परेशानी होने लगी। स्थिति और बिगड़ी जब अपहरणकर्ताओं ने युवक के परिवार से 43 लाख रुपये की फिरौती मांगी। परिवार ने जैसे-तैसे पैसा इकट्ठा कर जून 2025 में उसकी रिहाई कराई। इस बीच, धोखेबाज प्रेमिका म्यांमार से निकलकर थाईलैंड में 10 दिन छुट्टियां मनाती रही और फिर चीन लौट आई।

बुजुर्ग महिला की फिटनेस और खूबसूरती से युवाओं कर रही हैरान

लंदन। यहां की 55 वर्षीय आंद्रेया सनशाइन अपनी फिटनेस और खूबसूरती से युवाओं तक को हैरान कर देती हैं। इस अधेड महिला को 25 साल तक के युवा लड़के भी अपनी गर्लफ्रेंड बनाने और दोस्ती करने के लिए उत्सुक रहते हैं।आंद्रेया का कहना है कि उन्हें इस तरह की अटेंशन बिल्कुल पसंद नहीं है। आंद्रेया सोशल मीडिया पर अपने फिटनेस टिप्स और ब्यूटी सीक्रेट्स शेयर करती रहती हैं। उनकी फिटनेस का राज़ है रोजाना कम से कम तीन घंटे तक का वर्कआउट। वह एक घंटे तक कार्डियो करती हैं और फिर वेट ट्रेनिंग, जो उनके वर्कआउट का पसंदीदा हिस्सा है। जिम में उन्हें अक्सर पुरुषों से फ्लर्ट करने की कोशिशों का सामना करना पड़ता है, लेकिन वह साफ कहती हैं कि उनका ध्यान केवल फिटनेस पर होता है। उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में बताया कि जिम में लोग उन्हें 'बीस्ट' कहते हैं, क्योंकि वह किसी भी उम्र के पुरुषों से ज्यादा मेहनत करती हैं।

यूक्रेन पर रूस के ताजा हमले से अमेरिका में हलचल, ट्रंप ले सकते हैं बड़ा फैसला

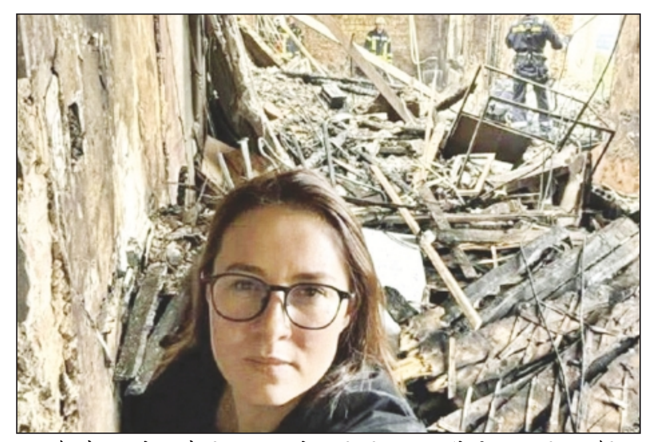

कीव (यूक्रेन)/वाशिंगटन ,08 सितंबर (एजेंसियां)। रूस के यूक्रेन पर अब तक के सबसे बड़े हमले से वाशिंगटन में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को संकेत दिया कि वे रूस पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। ट्रंप से व्हाइट हाउस से निकलते समय पत्रकारों ने सवाल किया-अब मॉस्को के प्रति क्या इरादा है ट्रंप ने कहा कि वह बड़ा फैसला लेंगे।

यूक्रेन के अखबार कीव पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की इस टिप्पणी के बाद वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा, हम अब इस प्रतिस्पर्धा में हैं कि यूक्रेनी सेना कितने समय तक टिक सकती है, बनाम रूसी अर्थव्यवस्था कितने समय तक टिक सकती है बेसेंट ने कहा कि यही नहीं, अब अमेरिका रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए यूरोपीय देशों के साथ साझेदारी करने को तैयार है।

जेडी वेंस ने यूरोपीय आयोग प्रमुख से बातचीत की - उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और यूरोपीय संघ आगे आकर रूसी तेल खरीदने वाले देशों र और प्रतिबंध और अतिरिक्त टैरिफ लगाएं तो रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी और मजबूर होकर राष्ट्रपति पुतिन को बातचीत के लिए आगे आना पड़ेगा। बेसेंट ने कहा कि हमले के बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन से चर्चा की है। उन्होंने कि हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि यूरोपीय संघ और अमेरिका दोनों मिलकर क्या कर सकते हैं। हम रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए तैयार हैं, लेकिन हमें अपने यूरोपीय सहयोगियों को भी साथ लाने की ज़रूरत है।

अमेरिकी दूतावास ने हमले की निंदा की - इस हमले पर कीव स्थित अमेरिकी दूतावास ने एक बयान जारी कर हमले में एक मां और एक शिशु की बेवजह हत्या और अभूतपूर्व पैमाने पर विनाश की निंदा की है। यूक्रेन के लिए ट्रंप के विशेष दूत कीथ केलॉग ने भी सोशल मीडिया पर लिखा: किसी भी युद्ध में खतरा तनाव का बढ़ना होता है। ऐसा लगता है कि रूस युद्ध को और बढ़ा रहा है। इस युद्ध का सबसे बड़ा हमला कीव स्थित कैबिनेट के कार्यालय पर हुआ है। केलॉग ने इसके लिए रूस को चेताया भी है।

रिपब्लिकन और डेमोक्रेट बोले-कार्रवाई का वक्त आ गया - इस हमले पर कैपिटल हिल में कड़ी प्रतिक्रिया हुई है। रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस (आर-एनसी) ने सोशल मीडिया पर लिखा: राष्ट्रपति ट्रंप तीन हफ्ते पहले पुतिन से मिले थे। तब से, पुतिन अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने के लिए अपने साथी सत्तावादियों से मिले हैं। फिर वह अपने अवैध आक्रमण की शुरुआत के बाद से यूक्रेन पर सबसे बड़े हवाई हमले को मंजूरी देने के लिए मॉस्को लौट आए। अब इस झूठे और हत्यारे को रोकने का समय आ गया है। सीनेटर जॉन कॉर्निन (रिपब्लिकन-टेक्सास) ने भी इसी भावना को दोहराया। विदेश नीति पर अग्रणी डेमोक्रेट सीनेटर जीन शाहीन (डेमोक्रेट-न्यू हैम्पशायर) ने रूस तुरंत प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है। उन्होंने जोर देकर कहा: पुतिन ने निर्दोष यूक्रेनियों पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। जब तक ट्रंप कार्रवाई नहीं करते, ये हमले जारी रहेंगे। अब और समय सीमा नहीं बढ़नी चाहिए। रिपब्लिकन कांग्रेसी ब्रायन फिट्ज़पैट्रिक (रिपब्लिकन-पेंसिल्वेनिया) ने इस हमले को आतंकवादी कृत्य बताया। उन्होंने कहा, यह सैन्य रणनीति नहीं है। यह आतंक है। जानबूझकर और सोची-समझी रणनीति। यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने रविवार को रूस के देश पर अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले के बाद कैबिनेट भवन के अंदर हुई तबाही दिखाई। इस हवाई हमले में कीव के मध्य भाग में चार लोग मारे गए हैं। स्विरीडेंको ने कहा, पूर्ण आक्रमण की शुरुआत के बाद पहली बार रूसियों ने कैबिनेट भवन पर हमला किया, जहां हमारी पूरी टीम काम करती है।सौभाग्य से कोई हताहत नहीं हुआ। आग बुझा दी गई है। रूसी आतंक सरकार के काम को नहीं रोक पाएगा। स्विरीडेंको ने कहा-रूस शांति नहीं चाहता यूक्रेन की आपातकालीन सेवाओं के अनुसार, रात भर चले हमलों में 44 से अधिक लोग घायल हुए हैं। कीव में ऊंची आवासीय इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। स्विरीडेंको ने कहा कि इस हमले से मॉस्को के असली इरादे जाहिर हो गए हैं।

रात में आती थी अजीब आवाजें, क्रॉल स्पेस का नजारा देख सभी रहे गए हैरान

वाशिंगटन,08 सितंबर (एजेंसियां)। रात में आती थीं अजीब-अजीब आवाजें सुनकर कर लगता था डर, जब राज खुला तो खिसक गई पैरों तले जमीन। यह मामला अमेरिका के ओरेगन राज्य का है जहां एक शख्स महीनों से घर के नीचे बने क्रॉल स्पेस में चोरी-छुपे कुछ ऐसा कर रहा था। इस गुप्त घर में न सिर्फ लाइट और टीवी लगा था, बल्कि बाकायदा बेड तक सजाया गया था। घर के मालिक को इसकी भनक तब लगी जब बार-बार अजीब आवाजें सुनाई देने लगीं। पुलिस ने छापा मारा तो नजारा देखकर सब हैरान रह गए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह अजीबो-गरीब वाकया पोर्टलैंड के पास हैप्पी वैली नामक इलाके कहा है। जहां एक शख्स ने पुलिस को सूचना दी कि एक अनजान शख्स कार से उतरा और सीधा एक घर के पीछे चला गया। जब उस शख्स ने देखा तो पाया कि घर के नीचे बने क्रॉल स्पेस का दरवाजा खुला हुआ है और अंदर से रोशनी आ रही है। पुलिस मौके पर पहुंची तो दरवाजा टूटा था और ताला बदला हुआ था। एक वेंट से बिजली की तार अंदर तक जाती दिखी। यह देख शक और गहरा गया।

> **एक शख्स घर के नीचे घर आलीशान जिंदगी जी रहा था, सभी सुविधाएं थी मौजूद**

जब दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर का दृश्य एक अपार्टमेंट जैसा था। वहां टीवी, चार्जर, लाइट्स और बेड सबकुछ मौजूद था। पुलिस के मुताबिक 40 साल का बेनिआमिन बुकर नामक शख्स वहीं लंबे समय से रह रहा था। जांच में पता चला कि वह बिजली भी घर से चोरी कर रहा था। पुलिस की तलाशी में वहां से एक मेथ पाइप बरामद हुआ यानी शख्स न सिर्फ गैरकानूनी तरीके से रह रहा था, बल्कि नशे का सामान भी रखे था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घर के मालिक ने कहा कि उन्हें इस बात की जरा भी भनक नहीं थी कि कोई उनके घर के नीचे घर बना कर रह रहा है। अजीब आवाजों को उन्होंने मामूली समझा, लेकिन हकीकत कुछ और निकली। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है और लोग अब अपने-अपने घरों के क्रॉल स्पेस चेक कर रहे हैं।

ट्रंप ने कजाक राष्ट्रपति टोकायेव से हुई बातचीत को बताया शानदार

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उनकी कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव से बहुत अच्छी बातचीत हुई। ट्रंप ने यह टिप्पणी व्हाइट हाउस से निकलते वक्त पत्रकारों से की, जब वे यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष फाइनल में शामिल होने जा रहे थे। हालांकि, बातचीत के मुद्दों पर उन्होंने कोई विस्तार नहीं किया। टोकायेव ने बीते जुलाई में ट्रंप को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने व्यापारिक मुद्दों पर रचनात्मक संवाद के लिए अपनी तत्परता जताई थी। यह तब आया था जब अमेरिका ने कजाकिस्तान से आने वाले सामान पर 25 प्रतिशत नए टैरिफ लगा दिए थे। अमेरिका और कजाकिस्तान ने ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017) में उन्नत रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें सुरक्षा और व्यापार सहयोग पर जोर दिया गया था। साल 2024 में अमेरिका और कजाकिस्तान के बीच व्यापारिक कारोबार 4.2 बिलियन डॉलर तक पहुंचा, जो 2023 की तुलना में 4प्रतिशत अधिक था। अमेरिका को कजाकिस्तान का मुख्य निर्यात क्रूड ऑय), यूरेनियम (16.4प्रतिशत), चांदी (12.2प्रतिशत), फेरोअलॉयज (9.5प्रतिशत), टैंटलम और उसके उत्पाद (0.89प्रतिशत) रहे।

अमेरिका के पोल्ट्री उद्योग को बर्ड फ्लू से भारी नुकसान

वाशिंगटन,08 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका ने जुलाई महीने में रूस से ताजा मुर्गी के अंडों पर 4.55 लाख डॉलर (करीब 3.8 करोड़ रुपये) खर्च किए। यह कदम उस समय उठाया गया जब देश में बर्ड फ्लू महामारी के चलते पोल्ट्री उद्योग को भारी नुकसान हुआ और अंडों की आपूर्ति संकट पैदा हो गया।

यह जानकारी अमेरिकी सांख्यिकीय सेवा के आंकड़ों के हवाले से दी। बताया जा रहा है कि यह आयात 32 वर्षों में पहली बार हुआ है। आखिरी बार अमेरिका ने 1992 में रूस से अंडे खरीदे थे। रिपोर्ट के अनुसार, रूस की अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने की कोशिश में जुटा अमेरिका अब खुद ही उसके साथ व्यापार करने के लिए मजबूर है। अमेरिका में साल 2025 की शुरुआत में फैले बर्ड फ्लू प्रकोप से लाखों मुर्गियां प्रभावित हुईं। हालात इतने गंभीर थे कि कई स्टोर्स को अंडों पर खरीद की सीमा लगानी पड़ी। फरवरी तक एक दर्जन अंडों की कीमत 7 डॉलर तक पहुंच गई। हालांकि पिछले महीनों में दामों में कुछ कमी आई है, लेकिन जुलाई 2025 में अंडे पिछले साल की तुलना में अब भी 16.4 प्रतिशत महंगे रहे। वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने इस संकट के लिए पूर्व बाइडेन प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने पद छोड़ने से पहले करीब 80 लाख मुर्गियों की अकारण कुरबानी दी, जिससे स्थिति और बिगड़ी।

फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने पर हमले के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों ने मॉस्को पर कड़े प्रतिबंध लगाए। अमेरिका ने रूस की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने, उसकी सैन्य क्षमताओं को सीमित करने और उसे वित्तीय व कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने के लिए ये व्यापक प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें रूसी सेंट्रल बैंक की अरबों डॉलर की संपत्ति को फ्रीज करना, प्रमुख रूसी बैंकों को स्विफ्ट सिस्टम से बाहर करना, रूस के ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार और निवेश पर भारी प्रतिबंध लगाना, और प्रमुख रूसी अधिकारियों पर प्रतिबंध शामिल हैं। इन पाबंदियों के बावजूद, 2024 में अमेरिका ने रूस से करीब 3 अरब डॉलर के सामान आयात किए। इनमें उर्वरक (2025 की पहली छमाही में 927 मिलियन डॉलर), यूरेनियम व प्लूटोनियम (755 मिलियन डॉलर) और पैलेडियम जैसे कीमती धातु शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों में अमेरिका-रूस व्यापार लगभग 90प्रतिशत तक गिर चुका है।

हमास को खत्म करने के चक्कर में आम लोगों की जा रही जान, अब भयंकर भुखमरी का संकट

गाजा,08 सितंबर (एजेंसियां)। गाजा में इजरायली हमले रुक नहीं रहे हैं। वजह ये है कि इजरायल ने संकल्प ले रखा है कि हमास के एक एक सदस्य को चुनचुनकर मारेंगे। भले ही इसके लिए कितनी ही कीमत क्यों न चुकाना पड़े। शायद यही वजह है कि इजरायल उन इमारतों पर हमले कर रहा है जहां हमास के लोगों के छिपे होने की आशंका है। गाजा में इजरायली हमलों में अब तक 64 हजार लोगों की जान गई है। वहीं भुखमरी से मरने वालों को कोई आंकड़ा ही सामने नहीं आया है। अंतरराष्ट्रीय संगठन गाजा में अकाल को लेकर बेहद चिंतित हैं। यूएन की एजेंसी का भी कहना है कि अगर इजरायल चाहे तो गाजा अकाल से बच सकता है। ग्लोबल हंगर मॉनीटर के मुताबिक हजारों फिलिस्तीनी अब भी भुखमरी का शिकार हैं। वहीं गाजा सिटी में इजरायली हमला तेज होने के बाद यहां स्थिति काफी खराब हो गई है।

गाजा के लोगों का कहना है कि गाजा सिटी राफाह बन जाए, इससे पहले हमास को इजरायल के साथ बात करके युद्ध खत्म करना चाहिए। इजरायल में भी आम जनता गाजा के इस युद्ध का समर्थन नहीं करती है। शनिवार को भी हजारों लोगों ने युद्ध खत्म करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। माना जा रहा है कि गाजा में अब भी 48 इजरायली बंधक जिंदा हैं। इजरायल की रक्षा एजेंसी सीओजीएटी का कहना है कि पिछले सप्ताह गाजा में 1900 ट्रक भेजे गए हैं। धीरे-धीरे सप्लाई बढ़ाई जा रही है। एजेंसी ने कहा, यह सहायता केवल आम लोगों के लिए है ना कि हमास के लिए। इजरायल का कहना है कि गाजा सिटी की बहुमंजिला इमारतों पर हमास का कब्जा है इसलिए आम लोग इसे खाली कर दें। बीते दिनों इजरायल ने गाजा सिटी की कई हाई राइज को निशाना बनाया है। इन हमलों में कम से कम 14 लोग मारे गए।

इजरायल ने मार्च से मई तक 11 महीने के लिए गाजा में मानवीय सहायता पर भी रोक लगा दी थी। वहीं अब इजरायल का दावा है कि वह आम लोगों तक राशन पहुंचा रहा है। वहीं यूएन की एजेंसी के मुताबिक यह सहायता पर्याप्त नहीं है। यूएन ऐड के चीफ टॉम फ्लेचर ने कहा कि समय तेजी से गुजर रहा है। अगर गाजा को अकाल से बचाना है तो इसके लिए बहुत कम समय बचा है।

इजराइल के सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को कहा कि सरकार फलस्तीनी कैदियों को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध नहीं करा रही। कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कैदियों को पर्याप्त भोजन मुहैया कराएं। यह लगभग ढाई साल में ऐसा दुर्लभ मामला है, जिसमें उच्चतम न्यायालय ने सरकार के खिलाफ कोई फैसला सुनाया है। युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल ने गाजा में हमास से जुड़े होने के संदेह में हजारों लोगों को कैद किया है। हजारों लोगों को महीनों हिरासत में रखने के बाद छोड़ा भी गया है।

ट्रंप के टैरिफ पर बड़ा प्रहार

पीएम मोदी ने उतारी सांसदों की फौज, इन 3 टारगेट पर काम करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)। भारत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाने के फैसले के बाद अब पीएम मोदी ने नई रणनीति बनाई है। दरअसल, पीएम मोदी आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए सांसदों की फौज उतारने जा रहे हैं। दरअसल, पीएम मोदी ने सांसदों की कार्यशाला में 'स्वदेशी' का नारा एक बार फिर से बुलंद किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों से भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'स्वदेशी मेला' आयोजित करने का आग्रह किया और कहा कि आत्मनिर्भरता ही भारत के उत्थान का मार्ग है।

सूत्रों ने बताया कि उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले सांसदों को संबोधित करते हुए मोदी ने भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता

पर जोर दिया और लोगों को जीएसटी दरों में कटौती के व्यापक प्रभाव के बारे में बताने का आग्रह किया।

सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा उन्होंने सांसदों से खासकर त्योहारी सीजन में अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों एवं व्यापारियों के साथ बैठकें करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में कहा कि मोदी ने किसी देश का जिक्र नहीं किया, बल्कि आत्मनिर्भरता की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक मजबूत राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, ऐसे में कुछ चुनौतियां भी आएंगी और विकसित राष्ट्र बनने की राह पर आगे बढ़ने के लिए उसे आत्मनिर्भर होने की जरूरत है।

रिजिजू ने कहा कि उन्होंने सांसदों से अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मेले आयोजित करने और इसमें नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लोगों को भारत में निर्मित उत्पादों पर उतना ही गर्व होना चाहिए, जितना वे कभी जापानी वस्तुओं पर महसूस करते थे।

पीएम मोदी ने सांसदों से कहा कि वे जिस कार्यक्रम में शामिल हों, 'स्वदेशी' उसका हिस्सा होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से एक लहर पैदा हुई है और सांसद जनता के साथ बैठकें करके इस संदेश को उन तक पहुंचाएं। सूत्रों ने बताया कि मोदी ने सांसदों को सलाह दी कि वे मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में सही तरीके से मतदान करें, ताकि कोई भी वोट बर्बाद न हो।

तेजस्वी की पत्नी पर गलत बयान के बाद राजबल्लभ की सफाई

किसी महिला को जानवर कहना मेरे स्वभाव में नहीं

नवादा , 08 सितंबर (एजेंसियां)। नवादा में सोमवार को आयोजित एक विशाल सामाजिक कार्यकर्ता सम्मेलन में पूर्व श्रम राज्यमंत्री राजबल्लभ प्रसाद ने अपने राजनीतिक विरोधियों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने चेतावनी दी कि बयानबाजी करने वालों को अदालत में घसीटकर सच उगलवाया जाएगा।

राजबल्लभ ने कहा कि तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री यादव के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया, जबकि उन्होंने कोई आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि मैं स्पष्टवादी हूँ। आदमी को आदमी और जानवर को जानवर ही कहूंगा। किसी महिला को जानवर कहना मेरे स्वभाव में नहीं। मेरे बयान को तोड़ने-मरोड़ने वालों को जनता और अदालत दोनों सबक सिखाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि

यह लड़ाई वैचारिक है, हिंसक नहीं। इसी दौरान उन्होंने विनय यादव को दंगल में चुनौती दी। राजबल्लभ ने व्यंग्य करते हुए कहा कि सुबह-शाम दो किलो दूध भेजूंगा तैयारी के लिए। अगर जीत गए तो 11 लाख का इनाम दूंगा, लेकिन अगर चांप दिया तो जिम्मेदारी उनकी होगी।

बिना नाम लिए कौशल यादव पर भी उन्होंने हमला बोला। हत्या, अपहरण और बालू घोटाले से जुड़े केस नंबर तक मंच से पढ़कर सुनाए और आरोप लगाया कि बड़े नेताओं की शह पर ऐसे मामलों को 19 साल से दबाया जा रहा है। उन्होंने विनय यादव पर भी जनवितरण प्रणाली, मध्यान्ह भोजन और आंगनबाड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी देवकी माँझी ने की और संचालन प्रिंस तमन्ना ने किया। भारी जनसमूह से उत्साहित राजबल्लभ ने सैकड़ों वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और पत्रकारों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सदर विधायक विभा देवी, रजौली विधायक प्रकाशवीर, एमएलसी अशोक कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष पुष्पा राजवंशी समेत कई नेताओं ने राजबल्लभ प्रसाद के सामाजिक योगदान की सराहना की।

जम्मू कश्मीर में जन सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई

आम आदमी पार्टी का विधायक गिरफ्तार

विकास कार्य में बाधा डालने और युवकों को भड़काने का आरोप

जम्मू, 08 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के डोडा विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक को जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मेहराज मलिक को सरकारी अधिकारियों से बदसलूकी करने, विकास कार्यों में बाधा डालने और युवकों को हिंसा के लिए भड़काने के गंभीर आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मलिक पर 18 एफआईआर दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाए

रखने के लिए हिरासत आवश्यक थी। यह भी संकेत मिला कि आने वाले दिनों में पीएसए के तहत और भी विधायक हिरासत में लिए जा सकते हैं।

पीएसए जम्मू कश्मीर का एक प्रशासनिक कानून है, जो कुछ मामलों में बिना आरोप या मुकदमे के दो साल तक की हिरासत की अनुमति देता है। अधिकारियों ने कहा कि मलिक के आचरण से क्षेत्र में शांति और शासन को खतरा है। आम आदमी पार्टी के मेहराज मलिक ने 2024 के विधानसभा चुनाव में डोडा से अपने भाजपा प्रतिद्वंद्वी को 4,500 से अधिक मतों के अंतर से हराया था। इससे पहले, दिसंबर 2020 में उन्होंने कहारा निर्वाचन क्षेत्र से जिला विकास परिषद का चुनाव जीता था और अक्टूबर 2024 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था।

रोहतास कांग्रेस में बगावत!

13 प्रखंड अध्यक्षों ने जिलाध्यक्ष अमरेंद्र पांडे के खिलाफ मोर्चा खोला

पटना, 08 सितंबर (ब्यूरो)। रोहतास जिला कांग्रेस कमेटी इन दिनों अंतर्विरोध के कारण सुर्खियों में है। इससे पहले कांग्रेस जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह नोटरी को भी इसी कारण अपना पद गंवाना पड़ा था। अब नए जिलाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार पांडे के खिलाफ भी बगावत के सुर उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार रोहतास जिले के 13 प्रखंड अध्यक्षों ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार पांडे के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सत्येंद्र दुबे को अपना जिलाध्यक्ष घोषित कर दिया है। राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि बिहार विधानसभा चुनाव से

पहले पार्टी में चल रहे ये अंतर्विरोध जिले में चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सोमवार को एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार पांडे ने कहा कि बीते रविवार को जगजीवन सेवा आश्रम में आयोजित कार्यकर्ता सम्मान समारोह के दौरान मेरे खिलाफ जो आरोप लगाए गए, वे पूरी तरह निराधार हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग विरोध कर रहे हैं, वे चेनारी विधायक मुरारी प्रसाद गौतम के संपर्क में हैं और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे हैं, जिसका साक्ष्य उनके पास मौजूद है।

अमरेंद्र कुमार पांडे ने चेतावनी दी कि संगठन का कोई भी सदस्य अगर पार्टी के अनुशासन का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। चेनारी विधायक के साथ घूमने वाले लोग पार्टी के साथ विश्वासघात कर रहे हैं और उनके लिए कांग्रेस में कोई जगह नहीं है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिलाध्यक्ष का पद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा मनोनीत किया जाता है। इसलिए किसी कार्यकर्ता द्वारा जिलाध्यक्ष का अपमान करना, पार्टी नेतृत्व का अपमान है। उन्होंने उन कार्यकर्ताओं की भी निंदा की, जो ङ्कदो नाव की सवारी कर रहे हैं।

अमरेंद्र कुमार पांडे ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस में विरोध के पीछे भाजपा का स्लीपर सेल सक्रिय है। भाजपा का अपना जनाधार कमजोर है, इसलिए उन्हें कांग्रेस के कुछ लोगों का सहारा लेना पड़ रहा है।

प्रेस वार्ता के दौरान अनिरुद्ध तिवारी, बीडी शुक्ला, तौफिक अहमद मकरानी, राजेश्वर कुशवाहा और सौरभ कुशवाहा मौजूद रहे।

भ्रष्टाचार के जनक से मिले हैं! लालू-रेड्डी की मुलाकात पर ललन सिंह ने कसा तंज

पटना/दिल्ली,08 सितंबर (ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने इंडिया ब्लॉक गठबंधन की ओर से उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की मुलाकात पर तंज कसते हुए कहा कि वे उनसे मिल रहे हैं जो इस देश में भ्रष्टाचार के जनक हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि बहुत अच्छी बात है कि वे मिलने के लिए गए हैं। जो इस देश में भ्रष्टाचार के जनक हैं, वे उनसे मिलते हैं। अच्छी बात है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9

सितंबर को मतदान होना है, जिसमें एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच मुकाबला है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए सोमवार को दिल्ली में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) सांसदों की एक मीटिंग हुई। इस मीटिंग में चुनाव को लेकर चर्चा हुई।

मीटिंग के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को चुनाव होगा। लोकसभा और राज्यसभा के सभी जदयू सांसद, कौशलेंद्र कुमार के आवास पर एकत्रित हुए।

उनकी ओर से सभी सांसदों के लिए दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया था। उन्होंने कहा कि एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन भी मौजूद थे और उन्होंने सभी से बातचीत की। चूंकि मतदान मंगलवार को होना है, इसलिए सांसदों ने मतदान प्रक्रिया का अभ्यास भी किया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक वोट सही ढंग से डाला जाए।

केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिलाया है कि जदयू पार्टी पूरी एकजुटता और मुस्तैदी के साथ एनडीए के उम्मीदवार, पीएम मोदी की ओर से घोषित उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के साथ खड़ी है। उन्होंने विपक्ष को जवाब देते हुए कहा कि जो भी सांसद चुन कर आए हैं, उनके पास भी विवेक है और उन्हें पता है कि वोट कहां और किसे करना है। एनडीए की ओर से जो उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार हैं, उनका एक लंबा सामाजिक जीवन का एक लंबा इतिहास है। वे जमीन स्तर की रिएलिटी से वाकिफ हैं। इसीलिए उन्हें ही देश का उपराष्ट्रपति होना चाहिए जो देश की मूल समस्याओं से वाकिफ हो।

बाहुबली मुन्ना शुक्ला पर जदयू प्रवक्ता का निशाना

कभी लालगंज में हथियार लेकर घूमते थे लोग

वैशाली,08 सितंबर (ब्यूरो)। जदयू के प्रवक्ता संजय सिंह ने सोमवार को लालगंज में सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक और बाहुबली मुन्ना शुक्ला पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि लालगंज विधानसभा क्षेत्र से एनडीए का जो भी उम्मीदवार होगा, उसे भारी मतों से जिताना है।

संजय सिंह ने कहा कि आज दो धाराओं की लड़ाई है। विकास बनाम विनाश की। 1990 से 2005 तक के दौर को याद कीजिए, जब लालगंज में बड़ी-बड़ी गाड़ियों में राइफल लहराते लोग घूमते थे। लेकिन आज ऐसा दृश्य नहीं देखने को मिलता, क्योंकि 2005 में बिहार को न्याय के साथ विकास का

नारा देने वाले नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार पर आज तक भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा और वे अपने परिवार के लिए नहीं, बल्कि बिहार की 14 करोड़ जनता के लिए जीते हैं।

संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने बिहार को कई सौगातें दीं। दरभंगा एयरपोर्ट शुरू हो चुका है और अब प्रधानमंत्री पूर्णिया में एयरपोर्ट का उद्घाटन करने वाले हैं। सभा में उन्होंने प्रधानमंत्री की दृढ़ नीति का जिक्र करते हुए कहा, ङ्कपहलगाम में हमला हुआ था तो प्रधानमंत्री ने साफ कहा था कि जो हमारे पर्यटकों को मारेगा, उसे घर में घुसकर मारेंगे। उन्होंने 56 इंच के सीने का परिचय दिया और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया।

पटना में फर्जी आईपीएस अधिकारी गिरफ्तार

ठगी के कई मामलों का खुलासा, सोशल मीडिया से बढ़ाता था कनेक्शन

पटना,08 सितंबर (ब्यूरो)। बिहार की राजधानी पटना में फर्जी आईपीएस अधिकारी बनकर लोगों से ठगी करने के आरोपी युवक को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान फुलवारीशरीफ निवासी असलम अहमद के रूप में हुई है। पुलिस से जुड़े आधिकारिक सूत्र ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर रविवार को छापेमारी कर आरोपी को पकड़ा गया, जो पकड़े जाने के वक्त वर्दी में था।

पटना पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस)

अधिकारी का फर्जी पहचान पत्र, ईमेल आईडी के प्रिंटआउट, मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किए गए हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि वह सोशल मीडिया पर भी अपनी पहचान एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के रूप में करता था और लोगों को भ्रमित कर उनसे पैसे ऐंठता था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी ने कई लोगों से नौकरी दिलाने, स्थानांतरण कराने और मामलों में मदद करने के नाम पर ठगी की है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने कुछ लोगों से लाखों रुपये वसूलने की बात स्वीकार की है। पुलिस का कहना है कि आरोपी लंबे समय से इस फर्जीवाड़े में लिप्त था और उसने अपनी विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए वर्दी पहनकर तस्वीरें भी खिंचवाई थीं। फिलहाल उसके नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब ठगी के शिकार लोगों की पहचान कर पूरे मामले का खुलासा करने में जुटी है।

बिहार में युवाओं को साधेगी भाजपा, पहले चरण में 14 जिलों पर नजर, बड़े नेताओं को मंच पर उतारने की तैयारी

पटना,08 सितंबर (ब्यूरो)। पूरी तरह से चुनावी रंग में उतर चुकी बिहार भाजपा अपना निशाना राज्य के युवाओं पर साध कर चुनावी जंग को एक नया रूप देने जा रही है। जिले में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं को प्रेरणा देने या सक्रिय करने को भाजपा कद्दावर नेताओं को उस मंच पर उतारने की पूरी तैयारी कर ली है। युवाओं को साधने का यह कार्यक्रम पहले चरण में 14 जिलों में होगी। जानिए पूरी तैयारी क्या है और कौन बनेंगे उस मंच के चेहरे?

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) बिहार में 14 क्षेत्रीय युवा सम्मेलन का आयोजन करने

जा रही है। ये जानकारी भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा ने दी। भाजपा प्रदेश कार्यालय में जानकारी साझा करते उन्होंने बताया कि इन सम्मेलनों का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा युवाओं के बीच संपर्क कर उन्हें भाजपा की नीति से जोड़ना और दूसरा उद्देश्य इंडी गठबंधन के झूठ का पर्दाफाश करना भी है।

भाजयुमो की ओर से आयोजित 14 क्षेत्रीय युवा सम्मेलन में देशभर से पार्टी के वरिष्ठ नेतागण शामिल होंगे। क्षेत्रीय युवा सम्मेलन का शुभारंभ 10 सितंबर को गोपालगंज जिले से होगा। यहां भाजयुमो राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद तेजस्वी सूर्या मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा क्षेत्रीय युवा सम्मेलन में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सांवत, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, सांसद अनुराग ठाकुर, बांसुरी स्वराज, संजय जायसवाल, राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा, मंत्री नितिन नवीन सहित अन्य नेतागण विभिन्न जिलों में आयोजित क्षेत्रीय युवा सम्मेलन में भाग लेंगे। भाजयुमो ने इस मौके पर नमो युवा रन का भी आयोजन किया है। इस माध्यम से युवाओं को स्वस्थ बिहार, शिक्षित बिहार का संदेश देगी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर के दिन पटना में रक्तदान शिविर का शुभारंभ होगा और अगले दिन सभी 52 संगठनात्मक जिलों में रक्तदान शिविर का आयोजन होगा।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा ने कहा कि भाजयुमो लगातार विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बिहार के युवाओं से संपर्क कर यह बताना चाहती है कि बिहार के युवाओं को अंधेरे की गर्त में जाने से बचाकर एनडीए सरकार उनका उज्ज्वल भविष्य गढ़ रही है। बिहार सरकार और केंद्र सरकार युवाओं के सपनों के साथ खड़ी है। साथ इसके इन्हीं युवाओं के सहारे बिहार के दो युवराज के भ्रम और झूठ को अस्वीकार कर पुनः राजग की डबल इंजन सरकार बनाने के लिए प्रेरित करेगी।

संगीत के इतिहास में सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने वाली सिंगर हैं आशा भोसले

आशा भोसले। भारतीय सिनेमा और संगीत की दुनिया में एक ऐसा नाम हैं, जो अपनी वर्सटैलिटी के लिए मशहूर हैं। फिर चाहे बात रोमांटिक गानों की हो, या फिर डांस नंबर्स की, अपने 8 दशक से अधिक के करियर में आशा ताई ने जो भी गाया, बेहतरीन गाया है। 8 सितंबर 2025 को आशा भोसले 92 साल की हो गई हैं। दादा साहब फाल्के अवॉर्ड और पद्म विभूषण आशा का नाम 2011 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। वह संगीत के इतिहास में सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने वाली सिंगर हैं। आशा भोसले ने 1980 में पंचम दा यानी आरडी बर्मन से शादी की थी। यह उनकी दूसरी शादी थी। आशा और पंचम की जोड़ी ने तीन दशकों तक साथ काम करते हुए कई हिट गाने दिए। इनमें से ही एक सुपरहिट गाना है 'आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा', यह गाना जितना यादगार है, इसके बनने की कहानी उससे कहीं ज्यादा दिलचस्प और मजेदार।

फिल्म 'तीसरी मंजिल' का यह गाना 'आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा', को आशा भोसले और मोहम्मद रफी ने गाया था। बोल मजरूह सुल्तानपुरी ने लिखे थे। शम्मी कपूर और आशा पारेख पर इस गाने को फिल्माया गया। डायरेक्टर विजय आनंद थे और फिल्म के प्रोड्यूसर नासिर हुसैन। यह एक ऐसा गाना है जिसने शम्मी कपूर के ऑन-स्क्रीन इमेज को गढ़ने का काम किया। वैसे तो 'तीसरी मंजिल' के सभी गाने सुपरहिट रहे थे। फिर चाहे, 'ओ मेरे सोना रे सोना' हो, 'ओ हसीना जुल्फों वाली जाने जहां' हो या फिर 'दीवाना मुझसा नहीं' और 'तुमने मुझे देखा।'

शम्मी उस समय राजा थे, राजा की तरह व्यवहार करते थे

साल 1984 में फिमफेयर को दिए इंटरव्यू में आरडी बर्मन ने बताया था मजरूह सुल्तानपुरी ने ही नासिर हुसैन से इस गाने के लिए उनके नाम की सिफारिश की थी। फिल्म में पहले देव आनंद लीड रोल में थे, लेकिन नासिर साहब के साथ उनके विवाद के कारण बाद में शम्मी कपूर को कास्ट किया गया। आरडी बर्मन कहते हैं, 'मुझे लगता है कि उस समय फिल्म करने की मेरी संभावनाएं खत्म हो गई थीं, क्योंकि शम्मी उस समय राजा थे, राजा की तरह व्यवहार करते थे और उनका अपना ग्रुप था। शम्मी चाहते थे कि संगीत निर्देशन का काम जयकिशन करें। लेकिन फिर उन्होंने ही उनसे कहा कि मुझे मौका दिया जाना चाहिए। शम्मी मान गए।

आठ दिन चली थी गाने की रिहर्सल

साल 2010 में आशा भोसले ने 'तीसरी मंजिल' की कहानी शेयर की थी। उन्होंने कहा, 'आरडी बर्मन को फिल्म मिलने के बाद, वह मेरे पास आए। वह चाहते थे कि मैं उनके गाने की आवाज बनूं। दरअसल, 'आजा आजा' पहला गाना था जो उन्होंने फिल्म के लिए बजाया था। हालांकि पहले तो लगा कि यह किसी भी अन्य गाने जैसा ही है, लेकिन जब मैं 'आह आह आजा, आह आह आजा' वाले हिस्से पर पहुंची, तो एहसास हुआ कि इसके लिए एक लंबी रिहर्सल की जरूरत है। नतीजा यह हुआ कि आठ दिन रिहर्सल में लगे, क्योंकि इसके लिए अपनी सांसों पर कंट्रोल रखना जरूरी था।'

जब मैंने गाना सुना, तो मैं 'अरे बाप रे' जैसी हो गई'

आशा भोसले ने 'इंडियन आइडल' में एक और किस्सा शेयर करते हुए बताया, 'जब मैंने गाना सुना, तो मैं 'अरे बाप रे' जैसी हो गई। मुझे इस गाने की प्रैक्टिस और तैयारी में आठ दिन लगे। दरअसल, एक बार तो मेरा ड्राइवर मेरे मुंह से 'आह आह आजा, आह आह आजा' सुनकर मुझे अस्पताल ले जाने वाला था, क्योंकि उसे लगा कि जिस तरह से मेरी सांसें चल रही थीं, मैं किसी मेडिकल इमरजेंसी में फंस गई हूं। लेकिन उसे क्या पता था कि यह अपने समय के सबसे लोकप्रिय गानों में से एक का यादगार एक्सप्रेशन बनने वाला है।'

ड्राइवर परेशान हो गया, उसे लगा मेरी सांस फूल रही है

आशा ताई ने बताया कि वह रिहर्सल के बाद अपनी कार में गाने की इतनी प्रैक्टिस करती थीं। वह कहती हैं, 'एक दिन मेरा ड्राइवर परेशान हो गया। जब हम हाजी अली पहुंचे, जहां मैं रहती हूं, तो मेरे ड्राइवर ने अचानक मुझसे पूछा कि क्या मैं अस्पताल जाना चाहती हूं, क्योंकि उसे लगा कि मेरी सांस फूल रही है। यह वाकई एक मजेदार पल था।'

फिल्म रंगीला के 30 साल पूरे, उर्मिला मातोंडकर ने याद किए पुराने दिन

बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म रंगीला ने सोमवार को 30 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने पोस्ट के जरिए अपने दिल की बातें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह मशहूर गाने रंगीला रे पर डांस करती नजर आ रही हैं।

उर्मिला ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, रंगीला ये सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि एक एहसास थी, और आज भी रहेगी। ये खुशी, उम्मीद, सपने, महत्वाकांक्षा, सुंदरता, जोश, प्यार, प्रशंसा, संघर्ष, जीत, त्याग और सबसे बढ़कर, जिंदगी का एक शानदार जश्न था।अभिनेत्री ने बताया कि इसका हर एक सीन मासूम बच्चे जैसी चेहरे पर मुस्कान लाता है, जो कि हमें एक जादुई दुनिया में ले जाता है। इसका हर एक गाना सिर्फ संगीत ही नहीं बल्कि, नवरसों का उत्साह है। भारतीय साहित्य और कविता के नौ भाव शृंगार, हास्य, करुणा, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत और शांत।

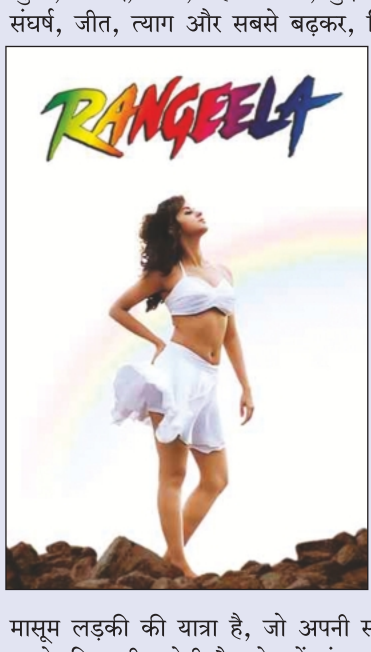

अभिनेत्री ने लिखा, इस फिल्म की कहानी मासूम लड़की की यात्रा है, जो अपनी सादगी और आकर्षण से सबके दिल जीत लेती है। वो हमें सुंदरता, कविता, जिंदगी और प्यार की एक अनमोल यात्रा पर ले जाती है। उन्होंने लिखा, तीस साल पहले आज ही के दिन 'रंगीला' आप सबकी हो गई थी। मुझे यकीन है कि आज भी यह फिल्म आपको उस पहले पल में ले जाती है, जब आप हंसे, तालियां बजाईं और इसके जादू से प्यार कर बैठे थे। आपके प्यार, तारीफ और सराहना मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी है। मुझे अपने दिलों में जगह देने के लिए, इतना प्यार देने के लिए, और मुझे उस जगह पर पहुंचाने के लिए शुक्रिया, जिसका सपना बहुत कम लोग देख पाते हैं। हो जा रंगीला रे। राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित फिल्म में उर्मिला के अलावा, आमिर खान और जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिका में थे। फिल्म की कहानी मिली (उर्मिला) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक मशहूर अभिनेत्री बनने का सपना देखती है, लेकिन उसे इस राह में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

संजय दत्त ने बताया, पढ़ाई से बचने के लिए एक्टिंग का रास्ता...

अभिनेता संजय दत्त हाल ही में कपिल शर्मा के कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में अपने करीबी दोस्त और अभिनेता सुनील शेट्टी के साथ नजर आए। यहां अभिनेता ने बताया कि उन्होंने पढ़ाई से बचने के लिए ही एक्टर बनना चुना था। इसका एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। इसमें कपिल शर्मा संजय दत्त से पूछते हैं, आप बचपन में खूब शरारती थे। जब आपने पहली बार अपने पिता को बताया कि आप एक्टर बनना चाहते हैं तो उनका क्या रिएक्शन था?

इस पर संजय दत्त ने कहा, मुझे थप्पड़ पड़ा। पापा ने कहा कि पढ़ाई करना बहुत जरूरी है। एक्टर बनना आसान नहीं है। मैंने सोचा था कि एक्टर बन जाऊंगा तो पढ़ाई से बच जाऊंगा। कॉलेज नहीं जाना पड़ेगा, इसलिए मैं एक्टर बनना चाहता था। मैंने जिद की, तो पापा बोले, 'सुबह 5 बजे उठ जाना कल। कल से तुम्हें घुड़सवारी सीखनी है।' मैं परेशान, इतनी जल्दी कैसे उठूंगा। कपिल, मैंने 6 महीने बाद पापा से पूछा था कि क्या मैं फिर से कॉलेज चला जाऊं।

संजय दत्त को सुबह उठना पसंद नहीं था, इसलिए उन्होंने अपने पिता सुनील दत्त से फिर से कॉलेज जाने के बारे में पूछा था। यह एपिसोड जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा। इस शो में वे अपने जेल के दिनों को भी याद करते दिखाई देंगे। यह एपिसोड बहुत ही मजेदार होने वाला है।फिल्मों की बात करें तो संजय दत्त की लेटेस्ट फिल्म 'बागी 4' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। दर्शक इस मूवी में उनके किरदार को पसंद कर रहे हैं। फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ, हरनाज संधू, सोनम बाजवा और अन्य कलाकार हैं।

'बागी 4' का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। साजिद ने ही इसकी कहानी और पटकथा भी लिखी है। इसके निर्देशक ए. हर्ष हैं। इस मूवी से हरनाज संधू बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं।संजय दत्त आने वाले दिनों में 'धुरंधर', 'द राजासाहब', 'वेलकम टू द जंगल', 'केडी: द डेविल' जैसी फिल्मों में दिखाई देंगे।

एक्ट्रेस निया शर्मा का नया लुक ऑल-ब्लैक गेटअप में दिखीं खूबसूरत

टेलीविजन की जानी-मानी अभिनेत्री निया शर्मा अपने स्टाइलिश लुक्स और आत्मविश्वास भरे अंदाज के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट कीं। निया ने तस्वीरों में फैशन सेंस और ट्रेंडी लुक को बखूबी दर्शाती नजर आ रही हैं।

निया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर दो तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वह ऑल-ब्लैक गेटअप में नजर आ रही हैं, जो उनकी बोल्ड और स्टाइलिश पर्सनैलिटी को उभार रहा है।पहली तस्वीर में निया ने ब्लैक टॉप के साथ स्टाइलिश काले चश्मे पहने हैं, जिसमें वह हल्की-सी मुस्कान के साथ सेल्फी लेती दिख रही हैं। उनके खुले बाल और मिनिमल मेकअप ने लुक को और भी आकर्षक बनाया है। दूसरी तस्वीर में निया ने अपनी सैंडल की झलक दिखाई।

निया शर्मा टेलीविजन इंडस्ट्री में अपनी दमदार एक्टिंग, बोल्ड लुक्स और बेबाक बयान के लिए मशहूर हैं। उन्होंने अभिनय की शुरुआत साल 2010 में आए शो 'काली- एक अग्निपरीक्षा' से की थी। शो में उन्होंने अनु का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।इसके बाद उन्होंने 'एक हजारों में मेरी बहना है' में काम किया, जिसने उनकी घर-घर में पहचान बनाई। फिर, निया 'जमाई राजा' और 'नागिन' जैसे शोज में नजर आई थीं। इसके अलावा, वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट करती हैं। निया हाल ही में सेलिब्रिटी कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ्स : अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में भी दिखाई दी थीं। इसमें उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह जैसे स्टार्स नजर आए थे। इसके विजेता एल्विश यादव और करण कुंद्रा थे।

मुंबई में 'मिर्जापुर: द फिल्म' की शूटिंग शुरू, बीना त्रिपाठी के अवतार में लौटीं रसिका दुग्गल

2024 में 'मिर्जापुर: द फिल्म' की आधिकारिक घोषणा हुई थी। सोमवार को इसकी शूटिंग शुरू हो गई। अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है। मिर्जापुर' सीरीज ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। इसकी कहानी दर्शकों को काफी पसंद आई। उन्होंने इसे छोटे पर्दे पर ही देखा था। अब दर्शकों को इसके बड़े पर्दे पर रिलीज होने का इंतजार है।फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग अभिनेत्री रसिका दुग्गल के साथ मुंबई में शुरू हुई है। इसमें वह बीना त्रिपाठी के रोल को निभाती दिखाई देंगी। उन्हें इस किरदार में दर्शकों ने खूब पसंद किया था।

फिल्म से जुड़े सूत्र ने कहा, रसिका ने इस भूमिका के लिए बहुत अच्छी तैयारी की है और आसानी से बीना की दुनिया में वापस आ गई हैं। लोग उन्हें पूरी कास्ट के साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक बात जो रोमांचक है, वह यह है कि उनका किरदार कितना प्रभावशाली बन रहा है। अब तक हमने जो कुछ भी देखा है, उससे ऐसा लगता है कि बीना त्रिपाठी मिर्जापुर की दुनिया में कुछ ऐसा लेकर आएंगी, जो पहले कभी नहीं देखा गया है।बताया जा रहा है कि 'मिर्जापुर' फिल्म में दमदार एक्शन और गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में अभिनेता विक्रांत मैसी भी थे, उन्हें अपने बबलू पंडित के रोल को आगे बढ़ाने का ऑफर मिला था, लेकिन विक्रांत ने इसे ठुकरा दिया था। बताया जा रहा है कि फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और मोहित मलिक जैसे नए कलाकार भी हैं। इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

श्राद्ध में करे पितरों का तर्पण...!!

श्राद्ध प्राचीन भारतीय संस्कृति का अंग है। श्राद्ध यानी श्रद्धा से किया गया कार्य। पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं तथा तृप्त करने की क्रिया और देवताओं, ऋषियों या पितरों को तंडुल या तिल मिश्रित जल अर्पित करने की क्रिया को तर्पण कहते हैं। तर्पण करना ही पिंडदान करना है। पितृ पक्ष 7 सितंबर को भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि से आरंभ हो गया है। वह इसका समापन 21 सितंबर को आश्विन मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर होगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पितृ पक्ष में मृत्यु की तिथि के अनुसार श्राद्ध किया जाता है। राजा दशरथ के निधन का समाचार मिलने पर भगवान राम ने वनवास में रहते हुए भी पिता का श्राद्ध किया था। श्राद्ध के सोलह दिनों में लोग अपने पितरों को जल देते हैं तथा उनकी मृत्युतिथि पर श्राद्ध करते हैं। ऐसी मान्यता है कि पितरों का ऋण श्राद्ध द्वारा चुकाया जाता है। वर्ष के किसी भी मास तथा तिथि में स्वर्गवासी हुए पितरों के लिए पितृपक्ष की उसी तिथि को श्राद्ध किया जाता है। पूर्णिमा पर देहांत होने से भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा को श्राद्ध करने का विधान है। इसी दिन से महालय (श्राद्ध) का प्रारंभ भी माना जाता है। श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए। पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पितृगण वर्षभर तक प्रसन्न रहते हैं। धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि पितरों का पिण्ड दान करने वाला गृहस्थ दीर्घायु, पुत्र-पौत्रादि, यश, स्वर्ग, पुष्टि, बल, लक्ष्मी, पशु, सुख-साधन तथा धन-धान्य आदि की प्राप्ति करता है।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि भाद्रपद की पूर्णिमा एवं आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक का समय पितृ पक्ष कहलाता है। इस पक्ष में मृत पूर्वजों का श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों की मरण-तिथि को ही उनका श्राद्ध किया जाता है। सर्वपितृ अमावस्या को कुल के उन लोगों का श्राद्ध किया जाता हैं जिन्हें हम नहीं जानते हैं। इसके अलावा, अमावस्या और पूर्णिमा के दिन में पितरों को याद किया जाता है।

शास्त्रों के अनुसार मनुष्य जीवन में तीन ऋण मुख्य है। ये हैं 'देव ऋण', 'ऋषि ऋण', और 'पितृ ऋण'। इनमें से देव ऋण यज्ञादि द्वारा, ऋषि ऋण स्वाध्याय और पितृ ऋण को श्राद्ध द्वारा उतारा जाता है। इस ऋण का उतारा जाना जरूरी होता है क्योंकि जिन माता-पिता ने हमें जन्म दिया, हमारी उम्र, आरोग्य और सुख-समृद्धि के लिए कार्य और तकलीफें उठाईं

उनके ऋण से मुक्त हुए बगैर हमारा जन्म निरर्थक है। पितृ पक्ष में जब सूर्य कन्या राशि में होता है, तब पितृ लोक से पृथ्वी पर पितर इस आशा के साथ आते हैं कि उनके पुत्र-पौत्र उन्हें पिंडदान कर संतुष्ट करेंगे। ऐसा न होने पर अतृप्त इच्छा लेकर लौटे पितर दुष्ट या बुरी शक्तियों के अधीन हो जाते हैं, जिसके चलते बुरी शक्तियों द्वारा पितरों के माध्यम से परिवारजनों को कष्ट देने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं।इसके चलते घर में कलह, झगड़े, पैसे का न रुकना, नौकरी का अभाव, गंभीर बीमारी, हालात अनुकूल होने के बाद भी शादी का न होना या टूटना, बच्चे न होना, या विकलांग बच्चों का होना आदि परेशानियां होने लगती हैं।लेकिन पितृपक्ष में अपने पितरों का श्राद्ध करने से उनकी अतृप्त इच्छाओं के पूर्ण होने से, उनकी मुक्ति के साथ ही परिवारजनों को भी उनकी तकलीफों से मुक्ति मिल जाती है।

पितृ पक्ष में मृत व्यक्ति की जो तिथि होती है, उसी दिन श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध केवल पिता ही नहीं बल्कि अपने पूर्वजों का भी किया जाता है। जब कोई आपका अपना शरीर छोड़कर चला जाता है तब उसके सारे क्रियाकर्म करना जरूरी होता है, क्योंकि ये क्रियाकर्म ही उक्त आत्मा को आत्मिक बल देते हैं और वह इससे संतुष्ट होती है। प्रत्येक आत्मा को भोजन, पानी और मन की शांति की जरूरत होती है और उसकी यह पूर्ति सिर्फ उसके परिजन ही कर सकते हैं। परिजनों से ही वह आशा करती है। श्राद्ध में पितरों को आशा रहती है कि हमारे पुत्र-पौत्रादि हमें पिण्ड दान तथा तिलांजलि प्रदान कर संतुष्ट करेंगे। इसी आशा के साथ वे पितृलोक से पृथ्वीलोक पर आते हैं। यही कारण है कि हिंदू धर्म शास्त्रों में प्रत्येक हिंदू गृहस्थ को पितृपक्ष में श्राद्ध अवश्य रूप से करने के लिए कहा गया है।अन्य कई कार्य भी श्रद्धापूर्वक किए जाते हैं। लेकिन यहां श्राद्ध का तात्पर्य पितृ पक्ष (अश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा से अमावस्या तक) में पितरों के निमित्त किए जाने वाले तर्पण और पिंडदान से है।

पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार जोगे तथा भोगे दो भाई थे। दोनों अलग-अलग रहते थे। जोगे धनी था और भोगे निर्धन। दोनों में परस्पर बड़ा प्रेम था। जोगे की पत्नी को धन का अभिमान था, किंतु भोगे की पत्नी बड़ी सरल हृदय थी।पितृ पक्ष आने पर जोगे की पत्नी ने उससे पितरों का श्राद्ध करने के लिए कहा तो जोगे इसे व्यर्थ का कार्य समझकर टालने की चेष्टा करने लगा, किंतु उसकी पत्नी समझती थी कि यदि ऐसा नहीं करेंगे तो लोग बातें बनाएंगे। फिर उसे अपने मायके वालों को दावत पर बुलाने और अपनी शान दिखाने का यह उचित अवसर लगा। अतः वह बोली- 'आप शायद मेरी परेशानी की वजह से ऐसा कह रहे हैं, किंतु इसमें मुझे कोई परेशानी नहीं होगी। मैं भोगे की पत्नी को बुला लूंगी। दोनों मिलकर सारा काम कर लेंगी।' फिर उसने जोगे को अपने पीहर न्यौता देने के लिए भेज दिया। दूसरे दिन उसके बुलाने पर भोगे की पत्नी सुबह-सवेरे आकर काम में जुट गई। उसने रसोई तैयार की। अनेक पकवान बनाए फिर सभी काम निपटाकर अपने घर आ गई। आखिर उसे भी तो पितरों का श्राद्ध-तर्पण करना था। इस अवसर पर न जोगे की पत्नी ने उसे रोका, न वह रुकी। शीघ्र ही दोपहर हो गई। पितर भूमि पर उतरे। जोगे-भोगे के पितर पहले जोगे के यहां गए तो क्या देखते हैं कि उसके ससुराल वाले वहां भोजन पर जुटे हुए हैं। निराश होकर वे भोगे के यहां गए। वहां क्या था? मात्र पितरों के नाम पर 'अगियारी' दे दी गई थी। पितरों ने उसकी राख चाटी और भूखे ही नदी के तट पर जा पहुंचे। थोड़ी देर में सारे पितर इकट्ठे हो गए और अपने-अपने यहां के श्राद्धों की बढ़ाई करने लगे। जोगे-भोगे के पितरों ने भी अपनी आपबीती सुनाई। फिर वे सोचने लगे- अगर भोगे समर्थ होता तो शायद उन्हें भूखा न रहना पड़ता, मगर भोगे के घर में तो दो जून की रोटी भी खाने को नहीं थी। यही सब सोचकर उन्हें भोगे पर दया आ गई। अचानक वे नाच-नाचकर गाने लगे- 'भोगे के घर धन हो जाए। भोगे के घर धन हो जाए।' सांझ होने को हुई। भोगे के बच्चों को कुछ भी खाने को नहीं मिला था। उन्होंने मां से कहा- भूख लगी है। तब उन्हें टालने की गरज से भोगे की पत्नी ने कहा- 'जाओ! आंगन में हौदी औंधी रखी है, उसे जाकर खोल लो और जो कुछ मिले, बांटकर खा लेना।' बच्चे वहां पहुंचे, तो क्या देखते हैं कि हौदी मोहरों से भरी पड़ी है। वे दौड़े-दौड़े मां के पास पहुंचे और उसे सारी बातें बताईं। आंगन में आकर भोगे की पत्नी ने यह सब कुछ देखा तो वह भी हैरान रह गई। इस प्रकार भोगे भी धनी हो गया, मगर धन पाकर वह घमंडी नहीं हुआ। दूसरे साल का पितृ पक्ष आया। श्राद्ध के दिन भोगे की स्त्री ने छप्पन प्रकार के व्यंजन बनाएं। ब्राह्मणों को बुलाकर श्राद्ध किया। भोजन कराया, दक्षिणा दी। जेठ-जेठानी को सोने-चांदी के बर्तनों में भोजन कराया। इससे पितर बड़े प्रसन्न तथा तृप्त हुए।

कब है कौनसा श्राद्ध

पितृ पक्ष में श्राद्ध की तिथियां

9 सितंबर – द्वितीया श्राद्ध
10 सितंबर – तृतीया श्राद्ध – चतुर्थी श्राद्ध
11 सितंबर – पंचमी श्राद्ध
12 सितंबर – षष्ठी श्राद्ध
13 सितंबर – सप्तमी श्राद्ध
14 सितंबर – अष्टमी श्राद्ध
15 सितंबर – नवमी श्राद्ध
16 सितंबर – दशमी श्राद्ध
17 सितंबर – एकादशी श्राद्ध
18 सितंबर – द्वादशी श्राद्ध
19 सितंबर – त्रयोदशी श्राद्ध
20 सितंबर – चतुर्दशी श्राद्ध
21 सितंबर – सर्व पितृ अमावस्या
22 सितंबर – मातामह नान श्राद्ध

इन वस्तुओ का करे दान:–

✻ गाय का दान– धार्मिक दृष्टि से गाय का दान सभी दानों में श्रेष्ठ माना जाता है, लेकिन श्राद्ध पक्ष में किया गया गाय का दान हर सुख और धन-संपत्ति देने वाला माना गया है।

✻ तिल का दान– श्राद्ध के हर कर्म में तिल का महत्व है। इसी तरह श्राद्ध में दान की दृष्टि से काले तिलों का दान संकट, विपदाओं से रक्षा करता है।

✻ घी का दान– श्राद्ध में गाय का घी एक पात्र (बर्तन) में रखकर दान करना परिवार के लिए शुभ और मंगलकारी माना जाता है।

✻ अनाज का दान– अन्नदान में गेहूं, चावल का दान करना चाहिए। इनके अभाव में कोई दूसरा अनाज भी दान किया जा सकता है। यह दान संकल्प सहित करने पर मनोवांछित फल देता है।

✻ भूमि दान– अगर आप आर्थिक रूप से संपन्न हैं तो श्राद्ध पक्ष में किसी कमजोर या गरीब व्यक्ति को भूमि का दान आपको संपत्ति और संतान लाभ देता है। किंतु अगर यह संभव न हो तो भूमि के स्थान पर मिट्टी के कुछ ढेले दान करने के लिए थाली में रखकर किसी ब्राह्मण को दान कर सकते हैं।

✻ वस्त्रों का दान– इस दान में धोती और दुपट्टा सहित दो वस्त्रों के दान का महत्व है। यह वस्त्र नए और स्वच्छ होना चाहिए।

✻ सोने का दान– सोने का दान कलह का नाश करता है। किंतु अगर सोने का दान संभव न हो तो सोने के दान के निमित्त यथाशक्ति धन दान भी कर सकते हैं।

✻ चांदी का दान– पितरों के आशीर्वाद और संतुष्टि के लिए चांदी का दान बहुत प्रभावकारी माना गया है।

✻ गुड़ का दान– गुड़ का दान पूर्वजों के आशीर्वाद से कलह और दरिद्रता का नाश कर धन और सुख देने वाला माना गया है।

✻ नमक का दान– पितरों की प्रसन्नता के लिए नमक का दान बहुत महत्व रखता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

पितृपक्ष किन राशियों के लिए रहेगा उत्तम और किन्हें होगा नुकसान

इस वर्ष पितृपक्ष 7 सितंबर 2025 से 31 सितंबर 2025 तक रहेगा। पितृ पक्ष में सभी लोग अपने पूर्वजों के प्रति समान प्रकट करते हैं और उनकी मुक्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। इस समय में सभी 12 राशियों में अलग-अलग प्रभाव देखने को मिलता है आज हम बताएंगे कि 12 राशियों में किस तरह का प्रभाव होगा और उसका क्या समाधान है।

मेष राशि –मेष राशि वाले लोगों के लिए जिम्मेदारी हम बढ़ सकती है तो उन्हें सोच समझकर निर्णय लेना चाहिए। मेष राशि वालों को मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ कर पितरों को लाल फूल अर्पित करनी चाहिए।

वृषभ राशि– वृषभ राशि वाले लोगों के लिए आर्थिक मामलों में उतार चढ़ाव संभव है। परिवार में किसी पुराने मध्य पर भी चर्चा हो सकती है। वृषभ राशि वालों को सफेद तिल जन्म प्रभावित करना चाहिए और अपने से बड़ी बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना चाहिए।

मिथुन राशि – मिथुन राशि वाले लोगों के कामकाज में रुकावटें और मानसिक तनाव बढ़ सकता है उन्हें ध्यान रखना चाहिए। हरे चने और हरी सब्जियां दान करें पितरों के लिए तुलसी पत्र अर्पित करें।

कर्क राशि – कर्क राशि वाले लोगों के परिवार संबंध मधुर होंगे लेकिन खर्च कर सकता है। सोमवार को शिवलिंग पर दूध अर्पित करें और कौओं को भोजन दे।

सिंह राशि –खतरों की कृपा से सिंह राशि वालों को करियर में लाभ होगा और परिवार में किसी बड़ी की सेहत पर ध्यान। रविवार को सूर्य को जल चढ़ाएं और गेहूं दान करें।

कन्या राशि –कन्या राशि वाले लोगों को धन लाभ की संभावना है लेकिन मानसिक वैशाली रह सकती है। पहले वस्तुओं का ध्यान करें और पितरों के नाम से गरीब बच्चों को भोजन कराएं।

तुला राशि – जीवनसाथी के साथ संबंधों में उतार-चढ़ाव आ सकता है। शुक्रवार को खीर का भोग लगे और कन्याओं को भोजन कराएं।

वृश्चिक राशि– वृश्चिक राशि वाले लोग स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें और कार्यक्षेत्र में नए अवसर नहीं मिल सकते हैं। मंगलवार को गुड और मसूर दाल दान करें और पितरों के लिए दीपक जलाएं।

धनु राशि –धनु राशि वाले छात्रों और नौकरी पैसा लोगों के लिए समय लाभदायक रहेगा। गुरुवार को प्रिया फूल और चने की दाल दान करें।

मकर राशि– घर परिवार में छोटे-मोटे विवाद हो सकते हैं नौकरी में दबाव भी बढ़ सकता है। शनिवार को तेल का दीपक जलाएं और गरीबों में काले तिल दान करें।

कुंभ राशि–कुंभ राशि वाले लोगों के लिए नए काम की शुरुआत के लिए क्या समय बहुत ही अनुकूल रहेगा। यात्रा में भी लाभ मिलेगा। शनिवार को शनि देव की पूजा करें और जल में काला तिल डालकर अर्पित करें।

मीन राशि–मीन राशि वालों पर पितरों की कृपा से रुके हुए काम पूरे होंगे। आर्थिक लाभ संभव है। गुरुवार को केले के पेड़ की पूजा करें और गौ माता को भोजन कराएं।

सभी राशियों के लिए कुछ सामान्य उपाय जिनसे पितरों को खुश किया जा सकता है।

रोजाना सूर्य को जल अर्पित करें। पिंडदान विधि अनुसार करें। गाय कुत्ता और कौए को भोजन कराएं। साथ ही, बड़ों का आदर करें और माता-पिता का सम्मान करें। मनुष्य जीवन में सुख शांति और उन्नति आती है। पितृपक्ष में श्रद्धा और विश्वास के साथ अपने पूर्वजों को याद करें और दान का कार्य करे।

पितृपक्ष में करे ये चार उपाय, मिलेगी तरक्की और पितृदोष होगा दूर

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का बहुत खास महत्व होता है। इस अवधि के दौरान पितरों को याद किया जाता है, उनकी आराधना और श्राद्धकर्म किए जाते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को पितृ दोष से छुटकारा मिल सकता है और पूर्वजों का आशीर्वाद मिलता है। वहीं, अब पितृपक्ष की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में अगर आप इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपाय कर लें तो इससे जीवन में तरक्की प्राप्त हो सकती है और पितरों का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें पितृपक्ष के उपाय...

इस उपाय से देवी-देवताओं और पितरों की कृपा होगी प्राप्त

शास्त्रों के अनुसार, पितृपक्ष के दौरान गाय को हरा चारा खिलाना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस अवधि में गाय को चारा खिलाने से श्राद्धकर्म का पूर्ण फल प्राप्त होता है और जातक पर देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है। अगर आप नियमित रूप से रोज इस उपाय को करते हैं, तो पितरों की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन में आने वाली बाधाओं से छुटकारा मिलता है। साथ ही, घर में भी सुख-समृद्धि बनी रहती है।

पितृदोष दूर करने के लिए करें यह उपाय

माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान घर की साफ-सफाई का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। साथ ही, मुख्य द्वार पर भी कूड़ा-कचरा इकट्ठा करके नहीं रखना चाहिए। नियमित रूप से सफाई करने के बाद मुख्य द्वार पर गंगाजल का छिड़काव जरूर करें। ऐसा करने से पितृ दोष दूर हो सकता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है। इस उपाय से परिवार में चल रहा तनाव और समस्याएं भी धीरे-धीरे दूर हो सकती हैं।

जीवन में सुख-शांति और तरक्की का उपाय

इसके लिए पितृपक्ष के दौरान रोजाना एक काम जरूर करना चाहिए। माना जाता है कि पितृपक्ष में तर्पण करना बेहद जरूरी होता है। हालांकि, माता-पिता के जीवित होने पर यह नियम मान्य नहीं होता है। वहीं, जिनके माता-पिता नहीं है उन्हें रोजाना नियमित रूप से एक लोटा जल में दूध और तिल मिलाकर तर्पण करना चाहिए। इस विधि को दक्षिण दिशा की ओर मुख करके करना आवश्यक होता है। ऐसा करने से आपके जीवन में सुख-शांति आ सकती है और दोगुनी तरक्की हासिल होती है।

पितृपक्ष में रोज शाम को करें ये उपाय

पितरों का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पितृपक्ष के दौरान शाम के दक्षिण दिशा में पितरों के नाम का एक दीपक जरूर जलाना चाहिए। ऐसा करने से जीवन में आने वाली समस्याओं से आपको छुटकारा मिल सकता है और बिगड़े हुए काम भी बनने लगते हैं। मान्यता है कि पितृपक्ष में दक्षिण दिशा की तरफ से पितर अपने रिश्तेदारों के घर आते हैं। ऐसे में घर के इस स्थान पर दीपक जरूर जलाना चाहिए।

ज्योतिष मार्गदर्शन है, भाग्य बदलने का वादा नहीं

एक विद्यार्थी था, परीक्षा में उसे अच्छे अंक नहीं मिले, उसने तुरंत कहना शुरु कर दिया कि 'उसका विद्यालय और वहां के शिक्षक अच्छे नहीं हैं, शिक्षक ने अच्छे से नहीं पढ़ाया, प्रश्न पत्र कठिन आ गया, भगवान ने मेरे साथ अन्याय किया।' लेकिन जब उसके दोस्त वही परीक्षा देकर अच्छे अंक लेकर आए, विद्यालय, वहां के शिक्षक, प्रश्नपत्र और भगवान, सब तो वही थे, फिर फर्क किसमें था। फर्क, शिकायत करने वाले के कर्म और उसकी तैयारियों में था। जिसने मेहनत की, उसने फल पाया, जिसने आलस किया, उसने दूसरों को दोष दिया।

असफलता का कारण बाहर नहीं, अपने भीतर है। इसी प्रकार से दुनिया, ज्योतिषी या ईश्वर गलत नहीं होते, अगर कर्म अधूरा है या आचरण गलत है, तो परिणाम कभी पूरे नहीं मिलते। इस रहस्य को समझ लेने पर आपको अपनी असफलता का कारण जल्दी ही समझ में आ जाएगा, जिससे आप अपनी कमी और कमजोरियों पर विजय प्राप्त कर पुनः सफलता के लिए अग्रसर हो पाऐंगे। सफलता केवल ग्रहों पर निर्भर नहीं, ग्रह आपकी जीवन यात्रा के पथ प्रदर्शक हैं, न कि आपकी मंज़िल को तय करने वाले।

कहाँ तक ग्रहों का प्रभाव, कहां तक मनुष्य का प्रयास – ज्योतिषी ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के आधार पर संभावनाएँ और अवसर के बारे में बताते हैं, जीवन की चुनौतियों और अनुकूल समय का संकेत देते हैं कि किस दिशा में मेहनत करने से सफलता की संभावना सर्वाधिक है। ज्योतिषी जब तक सिद्ध न हो, तब तक किसी का भी भाग्य अपनी शक्ति से नहीं बदल सकता। मनुष्य के हाथ में उसका परिश्रम, आचरण और निर्णय ही हैं, कर्म और आचरण उसे सफलता दिलाते हैं और उचित निर्णय जीवन को सही मार्ग पर ले जाता है, इसी से इंसान अपना भाग्य स्वयं रच सकता है। आजकल के ज्योतिषी व्यक्ति की जन्मकुण्डली के साथ-साथ उसके कर्मों की कुण्डली का भी विश्लेषण साथ-साथ करते हैं, क्योंकि अगर ग्रह-नक्षत्र सही हैं, लेकिन उसकी कर्म कुण्डली में उसके वर्तमान कर्म सही नहीं हैं, तो जन्मकुण्डली का फल कर्म कुण्डली के आधार पर बदल जाता है।

संपादकीय

अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाएं

पश्चिम बंगाल की विधानसभा में संविधान, लोकतंत्र, गरिमा, मर्यादा को तार-तार किया गया। क्षोभ और शर्मिंदगी के कोई और शब्द हैं, तो उनका उल्लेख भी किया जा सकता है। यह न तो संघीय ढांचा है और न ही अभिव्यक्ति की आजादी है। हम जानते हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समविचारक नहीं होंगी। जब वह लोकसभा सांसद थीं, तब ऐसा हुड़दंग मचाया था कि स्पीकर सोमनाथ चटर्जी पर बिल के टुकड़े-टुकड़े कर उछाल दिए थे। तब उन्होंने बंगाल में घुसपैठियों के मुद्दे पर अपना नकारात्मक आक्रोश, रोष व्यक्त किया था। आज भी वही मुद्दा है, लेकिन आज वह खुद मुख्यमंत्री हैं। आज राजनीति के कारण उनके सुर और रवैये बदल चुके हैं। आज ममता बनर्जी बांग्लादेशी घुसपैठियों की अवधारणा मानती ही नहीं। उन्होंने 'बांग्लाभाषी' और 'प्रवासी बंगाली' सरीखे नए शब्द गढ़ लिए हैं और केंद्र सरकार पर 'बंगालियों पर अत्याचार' के आरोप मढ़ रही हैं। ममता बनर्जी ऐसी पहली मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने विधानसभा में चीख-चीख कर नारे लगाए हैं-'मोदी चोर, वोट चोर, अमित शाह चोर...भाजपा डकैतों, आतंकियों, अत्याचारियों की पार्टी है।' यह दुखद ही नहीं, बेशर्मी और नालायकी है, दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक मुख्यमंत्री ने सदन में ही देश के प्रधानमंत्री को 'चोर, डकैत, अत्याचारी' करार दिया है। अफसोस और विडंबना यह है कि ऐसे गालीबाज मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई संवैधानिक कार्रवाई नहीं की गई है और न ही हमें ऐसी कोई संभावना लगती है। क्या देश का प्रधानमंत्री ऐसा किरदार बना दिया गया है, जिसके खिलाफ तमाम मर्यादाओं और संवैधानिक आचरणों की हदें लांघी जा सकती हैं? क्या संविधान में ऐसे भी अनुच्छेद हैं, जिनके तहत प्रधानमंत्री को, कोई भी, किसी भी मौके पर, गालियां देकर अपमानित कर सकता है? यह निरंकुशता लोकतांत्रिक और संघीय भी नहीं है। 'वोट चोर' कुछ हद तक राजनीतिक और चुनावी मुद्दा हो सकता है, लेकिन ये शब्द भी आपत्तिजनक और अश्लील हैं। अब चुनाव आयोग 10 सितंबर को सभी क्षेत्रीय मुख्य चुनाव अधिकारियों के साथ देश भर में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण को लेकर विमर्श करेगा। जाहिर है कि बिहार वाली प्रक्रिया बंगाल में भी हो सकती है, क्योंकि अप्रैल, 2026 के आसपास वहां विधानसभा चुनाव होने हैं। असम, तमिलनाडु, पांडिचेरी, केरल आदि राज्यों में भी 2026 में चुनाव हैं। कौन-कौन, मतदाता संशोधन की इस कवायद के मद्देनजर प्रधानमंत्री को 'चोर' कहेगा? क्या इस संवैधानिक प्रक्रिया पर प्रधानमंत्री और चुनाव आयोग को, ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस, 'चोर' करार देते हुए विरोध प्रकट करेगी? बंगाल में हिंसक प्रदर्शन भी किए जाएंगे? एक राज्य में अराजकता फैलाने की बौनी राजनीति खेली जाएगी? बेशक सदनों की गरिमा और उनके चरित्र को इतना खंडित न किया जाए कि पक्ष और विपक्ष के निर्वाचित सदस्य हाथापाई करें, मारपीट तक की नौबत आ जाए और सदस्यों को जमीन पर ही चित पटकनी दे दी जाए। बंगाल की विधानसभा में यह सब कुछ हुआ। भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष को अस्पताल तक ले जाना पड़ा। नेता प्रतिपक्ष सुवेन्दु अधिकारी को भी मार्शलों के जरिए सदन से बाहर कर दिया गया। दुर्भाग्य है कि अब सभी स्तरों के सदनों में ऐसा ही माहौल देखने को मिलता है। अब सांसदों/विधायकों के निलंबन भी स्पीकर के नीर-क्षीर विवेक के उदाहरण नहीं रहे। सभापति अपने राजनीतिक दल से प्रभावित रहते हैं, लिहाजा फैसले तटस्थ नहीं माने जा सकते। यकीनन ये दृश्य लोकतंत्र और संविधान के सबसे कलंकित अपमान हैं। यदि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सदन में बिंदुवार बंगालियों के अत्याचार की घटनाएं पेश करतीं, सदन संयत होकर कार्यवाही करता, तो वह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन सकता था। 'मोदी चोर' कहकर तो ममता ने अपनी छीछालेदर कराई है। अब यह मुद्दा हंगामा मचाएगा कि ममता घुसपैठियों, बांग्लादेशियों, अवैध प्रवासियों के वोट बैंक की राजनीति करती हैं। देश में करीब 2.5 करोड़ घुसपैठिए हैं, यह आंकड़ा बहुत पुराना है, लिहाजा मोदी सरकार भी सवालिया रही है कि अभी तक घुसपैठियों को देशनिकाला देकर उनके मूल देश क्यों नहीं भेजा जा सका? यह गति अत्यंत धीमी क्यों है? बहरहाल कहा जा सकता है कि घुसपैठ के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल ईमानदार नहीं हैं। भारत ऐसा अकेला देश है, जहां घुसपैठियों का मनोबल बढ़ाने वाली पार्टियां भी हैं। आपस में गालियां देने के बजाय आत्ममंथन करें कि यदि देश की एकता, अखंडता को बचाना है, तो घुसपैठियों पर सर्वसम्मत फैसला लें।

हम जानते हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समविचारक नहीं होंगी। जब वह लोकसभा सांसद थीं, तब ऐसा हुड़दंग मचाया था कि स्पीकर सोमनाथ चटर्जी पर बिल के टुकड़े-टुकड़े कर उछाल दिए थे। तब उन्होंने बंगाल में घुसपैठियों के मुद्दे पर अपना नकारात्मक आक्रोश, रोष व्यक्त किया था। आज भी वही मुद्दा है, लेकिन आज वह खुद मुख्यमंत्री हैं। आज राजनीति के कारण उनके सुर और रवैये बदल चुके हैं। आज ममता बनर्जी बांग्लादेशी घुसपैठियों की अवधारणा मानती ही नहीं। उन्होंने 'बांग्लाभाषी' और 'प्रवासी बंगाली' सरीखे नए शब्द गढ़ लिए हैं और केंद्र सरकार पर 'बंगालियों पर अत्याचार' के आरोप मढ़ रही हैं। ममता बनर्जी ऐसी पहली मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने विधानसभा में चीख-चीख कर नारे लगाए हैं-'मोदी चोर, वोट चोर, अमित शाह चोर...भाजपा डकैतों, आतंकियों, अत्याचारियों की पार्टी है।' यह दुखद ही नहीं, बेशर्मी और नालायकी है, दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक मुख्यमंत्री ने सदन में ही देश के प्रधानमंत्री को 'चोर, डकैत, अत्याचारी' करार दिया है। अफसोस और विडंबना यह है कि ऐसे गालीबाज मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई संवैधानिक कार्रवाई नहीं की गई है और न ही हमें ऐसी कोई संभावना लगती है। क्या देश का प्रधानमंत्री ऐसा किरदार बना दिया गया है, जिसके खिलाफ तमाम मर्यादाओं और संवैधानिक आचरणों की हदें लांघी जा सकती हैं? क्या संविधान में ऐसे भी अनुच्छेद हैं, जिनके तहत प्रधानमंत्री को, कोई भी, किसी भी मौके पर, गालियां देकर अपमानित कर सकता है? यह निरंकुशता लोकतांत्रिक और संघीय भी नहीं है।

कुछ अलग

आंसुओं का बाजार...

रेहड़ी पर आंसू बिक रहे थे, 'ले लो हेमामालिनी के आंसू। मीना कुमारी के ले लो...।' यह आंसुओं का बाजार था, आंसुओं का व्यापार पिछले कुछ सालों में एक स्टार्टअप के जरिए क्या शुरू हुआ, यहां तो सारा मेक इन इंडिया अभियान अब आंसुओं के उत्पादन तक का उद्योग बन गया। अब देश जहां कहीं रोता है, तो एक साथ स्टार्टअप, मेक इन इंडिया और पूरे विश्व में विश्व गुरु की महिमा में हमारे आंसुओं का उत्पादन होने लगता है। सरकार ने स्टार्टअप योजना के तहत बहुत काम किया और अंततः फैसला हुआ कि विश्व में जो भारतीय पहली बार कुछ करेगा, उसे सरकार में भी पद मिलेगा। सरकार में पद पाने की लालसा ने हर भारतीय को उत्पादक बना दिया। तरह-तरह के नारे पैदा होने लगे। विश्व के बेहतरीन नारों में भारत अव्वल हो चुका है। हर दिन कोई न कोई स्टार्टअप एक नया नारा उछाल कर सरकारी पद पर आसीन हो जाता है।

भारत की स्थिति लंबे समय तक इस क्षेत्र में कमजोर रही

भारत की चिप क्रांति : सपनों से साकार होती हकीकत

डॉ. सत्यवान सौरभ

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है। भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है जहाँ सपने केवल सपने नहीं रह गए हैं, बल्कि नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निर्माता, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेज़ी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं।

भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विश्व स्तर पर अपनी तकनीकी पहचान बनाई है। गुजरात और कर्नाटक में चिप पार्क, विदेशी निवेश और शिक्षा संस्थानों की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को गति दी है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है। भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है जहाँ सपने केवल सपने नहीं रह गए हैं, बल्कि नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निर्माता, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेज़ी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं। यह केवल तकनीकी विकास का संकेत नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मगौरव, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की उड़ान भी है। चिप अथवा सेमीकंडक्टर आज के युग की सबसे अनिवार्य धुरी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था को संचालित किया था, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। आधुनिक जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। मोबाइल फ़ोन, कंप्यूटर, स्मार्ट यंत्र, वाहन, रेल, हवाई जहाज़, रक्षा उपकरण, उपग्रह, स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नत यंत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट तक—हर क्षेत्र में चिप की अनिवार्यता स्पष्ट दिखाई देती है। इसीलिए जो राष्ट्र इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त है, वही आने वाले समय में विश्व की राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाएगा। भारत की स्थिति लंबे समय तक इस क्षेत्र में कमजोर रही। भारी पूंजी निवेश, लगातार ऊर्जा और जल संसाधनों की आवश्यकता, प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी और अनुसंधान की उपेक्षा जैसे कारणों से भारत पिछड़ता रहा। चीन,

ताइवान, अमेरिका और कोरिया जैसे देशों ने इस स्थिति का लाभ उठाकर वैश्विक बाज़ार पर प्रभुत्व कायम किया और भारत को केवल एक विशाल उपभोक्ता बाज़ार के रूप में देखा जाने लगा। किन्तु राष्ट्रों के जीवन में भी ऐसे क्षण आते हैं जब परिस्थितियाँ बदली हुई राह पर चलने को बाध्य करती हैं। भारत के लिए भी यही अवसर बीते कुछ वर्षों में आया और उसने चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारम्भ हुए 'डिजिटल इंडिया', 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसे अभियानों ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में नया उत्साह जगाया। इन अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता भी बनेगा। वर्ष 2021 में घोषित भारत सेमीकंडक्टर मिशन ने इस संकल्प को ठोस आधार प्रदान किया। इसके अंतर्गत गुजरात और कर्नाटक में चिप निर्माण पार्क स्थापित करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ। ताइवान, जापान और अमेरिका की कंपनियों ने भारत में निवेश और सहयोग की इच्छा प्रकट की। अरबों डॉलर के निवेश प्रस्ताव आए और अनुसंधान संस्थानों को सीधे इस अभियान से जोड़ा गया। कोविड महामारी ने वैश्विक आपूर्ति शृंखला की कमजोरियों को उजागर कर दिया। जब चीन और ताइवान के कारखाने ठप पड़े तो पूरी दुनिया में मोबाइल, वाहन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का संकट खड़ा हो गया। कीमतें बढ़ीं, उत्पादन ठप हुआ और उपभोक्ताओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उस कठिन दौर में भारत ने महसूस किया कि तकनीकी आत्मनिर्भरता केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता का भी प्रश्न है। तभी भारत ने यह अवसर पहचाना और अपने को आपूर्ति शृंखला का विश्वसनीय केंद्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। वर्ष 2025 में चीन के तियानजिन नगर में सम्पन्न शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। भारत ने यहाँ अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभ प्रस्तुत किए। भारत ने कहा कि तकनीक केवल व्यापार और उद्योग का विषय नहीं, बल्कि साझा सुरक्षा, स्थायी संपर्क और सामूहिक अवसर का आधार है। सेमीकंडक्टर विकास और डिजिटल नवाचार को सामूहिक प्राथमिकता बनाने का भारत का आह्वान इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा। तियानजिन घोषणा पत्र में भारत की यह दृष्टि परिलक्षित हुई, जिससे यह प्रमाणित हो गया कि विश्व समुदाय भारत के बढ़ते तकनीकी महत्व को स्वीकार कर रहा है। भारत ने इस प्रयास को केवल उद्योग तक सीमित नहीं रखा है। शिक्षा संस्थानों, अनुसंधान केन्द्रों और स्टार्टअप्स को भी इस अभियान से जोड़ा जा रहा है। आईआईटी, एनआईटी और अन्य विश्वविद्यालयों में चिप डिजाइनिंग, नैनोटेक्नोलॉजी और एंबेडेड सिस्टम से जुड़े पाठ्यक्रम आरम्भ किए गए हैं। युवाओं को अनुसंधान और नवाचार की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है। इस प्रकार आने वाली पीढ़ी को तकनीकी नेतृत्व सौंपने की ठोस तैयारी की जा रही है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत का यह अभियान रोज़गार सृजन और औद्योगिक विकास का भी आधार बनेगा। अनुमान है कि आने वाले दस वर्षों में इस क्षेत्र से दस लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर पैदा होंगे। निर्माण, डिजाइनिंग, परीक्षण और वितरण के स्तर पर नये उद्योग और स्टार्टअप्स उभरेंगे। यह केवल तकनीकी विकास नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी ऐतिहासिक कदम होगा। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। रक्षा उपकरणों और उपग्रह तकनीक में आत्मनिर्भरता बढ़ने से भारत की रणनीतिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा में भी भारत का प्रभाव बढ़ेगा। स्पष्ट है कि चिप निर्माण केवल उद्योग की आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता से भी गहरे रूप से जुड़ा है। हालाँकि, चुनौतियाँ अभी भी शेष हैं। बिजली और जल की सतत आपूर्ति, अनुसंधान में निरंतर निवेश, वैश्विक बाज़ार में प्रतिस्पर्धा और पर्यावरणीय संतुलन जैसी बाधाएँ इस यात्रा को कठिन बना सकती हैं। किंतु सरकार, उद्योग और समाज के संयुक्त प्रयास से इन चुनौतियों का समाधान अवश्य होगा। भारत ने जिस आत्मविश्वास और संकल्प के साथ इस यात्रा का आरम्भ किया है, उससे यह स्पष्ट है कि वह पीछे मुड़कर देखने वाला नहीं। आज भारत की चिप क्रांति केवल तकनीकी आत्मनिर्भरता की कहानी नहीं, बल्कि यह आत्मगौरव, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की महागाथा भी है। उम्मीदों की चिप सचमुच हौसलों को पंख दे चुकी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व व्यवस्था को बदला, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप और तकनीक वैश्विक नेतृत्व का निर्धारण करेगी। भारत ने इस क्षेत्र में अपने कदम दृढ़तापूर्वक बढ़ा दिए हैं और अब उसका सपना धीरे-धीरे साकार होता दिख रहा है।

देश दुनिया से

नागरिक कर्त्तव्यों का प्रचार-प्रसार आवश्यक

नागरिकों द्वारा कर्त्तव्यों के ज्ञान और निर्वाह के बिना संकल्प से सिद्धि का मार्ग बाधित होता है। इसलिए आज व्यापक स्तर पर यह आवश्यक है कि संविधान सम्मत नागरिक कर्त्तव्यों का प्रचार-प्रसार हो। विकसित भारत के संकल्प में सभी को अधिकार मिलें इसके लिए यह भी आवश्यक है कि सभी नागरिक कर्तव्यों का पालन भी करें। संविधान लोकतंत्र की आत्मा है। लोकतंत्र सम्मत विभिन्न प्रविधान और समूची व्यवस्थाएं संविधान से ही चालित होती हैं। यही कारण है कि भारत में संविधान सर्वोपरि है। यह संविधान ही है जो प्रत्येक नागरिक को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्रदान करता है। साथ ही यह प्रत्येक नागरिक की गरिमा को भी सुनिश्चित करता है। संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों में समता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदि अधिकारों की व्यापक चर्चा है और एक नागरिक के नाते हम सभी इन अधिकारों के संबंध में सजग भी रहते हैं। वहीं संविधान के भाग 4 क और अनुच्छेद 51क में मूल कर्त्तव्य के अंतर्गत 11 बिंदुओं का भी उल्लेख है जिसमें प्रत्येक नागरिक के लिए कर्त्तव्य बताए गए हैं। इनमें से कुछ प्रमुख कर्त्तव्यों पर विचार करें तो हम पाते हैं कि भारत के प्रत्येक नागरिक का पहला कर्तव्य है कि वह संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे। भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे। देश की रक्षा करे और आवाह्न किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे। भारत के सभी लोगों में समरसता और सामान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो। प्रकृति- पर्यावरण की जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणी मात्र के प्रति दया का भाव रखे। सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे। यदि माता-पिता या संरक्षक हैं, 6 वर्ष से 14 वर्ष की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे आदि। यहां गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है कि क्या एक नागरिक के नाते हमें संविधान

सम्मत मूल कर्तव्यों का ज्ञान है? क्या हम नागरिक कर्तव्यों का निर्वाह करते हैं? क्या यह सच नहीं है कि हम एक नागरिक के रूप में अपने कर्त्तव्यों की अपेक्षा अपने अधिकारों के प्रति अधिक सचेत रहते हैं? क्या आज हमें यह समझने की आवश्यकता नहीं है कि अधिकार और कर्तव्य दोनों साथ-साथ हैं? यदि संविधान हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है तो यह अधिकार असीमित नहीं है। इसके साथ हमारे नागरिक कर्तव्य भी जुड़े हैं। भारत का संविधान हमें यह अधिकार देता है कि हम अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उसके जरिए अच्छे जनप्रतिनिधियों को चुनें। न्यायपालिका एवं संविधान सम्मत संस्थाओं में विश्वास रखें लेकिन कई बार देखने में आता है कि हम अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करते अथवा जाति एवं क्षेत्रीयता आदि के प्रभाव में आकर अपराधी प्रवृत्ति वाले जनप्रतिनिधियों को चुनते हैं। कई बार हमारे जनप्रतिनिधि निहित स्वार्थों एवं राजनीतिक लाभ के लिए संविधान सम्मत बने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली का ही विरोध करते हैं। इतना ही नहीं, वे विपक्ष के नाम पर न्यायपालिका के निर्णयों और संसद में बनाए गए कानूनों के प्रति भी अविश्वास फैलाने का प्रयास करते हैं। दिन-प्रतिदिन जाति, संप्रदाय, भाषा एवं क्षेत्रीयता के झगड़े सामान्य होते जा रहे हैं। इन आधारों पर एक दूसरे से वैमनस्य बढ़ रहा है। समान भ्रातृत्व की भावना को आघात पहुंचाया जाता है, क्या यह संविधान सम्मत मूल कर्त्तव्यों के अनुरूप है? विगत दिनों ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैन्य अभियान पर नकारात्मक टिप्पणियां की गई। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और उसके बाद भारत के विरुद्ध जासूसी करने वाले दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया गया। ये देश के ऐसे नागरिक हैं जो कुछ रुपयों के लालच में देश की एकता एवं अखंडता से खिलवाड़ कर रहे थे। इस संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा- जासूसी भारत की अखंडता, संप्रभुता और सुरक्षा के खिलाफ है और राष्ट्र के साथ विश्वासघात है। विडंबना यह भी है कि कुछ चुने हुए जन प्रतिनिधि भी संसद के अंदर और बाहर सेना के पराक्रम पर प्रश्न उठाकर सेवा का मनोबल गिराने का प्रयास करते हैं, क्या यह नागरिक कर्तव्यों के विरुद्ध नहीं है? भारतवर्ष का संविधान जनप्रतिनिधियों के आचरण और दायित्व पर भी निर्देश करता है किंतु पिछले लंबे समय से कई जनप्रतिनिधि संविधान खतरे में है, लोकतंत्र खतरे में है, ईवीएम मशीन खराब हैं, चुनाव आयोग सत्तारूढ़ पार्टी के इशारों पर काम करता है, वोट चोरी हो रही है, सरकार केवल पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है आदि बेबुनियाद आरोपों के सहारे राजनीतिक स्वार्थों के एजेंडे चला रहे हैं जो समाज में आक्रोश बढ़ाने और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कमजोर करने का काम करते हैं, क्या इस प्रकार का आचरण नागरिक कर्तव्यों की अवहेलना नहीं है? यदि ऐसे कृत्य संविधान सम्मत नागरिक कर्त्तव्यों की अवहेलना हैं तो फिर ऐसे लोगों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाही क्यों नहीं होती? आज प्रकृति-पर्यावरण, वन, झील, नदी और वन्यजीवों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। इनका दोहन और इन्हें प्रदूषित करना जारी है। कई नदियां मर चुकी है अथवा भयंकर प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। वन क्षेत्र के लगातार घटने से वन्यजीवों के अस्तित्व पर खतरा पैदा हो रहा है। अनुचित तरीके से वृक्षों को काटने वाले, नदी, झीलों और प्रकृति-पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले कौन हैं? क्या यह संविधान सम्मत नागरिक कर्तव्यों के विरुद्ध नहीं है? समय-समय पर धरने-प्रदर्शनों के चलते सार्वजनिक संपत्ति को आग लगा देना, तोड़फोड़ और साथ ही छोटी-छोटी बातों पर हिंसा सामान्य होते जा रहे हैं जबकि नागरिक कर्तव्यों में इनके निषेध की बात कही गई है। नागरिक कर्तव्य तो यह भी है कि हम अपने प्रकृति- पर्यावरण को स्वच्छ रखें। यहां वहां कूड़ा-कचरा न फैलाएं लेकिन क्या एक नागरिक के नाते हमें यह ज्ञान है? ध्यान रहे जब हम अपने लिए स्वच्छ जल, स्वच्छ वायु और गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार की बात करते हैं तब हमें जल व वायु की स्वच्छता और दूसरों के गरिमापूर्ण जीवन के लिए नागरिक कर्तव्य भी निभाने पड़ेंगे।

आप का नजरिया

क्या ट्रंप टैरिफ वापस लेंगे?

'एप्पल' ने भारत से 67,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। 'अमेजन' ने 40,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। 'गूगल' ने 22-23,000 करोड़ रुपए बनाए हैं और 'मेटा' ने भी लगभग इतनी ही कमाई की है। ये सभी अमरीकी कंपनियां हैं और भारत उनका सबसे बड़ा बाजार है। भारत में इनके प्लांट भी सक्रिय होंगे अथवा स्थापित होने की प्रक्रिया में होंगे! ऐसी कई और अमरीकी कंपनियां होंगी, जो भारत में व्यापार कर रही हैं और मोटा मुनाफा कूट रही हैं। इन कंपनियों के सबसे अधिक ग्राहक और उपयोगकर्ता भी भारत में हैं। यह मुनाफा अमरीका में ही जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप अब भारत के बारे में क्या सोच रहे हैं? चूंकि अमरीकी कंपनियां भारत में उत्पादन कर रही हैं और माल अमरीकी बाजार में जा रहा है, क्या राष्ट्रपति ट्रंप इन उत्पादों पर भी 50 फीसदी टैरिफ थोपेंगे? बल्कि ट्रंप हररोज टैरिफ पर सफाई दे रहे हैं। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप 100 दिनों के अंतराल में टैरिफ पर पुनर्विचार कर अपने फैसले को वापस ले सकते हैं, लिहाजा उन्होंने सर्वोच्च अदालत से आग्रह किया है कि वह टैरिफ मामले पर यथाशीघ्र सुनवाई कर उसे 'वैध' करार दे। अदालत नवंबर माह में सुनवाई शुरू करेगी, यह पहले से ही तय है। राष्ट्रपति ट्रंप इसलिए भी चिंतित हैं, क्योंकि दुनिया दो ध्रुवों के बीच बंटती जा रही है और अमरीका को 'शीत युद्ध' एक बार फिर शुरू होने की आशंका है। अमरीका की ताकत भी बंटती जा रही है। अब देश अमरीका की 'दादागीरी' मानते रहने को तैयार नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और अमरीकी मंत्री अब भी भारत को अपना 'परम मित्र' मानते हैं। अमरीकी विशेषज्ञ भी मानते हैं कि देश के राष्ट्रपतियों ने दशकों की मेहनत, कूटनीति, दूरदर्शिता और देशों की लामबंदी के जरिए जो ताकत अर्जित की थी और अमरीका को सबसे बड़ी 25 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था तक पहुंचाया था, राष्ट्रपति ट्रंप उस पर पानी फेर रहे हैं। भारत को 50 फीसदी टैरिफ से अमरीका ने दबाव में लाने की रणनीति बनाई, लेकिन भारत दूसरे धुरव पर रूस और चीन के साथ मिल गया। उसके समर्थन में 50 अन्य देश, ब्रिक्स और एससीओ के देश आ खड़े हुए। भारत के वाणिज्य-उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि भारत का ऑस्ट्रेलिया और ओमान के साथ व्यापार का करार शीघ्र ही होने जा रहा है। भारत की 50 अन्य देशों के साथ भी निर्यात की संभावनाओं पर बातचीत जारी है। अमरीका के साथ भी नवंबर तक व्यापार-समझौता होना लगभग तय है। भारत आगामी दो सालों के भीतर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। सवाल यह है कि ट्रंप को भारत से दिक्कत है अथवा रूस और चीन से? भारत ने पलट कर अमरीका पर कोई टैरिफ नहीं थोपा है। अमरीकी कंपनियां भारत की सार्वजनिक और निजी कंपनियों से अरबों डॉलर के करार कर रही हैं। अमरीकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे अधिकारी ने अमरीका में मंदी की संभावनाओं को लेकर राष्ट्रपति को सचेत किया है। ऐसे भी विश्लेषण सामने आए हैं कि एक-तिहाई उद्योग पहले से ही आर्थिक संकट झेल रहे हैं। ऐसे में भारत के साथ कारोबार कम क्यों किया जा रहा है? टैरिफ का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि रूस के साथ भारत, चीन के अलावा अमरीका और यूरोपीय देश भी तेल और गैस का धंधा कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप को आरोप लगाने की अपनी आदत

'गूगल' ने 22-23,000 करोड़ रुपए बनाए हैं और 'मेटा' ने भी लगभग इतनी ही कमाई की है। ये सभी अमरीकी कंपनियां हैं और भारत उनका सबसे बड़ा बाजार है। भारत में इनके प्लांट भी सक्रिय होंगे अथवा स्थापित होने की प्रक्रिया में होंगे! ऐसी कई और अमरीकी कंपनियां होंगी, जो भारत में व्यापार कर रही हैं और मोटा मुनाफा कूट रही हैं। इन कंपनियों के सबसे अधिक ग्राहक और उपयोगकर्ता भी भारत में हैं। यह मुनाफा अमरीका में ही जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप अब भारत के बारे में क्या सोच रहे हैं? चूंकि अमरीकी कंपनियां भारत में उत्पादन कर रही हैं और माल अमरीकी बाजार में जा रहा है, क्या राष्ट्रपति ट्रंप इन उत्पादों पर भी 50 फीसदी टैरिफ थोपेंगे? बल्कि ट्रंप हररोज टैरिफ पर सफाई दे रहे हैं। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप 100 दिनों के अंतराल में टैरिफ पर पुनर्विचार कर अपने फैसले को वापस ले सकते हैं, लिहाजा उन्होंने सर्वोच्च अदालत से आग्रह किया है कि वह टैरिफ मामले पर यथाशीघ्र सुनवाई कर उसे 'वैध' करार दे।

को सुधारना चाहिए। उन्होंने अब चीन पर आरोप चस्पां किया है कि वह अमरीका के खिलाफ साजिश रच रहा है। दरअसल बदलते वैश्विक परिदृश्य में अमरीका अकेला पड़ता जा रहा है। अच्छे संबंधों को सिर्फ टैरिफ तक सीमित कर देखना ट्रंप और अमरीका के लिए नुकसानदायक होगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब शीत युद्ध शुरू हुआ था, तब भी भारत दोनों ध्रुवों से अलग, अपनी गुटनिरपेक्षता के लिए, मजबूती से खड़ा था। बहरहाल जो भी निर्णय लेना है, राष्ट्रपति ट्रंप और अमरीका को लेना है।

दृष्टि कोण

जीएसटी से राहत और आर्थिक रफ्तार

हाल ही में 3 सितंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 56वीं बैठक में महंगाई से आम आदमी को राहत देने, ट्रंप टैरिफ से जूझ रहे उद्योग-कारोबार को गति देने और देश की आर्थिक रफ्तार बढ़ाने के मद्देनजर जीएसटी ढांचे और जीएसटी दरों में आमूल सुधार करने के लिए प्रभावी निर्णय लिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में दिवाली से पहले उपहार के रूप में जीएसटी के नए राहतकारी सुधारों का ऐलान किया गया था। अब जीएसटी परिषद ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर मुहर लगा दी है। इस अहम कर सुधार पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जीएसटी में बदलाव के फैसलों से आम जनता, किसानों, एमएसएमई, मध्यम वर्ग महिलाओं और युवाओं को लाभ होगा। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है। ये व्यापक सुधार नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाएंगे और खास तौर से छोटे व्यापारियों और कारोबारों के लिए व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करेंगे। खास बात यह है कि जीएसटी की नई दर व्यवस्था 22 सितंबर, नवरात्र के पहले दिन से लागू होगी। जीएसटी सुधारों का देश के शेयर बाजार ने स्वागत किया है। गौरतलब है कि 1 जुलाई 2017 से देशभर में लागू जीएसटी पर जीएसटी परिषद ने विगत वर्षों में व्यापक मूल्यांकन और विश्लेषण के बाद जीएसटी में सरलता और नए जीएसटी ढांचे के रोडमैप को मंजूरी दी है। जीएसटी परिषद ने मौजूदा चार टैक्स स्लैब 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी में बदलाव करते हुए इन्हें घटाकर 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब वाले दो-स्तरीय जीएसटी को मंजूरी दी है। हालांकि अहितकर वस्तुओं की श्रेणी में आने वाली कुछ वस्तुओं पर 40 फीसदी कर स्लैब लागू होगा। अब जीएसटी सुधारों के तीन बड़े आधार हैं। एकए स्ट्रक्चरल सुधार। इसमें टैक्स ढांचे को और बेहतर किया गया है। दो, टैक्स दरों को तर्कसंगत बनाया गया है, ताकि जरूरी वस्तुएं सस्ती हों तथा तीन, नए रजिस्ट्रेशन, रिफंड को आसान बनाया गया है। इससे इनपुट और आउटपुट टैक्स रेट्स में संतुलन आएगा। जीएसटी के रजिस्ट्रेशन से लेकर पालन प्रतिवेदन की

प्रक्रिया भी आसान की गई है। कारोबारी अब सिर्फ तीन दिन में जीएसटी पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेंगे। उन्हें 7 दिनों में रिफंड देने की व्यवस्था होगी। कच्चे माल और तैयार माल की दरों में भिन्नता होने के कारण इनपुट टैक्स रिटर्न में होने वाली दिक्कतों को भी समाप्त कर दिया गया है। यह बात महत्वपूर्ण है कि जीएसटी दरों में नए बदलाव से वर्तमान में 12 फीसदी जीएसटी वाली लगभग 99 फीसदी वस्तुएं अब पांच फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी। जबकि 28 फीसदी टैक्स वाली लगभग 90 फीसदी वस्तुएं 18 फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी। इसके अलावा रोटी, परांठे, कैंसर समेत 33 जीवन रक्षक दवाओं पर अब जीएसटी नहीं लगेगा। लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पूरी तरह से जीएसटी मुक्त हो गए हैं। अभी इन पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। सभी ऑटो पाट्र्स पर जीएसटी 18 फीसदी होगा। सीमेंट और तिपहिया वाहनों पर यह अब 28 फीसदी से घटकर 18 फीसदी हो गया है। इससे अब घर बनाना भी सस्ता हो जाएगा। निश्चित रूप से नए बदलाव से आम आदमी से लेकर किसान और छोटे उद्योगों के इस्तेमाल में आने वाली सैकड़ों वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। निश्चित रूप से जीएसटी की दरों के नए बदलाव के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में राज्यों की आमदनी बढने की संभावना है। एसबीआई रिसर्च की जीएसटी 2.0 रिपोर्ट के मुताबिक, एसजीएसटी और केंद्र से ट्रांसफर होने वाली रकम के जरिए राज्यों को लगभग 14 लाख करोड़ रुपए मिल सकते हैं। जीएसटी में मिलने वाले रेवेन्यू का आधा हिस्सा सीधे केंद्र सरकार और आधा हिस्सा राज्यों को मिलता है। इसके अलावा, केंद्र के हिस्से का लगभग 41 फीसदी भी राज्यों को वापस मिलता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपके अंदर नेतृत्व का गुण और लोगों की ज़रूरतों को समझने की संवेदनशीलता है। अगर आप ख़ुद को अभिव्यक्त करने पर ज़ोर देंगे, तो सफलता आपके क़दम चूमेगी। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। किसी वृद्ध के स्वास्थ को लेकर हुई परेशानी आपके वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और जितना हो सके, इसे उतना रुमानी बनाने की कोशिश करें। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी–तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा–स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की ज़रूरत है, नहीं तो शरीर की थकावट आपके मन में निराशावादिता को जन्म दे सकती है। निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। वरिष्ठ सहकर्मी और रिश्तेदार मदद का हाथ बढाएंगे। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। इस राशि के कारोबारी आज किसी करीबी की गलत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। जरुरी कामों को समय न देना और फिजूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिन्नता होगी। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आपको या आपके जीवनसाथी को बिस्तर में चोट लग सकती है। इसलिए एक–दूसरे का ख़याल रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। बच्चे कोई दिल ख़ुश करने वाली ख़बर ला सकते हैं। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। आप एक बेहतरीन जीवनसाथी होने की ख़ुशक़िस्मती को शिद्दत से महसूस कर पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा। दिन की शुरुआत प्रिय की मुस्कान से होगी कार्यक्षेत्र में किसी विशेष व्यक्ति से आपकी मिलाक़ात हो सकती है जीवनसाथी से निकटता आज आपको ख़ुशी देगी। देव मंदिर मे श्रीफल अर्पित करें मानसिक शान्ति का अहसास होगा कार्य सिद्धि भी होगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। विद्यालय का काम पूरा करने के लिए बच्चे आपसे मदद ले सकते हैं। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 सितंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया सायं 06:31 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा सायं 06:08 तक
योग : गण्ड रात्रि 11:58 तक
करण : तैतिल प्रातः 07:53 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:23 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:25 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:17 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:14 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दूज का श्राद्ध पंचक चालू है ,
गण्डमूल सायं 06:09 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव 2025

अब हर वर्ष आयोजित होगा मसाला कॉन्क्लेव: भजनलाल शर्मा

जयपुर, 08 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान मसालों के उत्पादन और व्यापार का प्रमुख केंद्र होने के साथ हीमसालों की समृद्ध परंपरा के लिए विश्व विख्यात है।उन्होंने कहा कि राज्य में मसाला कॉनक्लेव का आयोजन हमारे मसाला उद्योग को नई दिशा व गति प्रदान करेगा। शर्मा ने कार्यक्रम में घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश मेंअब हर वर्ष मसाला कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा। साथ ही, इस संबंध में समिति का गठन भी किया जाएगा जिससे राज्य के मसाला उत्पादकों एवं व्यापारियों को नई संभावनाओं और नए अवसरों का सृजन करने के लिए एक वैश्विक मंच मिल सके। शर्मा सोमवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव–2025 में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में मसाला प्रसंस्करण उद्योग की अपार संभावनाएं है। राजस्थान जीरा उत्पादन में देश में पहले, मैथी एवं सौंफ उत्पादन में दूसरे और धनिया एवं अजवाइन उत्पादन में तीसरे स्थान पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फोर लोकल की अवधारणा मसाला उद्योग के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य की डबल इंजन सरकार विपणन व्यवस्था को मजबूत बनाने और कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण से किसानों की आय दोगुनी करने हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही हैं। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटर बनाए जा रहे हैं। राजस्थान में भी इस योजना के तहत आठ इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। इन इन्क्यूबेंशन सेंटर में कृषि उपज की जांच, छंटाई, ग्रेडिंग, गोदाम, कोल्ड स्टोरेज और ओडीओपी उपज के लिए प्रसंस्करण सुविधा मिल सकेगी, जिससे वे अपने प्रसंस्कृत उत्पादों को उचित मूल्य पर बाजार में बेच पाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा किसानों के कल्याण एवं समृद्धि के लिए कई नीतियां लाई गई हैं। कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति के तहत राज्य में 1 हजार 497 कृषि आधारित औद्योगिक इकाइयों को लगभग 630 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। साथ ही, कृषि आधारित उद्योगों एवं प्रसंस्करण इकाइयों में राज्य में करीब 3 हजार 504 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट से कृषि प्रसंस्करण के क्षेत्र में राज्य में करीब 44 हजार करोड़ रुपये का निवेश होना प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि प्रसंस्करण एवं आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने और निवेशकों के प्रोत्साहन हेतु अगले साल की शुरुआत में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट का आयोजन किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार ने कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के मसालों को विशिष्ट वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रमुख मसालों एवं अन्य कृषि उत्पादों को जीआई टैग दिलवाया जा रहा है। जीआई टैग मिलने से उत्पादकों और प्रसंस्करणकर्ताओं को मूल्य संवर्धन का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि एफपीओ को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राज्य की एफपीओ पॉलिसी भी तैयार की जा रही है। साथ ही,अब तक राज्य में 913 कृषक उत्पादक संगठनों का पंजीकरण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रसंस्करणकर्ताओं को एक ही स्थान पर प्रसंस्करण से संबंधित सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य के विभिन्न जिलों के 39 स्थानों पर फूड पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही, मंडी यार्ड में विकास कार्य और किसानों को मंडी यार्डों तक अपनी उपज लाने की सुविधा के लिए संपर्क सड़कों का निर्माण भी करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 148 लाख पात्र फसल बीमा पॉलिसी धारक किसानों को 3 हजार 912 करोड़ रुपये का फसल बीमा क्लेम का भुगतान किया गया है तथा खरीफ 2025 में करीब 163 लाख फसल बीमा पॉलिसी सृजित हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कृषि उपज मंडी समिति आंगणवा, जोधपुर और कृषि उपज मंडी यार्ड सोहेला, टोंक के इन्क्यूबेंशन सेंटर का वर्चुअल लोकार्पण किया।आंगणवा इन्क्यूबेंशन सेंटर में मसालों, दालों और सब्जियों के प्रसंस्करण के लिए दो प्रोसेसिंग लाइन, कोल्ड स्टोरेज और एक फूड टेस्टिंग लैब की स्थापना की गई है। साथ ही, सोहेला के इन्क्यूबेशन सेंटर में तेल मिल, सब्जियों एवं फलों की प्रसंस्करण इकाई और टमाटर एवं मिर्च की पल्प, सॉस इकाई एवं फूड टेस्टिंग लैब स्थापित की गई है। श्री शर्मा ने सोनवा, टोंक के फूड पार्क का भी वर्चुअल लोकार्पण किया। श्री शर्मा ने कार्यक्रम में नए किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के पंजीयन प्रमाण पत्र तथापीएम फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज (पीएम एफएमई) योजना के लाभान्वित कृषकों और उद्यमियों को अनुदान वितरित किया। उन्होंने मसालों से संबंधित विभिन्न योजनाओं के फोल्डर तथा श्रम सम्मान कार्ड का विमोचन तथा राज–स्पाइस ऐप का लोकार्पण किया। साथ ही, कृषि विपणन की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत लाभार्थियों को चैक वितरित किए।

सकल जैन समाज ने मनाया क्षमावाणी महापर्व, सामूहिक अभिषेक और साधना का हुआ समापन

लालसोट, 08 सितंबर (एजेंसियां)। सकल जैन समाज के तत्वावधान में पर्वाधिराज दशलक्षण महोत्सव के अवसर पर आश्विन कृष्ण एकम को क्षमावाणी महापर्व एवं षोडश कारण व्रत का समापन श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर तपस्वी तरुण जैन सोनी एवं अनीता जैन बड़जात्या ने तीन दिन उपवास साधना पूर्ण करने के बाद नेमिनाथ व शांतिनाथ भगवान के श्रीचरणों में बैठकर अपने कर्मों की निर्जरा हेतु विशेष साधना की। साधना पूर्ण होने पर दोनों तपस्वियों को जुलूस के रूप में सम्मानपूर्वक उनके घर तक छोड़ा गया।

लालसोट तहसील के कालूवास, डीडवाना, बगड़ी, मंडावरी, दौलतपुरा एवं लालसोट स्थित जिनालयों में भगवान का अभिषेक एवं शांति धारा संपन्न की गई। लालसोट के चंद्रप्रभु जैन मंदिर में बीसवें तीर्थंकर शनिग्रह अरिष्ट निवारक मुनि सुव्रतनाथ भगवान का पंचामृत अभिषेक जल, मौसमी रस, अनार रस, नारियल, दूध, दही, घी, केसर और सर्वोशधी सुगंधित धारा से किया गया। इसके पश्चात देव, शास्त्र और गुरु से क्षमा याचना की गई। छोटे जैन मंदिर में शांतिनाथ भगवान तथा जैन नस्यां में नेमिनाथ भगवान का अभिषेक कर मंगल शांति धारा की गई। बाबूलाल बड़जात्या की अध्यक्षता में सामूहिक क्षमावाणी पर्व मनाया गया, जिसमें समाज के प्रबुद्धजनों ने अपने विचार व्यक्त किए।

राइजिंग राजस्थान के तहत किए गए एमओयू की क्रियान्विति की प्रगति के संबंध में बैठक आयोजित

कोटपूतली, 08 सितंबर (एजेंसियां)। बहरोडश्र जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राइजिंग राजस्थान के तहत जिला स्तरीय इन्वेस्टर मीट के दौरान किए गए एमओयू की प्रगति के संबंध में बैठक आयोजित कर समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश प्रदान किए गए।

जिला कलक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि एमओयू के तहत भूमि संबंधित प्रकरण, कनवर्जन, विद्युत आपूर्ति एवं एनओसी के कार्यों का प्राथमिकता से निस्तारण करें एवं निवेशक से बेहतर समन्वय करते हुए समयबद्ध कार्य प्रारंभ करवाने के प्रयास करें।

उन्होंने संबंधित विभाग से एमओयू की वन टू वन संपर्क कर कैटेगरी ए, बी, सी, माइल स्टोन – 1,2,3, 4,5, और टास्क असाइन संबंधित अपडेट राजनिवेश पोर्टल पर करने और भू–रूपांतरण, सीएलयू पेंडेंसी, का शीघ्र निस्तारण करते हुए भूमि विजिट एवं आवंटन संबंधी प्रगति भी पोर्टल पर अपडेट करने को कहा।

जिला उद्योग अधिकारी दिलखुश मीणा ने विभागवार प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तरीय राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024 के तहत कोटपूतली–बहरोड जिले में 122 एमओयू लगभग 10280 करोड़ निवेश प्रस्तावित हुए थे और राजनिवेश पोर्टल पर अब तक जिले में कुल 318 एमओयू किए हैं, जिनमें कुल प्रस्तावित निवेश लगभग 23000 करोड रुपए एवं प्रस्तावित रोजगार लगभग 70 हजार है। जिले में किए गए 318 एमओयू में से 182 के पास भूमि उपलब्ध हो चुकी है जिनमें से अब तक 111 (36।03 प्रतिशत) एमओयू ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है जिनके माध्यम से 4599।05 करोड़ का निवेश जिले में हो चुका है और लगभग 7350 नए रोजगार सर्जित हुए हैं जिनमें से 49 (15।40 प्रतिशत) एमओयू में प्रोडक्शन स्टार्ट / इंप्लीमेंट हो चुके हैं इनके अलावा 71 भूमि उपलब्ध एवं अंडर प्रोसेस स्टेज पर है जो जल्दी इम्पलीमेंट होने की संभावना रखते हैं।

घर में एसी का ब्लास्ट, तीन की मौत

फरीदाबाद, 08 सितंबर (एजेंसियां)। फरीदाबाद की ग्रीनफील्ड कॉलोनी में सोमवार तड़के एक भीषण हादसा हो गया। कॉलोनी के एक मल्टी–फ्लोर मकान में एसी शॉर्ट सर्किट से लगी आग के कारण धुआं फैल गया। धुएं में दम घुटने से पति, पत्नी और उनकी बेटी की मौत हो गई, जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया है। पुलिस के अनुसार, ग्रीनफील्ड कॉलोनी के मकान नंबर 787 की पहली मंजिल पर 50 वर्षीय सचिन कपूर अपने परिवार के साथ रहते थे। सोमवार सुबह करीब 3 बजे ऊपरी मंजिल पर रहने वाले मलिक परिवार के एसी में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे अचानक आग लग गई। आग के कारण उठे घने धुएं ने पहली मंजिल पर बने कपूर परिवार के घर को अपनी चपेट में ले लिया। उस समय सचिन कपूर अपनी पत्नी रिंकू कपूर, बेटी सुजान और बेटे आर्यन के साथ सो रहे थे। अचानक घर में घुसे धुएं से सभी का दम घुटने लगा। घबराहट में परिवार ने बचने की कोशिश की, लेकिन छत का गेट बंद होने के कारण वे बाहर नहीं निकल पाए।इस दौरान सचिन, उनकी पत्नी रिंकू और बेटी सुजान बेहोश होकर गिर पड़े। वहीं, बेटे आर्यन ने हिम्मत दिखाते हुए किसी तरह बालकनी से छलांग लगा दी। नीचे गिरने से उसे गंभीर चोटें आईं। पड़ोसियों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है।सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। मगर तब तक देर हो चुकी थी। पुलिस ने सचिन कपूर, उनकी पत्नी और बेटी को अचेत अवस्था में अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। इस पूरे मामले की जांच जारी है। स्थानीय पार्षद ने कहा, यह हादसा अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। हमें गहरा दुख है कि इस घटना में तीन लोगों की जान चली गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने राहत कार्य में सराहनीय सहयोग किया। हमारे क्षेत्र में एक फायर स्टेशन की स्थापना बेहद जरूरी है, और यह हमारी पुरजोर मांग है। यदि फायर स्टेशन होता, तो फायर ब्रिगेड को पहुंचने में देरी न होती और शायद यह हादसा टाला जा सकता था। इसके अलावा, बिल्डर्स की लापरवाही भी सामने आई है, क्योंकि इमारत में कोई फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं था। मैं मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर और क्षेत्रीय विधायक से अनुरोध करता हूं कि वे इस गंभीर मुद्दे को सदन में उठाएं और क्षेत्र में फायर स्टेशन की स्थापना के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

अंबाला में जलभराव पर सख्त हुए मंत्री अनिल विज

अंबाला, 08 सितंबर (एजेंसियां)। अम्बाला छावनी में जलभराव की समस्या को लेकर हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे पूरी ताकत से पानी निकासी का काम करें और यह सुनिश्चित करें कि पानी सीधा नालों में जाए, न कि किसी आवासीय कॉलोनी में। यह बैठक तब बुलाई गई जब रविवार को इंडस्ट्रियल एरिया से पानी निकासी के प्रयासों में कुछ अज्ञात लोगों ने पाइप तोड़कर बाधा डाली थी। इस घटना पर संज्ञान लेते हुए अनिल विज ने तुरंत जिला उपायुक्त अजय तोमर और पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत समेत सभी प्रमुख अधिकारियों को बैठक के लिए बुलाया। बैठक के दौरान मंत्री विज ने अधिकारियों से पानी जमा होने वाले क्षेत्रों की जानकारी ली और पानी निकासी के इंतजामों पर सवाल किए। उन्होंने कहा कि हमें एक सिद्धांत मन में पक्का करना है कि हमारे लिए कोई पराया नहीं है, सभी अपने हैं। इसका सीधा संदेश था कि प्रशासन को बिना किसी भेदभाव के सभी क्षेत्रों में राहत कार्य सुनिश्चित करना चाहिए।

बैठक के बाद मंत्री विज खुद इंडस्ट्रियल एरिया का दौरा करने पहुँचे। उन्होंने वहाँ पानी निकासी के काम में लगे अधिकारियों और उद्योगपतियों से बात की और काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

हरियाणा बनेगा ड्रोन टेक्नोलॉजी का हब: नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 08 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए राज्य सरकार ने 'विकसित हरियाणा' की ठोस रूपरेखा तैयार की है। इस दिशा में हरियाणा को ड्रोन टेक्नोलॉजी, नवाचार और नई तकनीक का हब बनाने की पहल की जा रही है।

मुख्यमंत्री हरियाणा निवास में आयोजित ड्रोन पायलटों और तकनीशियनों के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से प्रमाणित 252 ड्रोन पायलटों और 136 ड्रोन तकनीशियनों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि हरियाणा की ड्रोन टेक्नोलॉजी में लंबी छलांग है। हिसार जिले के गांव सिसाय में देश का पहला ड्रोन विनिर्माण टेक्नोलॉजी हब स्थापित किया जा रहा है, जो दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा हब होगा। इसमें ड्रोन के विनिर्माण, मरम्मत और प्रशिक्षण की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सेना और सशस्त्र बलों के लिए 5 ड्रोन का ई–लोकार्पण तथा गांव सिसाय में बने एवीपीएल इंटरनेशनल के एग्रीकल्चर ड्रोन पैवेलियन का उद्घाटन भी किया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के मेहनती युवा ड्रोन टेक्नोलॉजी में नई ऊंचाइयां हासिल कर रहे हैं। प्रमाणित 388 ड्रोन पायलटों व तकनीशियनों में से 53 बेटियां हैं, जो महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई 'नमो ड्रोन दीदी' और 'किसान ड्रोन' जैसी योजनाएं ग्रामीण समुदाय और किसानों को सशक्त बना रही हैं। ड्रोन से खेती–किसानी में समय और श्रम की बचत हो रही है, साथ ही उत्पादन और आय में भी बढ़ोतरी हो रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति ने विश्व में एक नई पहचान बनाई है। वर्ष 2014 में विश्व की अर्थव्यवस्था में 11वें स्थान पर रहा भारत आज चौथे स्थान पर है और शीघ्र ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की दिशा में अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने सभी पायलटों और तकनीशियनों को बधाई देते हुए कहा कि वे आने वाले समय में हरियाणा और देश का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि देश की कुल जनसंख्या का दो प्रतिशत से भी कम प्रतिनिधित्व रखने के बावजूद हरियाणा ने हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई है। ड्रोन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आज की यह उपलब्धि हरियाणा को नई गति और ऊर्जा प्रदान करेगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, विदेश सहयोग विभाग के सलाहकार पवन चौधरी, एवीपीएल इंटरनेशनल के दीप सिहाग, डॉ। प्रीत संधू और सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल आर।के। आनंद सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बाढ़ पीड़ित राज्यों के लिए यूपी सरकार ने भेजी राहत सामग्री

सीएम योगी ने रवाना किए राहत सामग्रियों से लदे वाहन

सहारनपुर, 08 सितंबर (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सहारनपुर से उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब के बाढ़ प्रभावित नागरिकों के लिए राहत सामग्री से लदे 48 ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सरोवर पोर्टिको, अंबाला रोड पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि राहत सामग्री मानवीय संवेदना की महत्वपूर्ण कड़ी है। संकट की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता इन तीनों राज्यों के अपने बहन-भाइयों के साथ खड़ी है। इस दौरान सीएम योगी ने इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को पांच-पांच करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता राशि भी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से राहत सामग्री के रूप में उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब के नागरिकों के लिए भेजा जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि जो सामग्री उत्तर प्रदेश में वितरित की जाती है, उसी को आज इन 48 ट्रकों के माध्यम से उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब के बहनों-भाइयों के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा कि अगर कहीं आपदा आएगी, उत्तर प्रदेश सहायता के लिए तैयार रहेगा।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड और हिमाचल में बादल फटने और अतिवृष्टि से भारी तबाही हुई है, इसलिए उत्तर प्रदेश सरकार और नागरिकों की ओर से पांच करोड़ रुपए की सहायता उत्तराखंड को और पांच करोड़ रुपए हिमाचल सरकार के राहत कोष के लिए उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

राहत सहायता पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर बृजेश सिंह उत्तराखंड जाएंगे। मंत्री जसवंत सैनी हिमाचल प्रदेश की राहत सामग्री और धनराशि लेकर जाएंगे। पंजाब के लिए सहारनपुर के नगर विधायक राजीव गुम्बर राहत सामग्री लेकर जाएंगे।

सीएम ने कहा कि ये प्रतिनिधि वहां जाकर उत्तर प्रदेश वासियों की संवेदना प्रेषित करेंगे और सामग्री सौंपेंगे। जब पूरा देश संकट में एकजुट होता है, तो संकट, संकट नहीं रह जाता। उन्होंने कहा कि इन सभी के बावजूद, अगर अन्य सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी, तो उत्तर प्रदेश सरकार और 25 करोड़ की जनता हर पीड़ित के साथ खड़ी है और हर प्रकार का सहयोग करने के लिए तत्पर रहेगी।

यूपी सरकार द्वारा भेजी गई राहत सामग्री में लाई, चना, भुना चना, चीनी, बिस्किट, माचिस, मोमबत्ती, नहाने का साबुन, बाल्टी, तिरपाल, आटा, चावल, अरहर की दाल, आलू, हल्दी, मिर्च, मसाला, रिफाइंड तेल, नमक, सेनिटरी पैड, कपड़ा धोने का साबुन, तौलिया, सूती कपड़ा, डिस्पोजल बैग, मग, डिटॉल, उपलब्ध है। इसके अलावा आटा 10 किलो, चावल 10 किलो, अरहर की दाल 2 किलो, आलू 10 किलो, बाल्टी 18 लीटर की, नहाने का साबुन दो, मोमबत्ती का एक पैकेट, माचिस का एक पैकेट, बिस्कुट के 10 पैकेट, चीनी 1 किलो, भुना चना 2 किलो, चना 2 किलो और लाई ढाई किलो के साथ ही, सरसों का तेल 1 किलो, नमक 1 किलो और अन्य सामग्री देने के साथ ही, यह सब सामग्री पैकेट में पीड़ित परिवार को उपलब्ध करवाया गया है, जिससे संकट की घड़ी में वह आसानी से अपना भरण-पोषण कर सके।

इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी, कुंवर बृजेश सिंह, विधायक कीरत सिंह, देवेन्द्र निम, महापौर डॉ. अजय कुमार, राजीव गुम्बर, मुकेश चौधरी, समेत कई जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण मौजूद थे।

धर्मांतरण गिरोह के खिलाफ दाखिल एटीएस की चार्जशीट से खुलासा

500 करोड़ की फंडिंग, 1000 मुस्लिम युवकों की फौज

2047 तक भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने की साजिश

लखनऊ, 08 सितंबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) ने बलरामपुर में हुए अवैध धर्मांतरण केस में मुख्य आरोपित जलालुद्दीन उर्फ छांगुर और उसके बेटे महबूब के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। एटीएस की जांच में खुलासा हुआ है कि छांगुर भारत को 2047 तक इस्लामिक राष्ट्र बनाने की साजिश रच रहा था।

चार्जशीट में 29 गवाहों के बयान शामिल हैं, जिनमें से 10 पीड़ित हैं। एक महिला गवाह ने महबूब और उसके साथी नवीन रोहरा पर बलात्कार और छेड़खानी के भी आरोप लगाए हैं। एटीएस की रिपोर्ट के मुताबिक, छांगुर और उसके साथी गरीब और कमजोर लोगों को लालच, धमकी और मानसिक दबाव देकर धर्मांतरण करवा रहे थे।

छांगुर को धर्मांतरण के लिए मुस्लिम देशों से 500 करोड़ मिले थे और उसके निशाने पर गरीब युवतियां और विधवा महिलाएं थीं। साथ ही, छांगुर व उसके बेटे पर हिंदू लड़कियों को धर्मांतरण के लिए फंसाने के लिए 1,000 से अधिक मुस्लिम युवकों को पैसे देने का आरोप है। गैंग इस्लामिक दावा सेंटर और मदरसे खोलने की तैयारी में था। जांच में ये भी सामने आया है कि पूरी गैंग कोडवर्ड का इस्तेमाल करती थी, जैसे लड़कियों को प्रोजेक्ट, ब्रेनवॉश को काजल करना, धर्मांतरण के लिए मुलाकात को दीदार कराना। एटीएस की चार्जशीट के अनुसार, यह पूरा नेटवर्क एक सुनियोजित साजिश के तहत लोगों का धर्म बदलवाने, उन्हें बरगलाने और भारत की धार्मिक संरचना को बदलने की योजना पर काम कर रहा था।

बरेली में वर्षों से डॉक्टर बना बैठा बांग्लादेशी गिरफ्तार

बरेली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश के बरेली में पुलिस ने भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी डॉक्टर राज मंडल को गिरफ्तार किया है। वह 2017 में एक साल के वीजा पर भारत आया था लेकिन वीजा के जुलाई 2018 में खत्म होने के बाद भी गैरकानूनी रूप से बरेली में रहकर क्लिनिक चला रहा था।

पुलिस ने बताया कि राज मंडल ढाका का निवासी है। वह फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड बनाकर खुद को भारत का नागरिक बताता था। वह बरेली के थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के बलिया गांव में बंगाली डॉक्टर नाम से जाना जाता था और लोगों को छोटी-मोटी दवाएं देता था। पुलिस ने बताया कि उसके पास कोई मेडिकल योग्यता नहीं है। फतेहगंज पश्चिमी थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि राज मंडल इतने सालों तक भारत में कैसे रह पाया, किस-किस से संपर्क में था और उसके इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल हैं।

लाल किला परिसर से चोरी हुआ बेशकीमती कलश बरामद

हापुड़, 08 सितंबर (एजेंसियां)।
लाल किले के पास एक पार्क से कलश चोरी के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हापुड़ निवासी के रूप में हुई है। जिसका नाम भूषण वर्मा है।

लाल किला के सामने 15 अगस्त पार्क में चल रहे जैन समाज के धार्मिक अनुष्ठान से एक करोड़ से अधिक कीमत का कलश चोरी मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से कीमती कलश भी बरामद कर लिया गया है। आरोपी का नाम भूषण वर्मा है और वो हापुड़ का रहने वाला बताया जा रहा है। बता दें कि आरोपी की तलाश के लिए 10 टीमों का गठन कर दिया था। शुरुआत में चार टीमों को ही जांच में लगाया गया था।

जिले के स्पेशल स्टाफ, एएटीएस, एंटी नारकोटिक्स सेल समेत तेज तर्रार पुलिस अधिकारियों को आरोपी की तलाश में लगा दिया गया। दरअसल, कलश चोरी होने के बाद जैन समाज में भारी रोष था। कलश की कीमत को भी दरकिनार कर दिया जाए तो कलश पूरे जैन समाज के लिए खासा धार्मिक महत्व रखता था। जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने गिरफ्तार से पहले कहा था कि आरोपी का सुराग मिला है, टीमें जल्द ही उसको गिरफ्तार कर लेंगी। जांच के दौरान पता लगा है कि आरोपी लगातार कार्यक्रम में शामिल होकर मौके की तलाश कर रहा था। जैसे ही उसको मौका मिला वह वारदात को अंजाम देकर वहां से निकल गया।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि लाल किला के ठीक सामने 15 अगस्त पार्क में 28 अगस्त से जैन समाज का अनुष्ठान चल रहा था। कार्यक्रम 9 सितंबर तक चलेगा। इसके लिए विशेष मंच तैयार किया गया है। अनुष्ठान में धोती और अंग वस्त्र पहनना अनिवार्य है। इन वस्त्रों को धारण करने के बाद ही अनुष्ठान में शामिल हुआ जा सकता है। पूजा के लिए सिविल लाइंस के कारोबारी सुधीर जैन अपना कीमती कलश रोजाना अनुष्ठान में लेकर पहुंचते थे। इसको मंच पर रख दिया जाता था। इसके आसपास श्रद्धालु व खुद सुधीर मौजूद रहते थे।

कलश में 760 ग्राम सोना, 150 ग्राम हीरे, माणिक्य और पन्ना जैसे कीमती रत्न लगे हुए हैं। इस कलश को रोजाना सुधीर जैन वापस भी ले जाते थे। मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला अनुष्ठान में शामिल होने पहुंचे थे। आयोजक व अन्य लोग उनके स्वागत में व्यस्त हो गए। बिड़ला जब वहां से गए तो कलश गायब हो गया।

नमामि गंगे मिशन : आधुनिक मैपिंग पद्धति से नदियों की हो रही पहचान

एक्वीफर मैपिंग से गहरे दबी हुई प्राचीन नदी की पहचान हुई

लखनऊ/प्रयागराज 08 सितंबर (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय गंगा मिशन (नमामि गंगे) के तहत प्रयागराज में एक्वीफर मैपिंग परियोजना लागू की जा रही है। परियोजना का लक्ष्य गंगा नदी के किनारे जल संचयन के उपायों को बेहतर बनाना और जल स्तर को नियंत्रित करने के लिए एक स्थायी प्रणाली विकसित करना है। इस परियोजना में नवाचार और तकनीकी दृष्टिकोण को शामिल किया गया है, जिसमें स्मार्ट जल प्रबंधन प्रणाली, रिमोट सेंसिंग और ड्रोन तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है।

यह प्रणाली न केवल जल आपूर्ति में सुधार करेगी, बल्कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बनाए रखने में मदद करेगी।

इसके अलावा, जल स्रोतों के संरक्षण के साथ-साथ क्षेत्रीय जल संकट को हल करने के लिए तकनीकी दृष्टिकोणों का कार्यान्वयन किया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में पानी की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। नमामि गंगे अभियान के तहत गंगा-यमुना दोआब क्षेत्र (प्रयागराज से कानपुर के मध्य) में पेलियो-चैनलों पर केंद्रित एक्वीफर मानचित्रण के दौरान एक उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त हुई है।

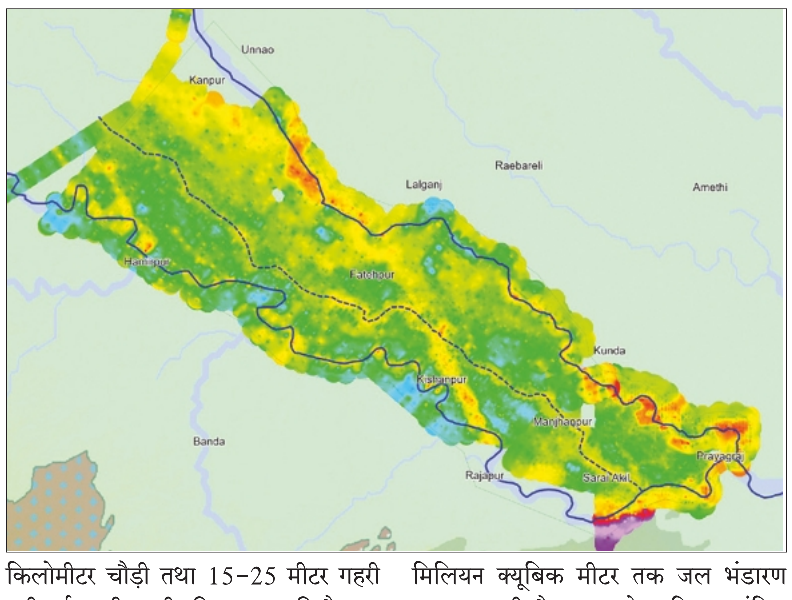

वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन के माध्यम से लगभग 200 किलोमीटर लंबी, लगभग 4 किलोमीटर चौड़ी तथा 15-25 मीटर गहरी दबी हुई प्राचीन नदी की पहचान की है। यह उपलब्धि भारत के इतिहास और संस्कृति के अध्ययन में एक नया अध्याय जोड़ती है।इस परियोजना के अंतर्गत उपग्रह चित्रण तकनीक, भू-स्थानिक आंकड़ों तथा नवीनतम वैज्ञानिक उपकरणों का प्रयोग कर प्राचीन नदी मार्गों एवं भूगर्भीय जलाशयों का विस्तृत मानचित्रण किया गया।

एक्वीफर अध्ययनों से पता चलता है कि यह प्राचीन नदी लगभग 3,500-4,000 मिलियन क्यूबिक मीटर तक जल भंडारण क्षमता रखती है। 150 से अधिक प्रबंधित एक्वीफर मैपिंग पुनर्भरण स्थल चिन्हित किए गए हैं, जहां पुनर्भरण संरचनाएं बनाई जाएंगी ताकि भूजल स्तर बढ़ सके और नदी का आधार प्रवाह स्थायी बना रहे। प्रयागराज में एक्विफर मानचित्रण परियोजना के सफल कार्यान्वयन से भूजल पुनर्भरण में वृद्धि होगी और नदी के प्रवाह में सुधार होगा, जिससे नमामि गंगे मिशन के अविरल गंगा की दृष्टि को बल मिलेगा।

25 से 29 तक यूपी में होगा इंटरनेशनल ट्रेड शो का तीसरा संस्करण

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे पांच दिवसीय यूपी आईटीएस का शुभारंभ

साझेदार देश के रूप में इस बार हो रही है रूस की सहभागिता

लखनऊ, 08 सितंबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश के क्राफ्ट, कुज़ीन और कल्चर से दुनियाभर के उद्यमियों, विनिर्माताओं और व्यापारियों को परिचित कराने वाले वार्षिक आयोजन उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) का तीसरा संस्करण आगामी 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट में आयोजित होने जा रहा है। इस भव्य आयोजन का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा होगा। तीसरे संस्करण में साझेदार देश के रूप में रूस की सहभागिता होगी। सोमवार को तैयारियों की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब तक यूपीआईटीएस के दो संस्करण सफलतापूर्वक आयोजित हो चुके हैं। वर्ष 2023 में हुई शुरुआत ने प्रदेश के निर्यात को नई गति और वैश्विक पहचान दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन आईटी/आईटीईएस, एमएसएमई, स्टार्टअप, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यटन व संस्कृति, ऊर्जा और ओडीओपी जैसे सेक्टरों के उद्यमियों, आंत्रप्रेन्योर, विनिर्माताओं और निर्यातकों को वैश्विक मंच उपलब्ध कराएगा। उन्होंने निर्देश दिया कि इस वर्ष ट्रेड शो में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पीएम स्वनिधि और पीएम इंटर्नशिप कार्यक्रम पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी लगाई जाए। साथ ही अन्य सभी प्रमुख विभाग भी अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन करें, ताकि यह आयोजन प्रदेश की ब्रांडिंग का सशक्त माध्यम बन सके। मुख्यमंत्री ने बायर-सेलर मीट की व्यवस्था तथा इसमें सहयोग के लिए सीएम फेलो की तैनाती करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार के आयोजन में पद्म पुरस्कारों से सम्मानित उत्तर प्रदेश के उद्यमियों/शिल्पकारों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाए। मुख्यमंत्री ने गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के छात्रों को आयोजन से जोड़ने के भी निर्देश दिए।

आधिकारिक तौर पर बताया गया कि इस बार 2500 से अधिक एक्जीबिटर्स ने पंजीयन कराया है, जबकि 500 से अधिक विदेशी खरीदार इसमें भाग लेने आ रहे हैं। इस बार रूस पार्टनर कंट्री के रूप में सहयोग कर रहा है और उसका प्रतिनिधिमंडल ट्रेड शो में शामिल होगा। उन्होंने बताया कि ट्रेड शो के आकर्षणों में खादी केंद्रित फैशन शो प्रमुख है।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में 35 भारतीय खिलाड़ी करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसियां)।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक होने वाली नई दिल्ली 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत के 35 खिलाड़ी पहली बार भाग लेंगे। यह अब तक का सबसे बड़ा दल है, जिसने किसी एक संस्करण में वर्ल्ड चैम्पियनशिप में डेब्यू किया है।

भारत के स्टार खिलाड़ी महेंद्र गुर्जर इस टूर्नामेंट में विशेष आकर्षण रहेंगे। उन्होंने हाल ही में स्विट्ज़रलैंड में हुए नॉटविल वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में पुरुषों की एफ42 जेवलिन थ्रो में 61.17 मीटर का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था। फिलहाल वे पटियाला में प्रशिक्षण ले रहे हैं और अपने पहले वर्ल्ड चैम्पियनशिप में प्रभाव छोड़ने को तैयार हैं।

पहली बार भाग लेने वाले खिलाड़ियों में अतुल कौशिक (डिस्कस एफ57), प्रवीण (शॉट पुट एफ46), हनी (डिस्कस एफ37), मित भरतभाई पटेल (लॉन्ग जंप टी44), मनजीत (जेवलिन एफ13), विशु (लॉन्ग जंप टी12), पुष्पेंद्र सिंह (जेवलिन एफ44), अजय सिंह (लॉन्ग जंप टी47), शुभम जुयाल (शॉट पुट एफ57), बीरभद्र सिंह (डिस्कस एफ57), दयावंती (महिला 400 मीटर), अमीषा रावत (महिला शॉट पुट एफ46), आनंदी कुलंथैसामी (क्लब थ्रो एफ32), और सुचित्रा परिडा (महिला जेवलिन एफ56) शामिल हैं।

भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने एक बयान में कहा, कभी भी इतनी बड़ी संख्या में भारतीय एथलीट्स ने एक साथ वर्ल्ड चैम्पियनशिप में डेब्यू नहीं किया है। हर खिलाड़ी ने कठिनाइयों को पार कर यहां तक पहुंच बनाई है। ये नई पीढ़ी की उम्मीदें हैं और लाखों युवाओं को प्रेरित करेंगे कि वे भी खेलों में करियर बनाएं और बड़े सपने देखें।

महेंद्र गुर्जर ने अपने उत्साह को साझा करते हुए कहा, यह चैम्पियनशिप सिर्फ मेडल की बात नहीं है, बल्कि यह दुनिया को भारतीय पैरा एथलीट्स के जज़्बा और क्षमता दिखाने का मंच है। मैं चाहता हूं कि हमारे प्रदर्शन से खासकर लड़कियां खेलों में आगे आएं और अपने सपनों का पीछा करें।

वहीं, मित भरतभाई पटेल (पुरुष लॉन्ग जंप टी44) ने कहा, घरेलू दर्शकों के सामने इस स्तर पर खेलना मेरा सपना रहा है। मैं इस मौके के लिए आभारी हूं और भारत को गौरवान्वित करने के लिए पूरी मेहनत करूंगा।

नई दिल्ली 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप भारत का अब तक का सबसे बड़ा पैरा स्पोर्टिंग इवेंट होगा, जिसमें 104 से अधिक देशों के 2200 से ज्यादा खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ 186 स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

डे-नाइट कबड्डी टूर्नामेंट में प्रयागराज की टीम रही विजयी

मीरजापुर। हलिया विकासखंड के महुगढ़ (समहुती) गांव में रविवार को डे-नाइट कबड्डी टूर्नामेंट का आगाज़ हुआ। प्रतियोगिता में कुल 14 टीमों ने भाग लिया, जिनमें डेरवा, छानवे, मऊगंज, लालगंज, घोरावल और राजगढ़ समेत विभिन्न क्षेत्रों की टीमें शामिल रहीं। रोमांचक मुकाबलों के बीच फाइनल मैच प्रयागराज और डेरवा की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें प्रयागराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। समापन पर परिणाम घोषित किए गए, जिसमें प्रयागराज की टीम प्रथम, डेरवा द्वितीय और मऊगंज की टीम तृतीय स्थान पर रही। विजेता टीमों को क्रमशः प्रथम पुरस्कार के रूप में 5100, द्वितीय पुरस्कार 3100 और तृतीय पुरस्कार 2100 रुपये नकद प्रदान किए गए। रेफरी की भूमिका बबलू अंसारी और पिंटू मौर्य ने निभाई, जबकि आयोजन हाफिज अंसारी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का संचालन बुद्धि रामपाल और जयकुमार ने कॉमेंट्री के माध्यम से किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य दिलीप पटेल, इंडियन मानवाधिकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष विजेंद्र पांडे, मोबीन खान, मिठाई लाल, फूलचंद सहित बड़ी संख्या में दर्शक और खिलाड़ी मौजूद रहे ।

मैक्स वेरस्टापेन ने जीता इटैलियन ग्रां प्री, मई के बाद मिली पहली कामयाबी

मोनज़ा (इटली)। मौजूदा विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टापेन ने रविवार को इटैलियन ग्रां प्री जीतकर फॉर्मूला-1 में मैकलेरन के दबदबे को धीमा कर दिया। वेरस्टापेन ने पोल पोज़िशन से शानदार शुरुआत करते हुए ऐतिहासिक प्रदर्शन किया और जीत अपने नाम की। रेड बुल के डच ड्राइवर ने लैंडो नॉरिस और चैम्पियनशिप लीडर ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए जीत दर्ज की। शनिवार को क्वालिफाइंग के दौरान वेरस्टापेन ने एफ1 इतिहास का सबसे तेज लैप समय निकालकर पोल हासिल किया था। हालांकि, वेरस्टापेन के लिए लगातार पांचवां ड्राइवर्स खिताब जीतना मुश्किल माना जा रहा है क्योंकि वह पियास्त्री से 94 अंक पीछे चल रहे हैं। पियास्त्री तीसरे स्थान पर रहे और अब भी कुल अंक तालिका में 31 अंकों से आगे हैं, जबकि नॉरिस दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। इस सीज़न में अब तक मैकलेरन ने दबदबा बनाए रखा है और चार को छोड़कर सभी ग्रां प्री अपने नाम किए हैं। वेरस्टापेन की यह जीत मौजूदा सीज़न की सिर्फ तीसरी कामयाबी है। मई में एमीलिया रोमान्या ग्रां प्री जीतने के बाद इटली में यह उनकी दूसरी बड़ी जीत है। फेरारी के प्रशंसकों की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए चार्ल्स लेक्लर्क चौथे स्थान पर रहे। उनके साथी ड्राइवर लुईस हैमिल्टन को पांच स्थान की ग्रिड पेनल्टी के कारण 10वें स्थान से शुरुआत करनी पड़ी, लेकिन शानदार ड्राइविंग के दम पर वे छठे स्थान तक पहुंच पाए। हालांकि, वे अपने पूर्व मर्सिडीज़ साथी जॉर्ज रसेल को पीछे नहीं छोड़ पाए।

पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की सहायता में लगे हरभजन

चंडीगढ़। पंजाब में आई भीषण बाढ़ से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। लोगों को जान बचाने के लिए अपने घरों को छोड़कर जाना पड़ा है। बाढ़ से फसल भी बर्बाद हो गयी है। इसी को देखते हुए अब कई हस्तियां बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए सामने आयी हैं। पूर्व क्रिकेटर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने भी बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए सभी से सहायता की अपील की है। उन्होंने राहत कार्य शुरू करते हुए नावें और एम्बुलेंस लगायी हैं। इसके अलावा वह राहत राशि भी एकत्र कर रहे हैं। अभी तक तकरीबन 50 लाख रुपये की राशि से प्रभावितों की मदद की गयी है। हरभजन ने सांसद निधि कोष से उन्होंने राहत कार्यों के लिए आठ स्टीमर नावें स्वीकृत करने के साथ अपने संसाधनों से तीन और नावें दी हैं। इस प्रकार हरभजन ने कुल 11 स्टीमर नावें दान की हैं। इसमें आठ अपनी सांसद निधि से और तीन अपने पैसे से उपलब्ध करायी हैं। हर नाव की कीमत तकरीबन 4.5 से 5.5 लाख रुपये है। उन्होंने गंभीर रूप से बीमार लोगों को पास के अस्पतालों में पहुंचाने के लिए तीन एम्बुलेंस भी खरीदी हैं। पंजाब में पिछले कुछ हफ्तों से भारी बारिश और नदी के तटबंधों में दरार के कारण बाढ़ आई है। इससे बड़े पैमाने पर लोगों को अपने धर छोड़ने पड़े हैं। हरभजन की अपील पर एक खेल संगठन ने 30 लाख रु का दान दिया है जबकि उनके करीबी दोस्तों ने 12 लाख रु और छह लाख रु का योगदान दिया है। राहत राशि से दवा और खाना पहुंचाया जा रहा है।

फिडे ग्रां प्री स्विस 2025 : महिला वर्ग में वैशाली संयुक्त बढ़त पर, गुकेश-एरिगैसी की बाजी ड्रॉ

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसियां)।

उज़्बेकिस्तान के समरकंद में चल रहे फिडे ग्रां प्री स्विस शतरंज टूर्नामेंट के चौथे दौर के बाद भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली महिला वर्ग में संयुक्त रूप से शीर्ष पर बनी हुई हैं। जर्मनी की डिनारा वैगनर के खिलाफ ड्रा खेलने के बाद वैशाली के साथ अब रूस की कैटेरिना लाग्नो भी अंकों में बराबरी पर आ गईं।

लाग्नो ने चीन की युक्सिन सॉन्ग को सफेद मोहरों से हराकर संयुक्त बढ़त हासिल की। अब पांचवें दौर में वैशाली और लाग्नो के बीच अहम भिड़ंत होगी, जिसमें वैशाली सफेद मोहरों से खेलेंगी।

डिनारा के खिलाफ खेल में वैशाली ने काले मोहरों से ग्रुनफेल्ड डिफेंस अपनाया, लेकिन जर्मन खिलाड़ी की सटीक तैयारी और शुरुआती दौर में किए गए त्याग (रूक के बदले ऊँट) ने बाजी संतुलित कर दी। मध्य खेल में क्वीन अदला-बदली के बाद वैशाली के पास जीत का कोई ठोस मौका नहीं बचा और मुकाबला ड्रा हो गया।

ओपन वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन

ओपन सेक्शन में भारत की दिव्या देशमुख ने शानदार वापसी करते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। उन्होंने मिस्र के जीएम बासेम अमीन को पराजित किया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त आर. प्रज्ञानानंद को अमेरिका के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा ने ड्रा पर रोक दिया। प्रज्ञानानंद के पास एक अतिरिक्त प्यादा था लेकिन मिश्रा ने मजबूत रक्षात्मक चालों से मुकाबला बराबरी पर समाप्त कराया। यह खेल 57 चालों तक चला।

विश्व चैंपियन डी. गुकेश और अर्जुन एरिगैसी के बीच ऑल-इंडियन मुकाबला भी ड्रॉ पर समाप्त हुआ। गुकेश के पास हल्का बढ़त का आभास था लेकिन एरिगैसी ने बेहतरीन तैयारी और सही समय पर अदला-बदली करके स्थिति को बराबर कर दिया। खेल 46 चालों के बाद समाप्त हुआ।

दुनिया के सबसे मजबूत स्विस टूर्नामेंट में अभी सात दौर शेष हैं। ईरान के परहम मघसूदलू 3.5 अंक लेकर आधे अंक की बढ़त पर हैं। उन्होंने मेजबान खिलाड़ी नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से कड़ा मुकाबला ड्रा खेला।

पिछले संस्करण के ओपन चैंपियन विदित गुजराती ने वापसी करते हुए यूक्रेन के दिग्गज वासिल इवानचुक को हराया। विदित, एरिगैसी, गुकेश और प्रज्ञानानंद 3 अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। इनके साथ उज़्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव व नादिरबेक याकुबबोएव, हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट, जर्मनी के मैथियास ब्लूबाम, स्विट्ज़रलैंड के निकिता वितियोगोव और तुर्की के युवा खिलाड़ी यागिज़ कान एरडोगमस भी बराबरी पर हैं।

इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कुल 8,55,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 7.1 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि दांव पर लगी है। साथ ही, ओपन और महिला वर्ग से दो-दो खिलाड़ी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगे।

नवाज़ की हैट्रिक से पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 75 रन से हराकर जीता त्रिकोणीय सीरीज़

नई दिल्ली। मोहम्मद नवाज़ के हैट्रिक सहित 5 विकेट की बदौलत पाकिस्तान ने रविवार रात शारजाह में खेले गए फाइनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 75 रन से हराकर त्रिकोणीय सीरीज़ जीत ली है। इस सीरीज में तीसरी टीम यूएई की थी। मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 141/8 रन बनाए। फखर ज़मान ने 27 और मोहम्मद नवाज़ ने 25 रन की अहम पारी खेली। अफगानिस्तान के लिए राशिद खान ने 3 विकेट, जबकि नूर अहमद ने 2 विकेट हासिल किए। जवाब में अफगानिस्तान की टीम 15.5 ओवर में सिर्फ 66 रन पर सिमट गई। पारी की शुरुआत से ही उनके विकेट गिरते रहे। शाहीन अफरीदी ने पहले ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज को आउट किया। इसके बाद अबरार अहमद और नवाज़ ने लगातार झटके दिए। नवाज़ ने छठे और सातवें ओवर में दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई और इब्राहिम ज़ादरान को आउट कर हैट्रिक पूरी की। उन्होंने कुल पांच विकेट अपने नाम किए। सुफियान मुकीम और अबरार अहमद ने दो-दो विकेट लिए। यह अफगानिस्तान का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरा सबसे कम स्कोर रहा। पाकिस्तान ने शानदार गेंदबाजी के दम पर 75 रनों से जीत दर्ज कर त्रिकोणीय सीरीज का खिताब अपने नाम किया। संक्षिप्त स्कोरकार्ड: पाकिस्तान: 141/8 (20 ओवर) - फखर ज़मान 27, मोहम्मद नवाज़ 25; राशिद खान 3/38, नूर अहमद 2/17 अफगानिस्तान: 66 (15.5 ओवर) - राशिद खान 17; मोहम्मद नवाज़ 5/19, सुफियान मुकीम 2/9, अबरार अहमद 2/17, परिणाम: पाकिस्तान 75 रनों से विजयी।

विश्व कप क्वालिफायर: जर्मनी ने उत्तरी आयरलैंड को हराकर पकड़ी जीत की राह

बर्लिन,08 सितंबर (एजेंसियां)।

स्लोवाकिया के खिलाफ मिली हार से उबरते हुए जर्मनी ने रविवार को फीफा विश्व कप क्वालिफाइंग ग्रुप-ए के मुकाबले में उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हराकर जीत दर्ज की। पिछले गुरुवार ब्रातिस्लावा में 0-2 की हार के बाद कोच जूलियन नागेल्समैन ने अपनी शुरुआती एकादश में पांच बदलाव किए और इसका फायदा टीम को तुरंत मिला। सातवें मिनट में सर्ज गनाब्री ने निक वोल्टेमाडे के पास पर गोलकीपर बेली पीकॉक-फैरेल के ऊपर से शॉट लगाकर खाता खोला। जर्मनी ने बढ़त बढ़ाने के कई मौके बनाए लेकिन वोल्टेमाडे और डेविड राउम उन्हें भुना नहीं सके। उत्तरी आयरलैंड, जिसने अपने पहले मैच में लक्ज़मबर्ग को हराया था, धीरे-धीरे लय में आया और 34वें मिनट में बराबरी कर ली। जस्टिन डेवेनी के कॉर्नर पर इसाक प्राइस ने शानदार वॉली लगाकर गोल किया। इसके बाद जर्मनी थोड़ा असमंजस में दिखा और हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में पीकॉक-फैरेल ने पास्कल ग्रॉस और राउम के शॉट रोककर जर्मनी को बढ़त लेने से रोका। हालांकि नागेल्समैन के किए गए बदलाव निर्णायक साबित हुए। 60वें मिनट में उतरे नादियम अमीरी ने 69वें मिनट में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई। सिर्फ तीन मिनट बाद फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने फ्री-किक पर बेहतरीन गोल करते हुए मुकाबले का सबसे शानदार पल बनाया और जीत पक्की कर दी। अंतिम समय में उत्तरी आयरलैंड ने आक्रामक प्रयास किए लेकिन जर्मनी की जीत को खतरा नहीं पहुंचा सके। इस जीत के साथ जर्मनी का चार मैचों से चला आ रहा बिना जीत का सिलसिला खत्म हुआ। अब वह 10 अक्टूबर को सिन्सहाइम में लक्ज़मबर्ग की मेजबानी करेगा, जबकि उत्तरी आयरलैंड बेलफास्ट में स्लोवाकिया से भिड़ेगा। मैच के बाद कोच नागेल्समैन ने कहा, हमने शुरुआत अच्छी की और बढ़त भी बनाई, लेकिन बराबरी का गोल मिलने से माहौल थोड़ा बिगड़ गया। आखिरी 30 मिनट में हमारी असली तस्वीर दिखी, उससे पहले खेल थोड़ा अस्थिर था।

एशिया कप के पहले ही मैच में रिकार्ड बना सकते हैं अर्शदीप

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह बुधवार को यूएई में एशिया कप क्रिकेट टूर्नोमेंट के पहले ही मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। अर्शदीप इस मैच में टी20 प्रारुप में अपने 100 विकेट पूरे कर रिकार्ड बना सकते हैं। अब तक अर्शदीप ने 99 विकेट लिए हैं और उनके पास इस प्रारुप में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बनने का अवसर है। अर्शदीप ने अब तक 63 टी20आई मैचों में 18.30 की औसत से 99 विकेट लिए हैं, जहां उन्होंने 8.29 की इकॉनमी से रन दिए हैं और दो बार चार विकेट लिए हैं। इस प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/9 है, जो उन्होंने पिछले साल टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण के मैच में यूएई के खिलाफ किया था। टी20 विश्व कप 2024 के बाद से अर्शदीप ने 11 मैचों में हिस्सा लिया है और 15.15 की औसत से 20 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/14 रहा है, जबकि उनका इकॉनमी रेट 7.87 का रहा है। भारतीय टीम एशिया कप में 10 सितंबर से यूएई के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। इसके बाद 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान का मुकाबला होगा। भारतीय टीम अपना आखिरी लीग मैच 19 सितंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगी।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में धीमी ओवर गति के लिए दक्षिण अफ्रीका पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका पर रविवार को साउथैम्प्टन में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए तीसरे वनडे मैच में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को बताया कि दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा ने अपराध तथा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। आईसीसी के अनुसार मैदानी अंपायर नितिन मेनन और रसेल वॉरिन, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद और चौथे अंपायर माइक बर्न्स ने आरोप तय किए। आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ ने यह जुर्माना लगाया, क्योंकि तय समय के अनुसार दक्षिण अफ्रीका की टीम इंग्लैंड के खिलाफ मैच में एक ओवर पीछे थी।

खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कार्मिकों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है इसी के अनुसार खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

साउथैम्प्टन में रविवार को दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मैच खेला गया। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम ने पांच विकेट पर 414 रनों का विशाल स्कोर बनाया। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 20.5 ओवर में मात्र 72 रन पर ढेर हो गई। इससे उसे 342 रनों के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि आखिरी मैच में हार के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

महिला एशिया कप हॉकी में भारत ने सिंगापुर को 12-0 से रौंदा, सुपर-4 में बनाई जगह

हांगझोउ,08 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय टीम ने महिला एशिया कप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिंगापुर को 12-0 से हराकर सुपर-4 में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम अब 10 सितंबर को सुपर-4 में पूल ए की दूसरे स्थान की टीम से भिड़ेगी। भारत की ओर से नवनीत कौर (14', 20', 28') और मुमताज़ (2', 32', 39') ने हैट्रिक जमाई, जबकि नेहा (11', 38') ने दो गोल दागे। इसके अलावा लालरेमसियामी (13'), उदिता (29'), शर्मिला (45') और रुतुजा पिसल (53') ने भी गोल कर टीम की जीत को ऐतिहासिक बना दिया। भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और मैच के दूसरे ही मिनट में मुमताज़ ने जोरदार शॉट लगाकर खाता खोला। 11वें मिनट में नेहा ने गोल कर बढ़त दोगुनी की, इसके बाद लालरेमसियामी (13') और नवनीत (14') के गोलों ने स्कोर 4-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में सिंगापुर ने कुछ देर तक संघर्ष किया, लेकिन 20वें मिनट में नवनीत ने एक और गोल दागा और फिर 28वें मिनट में हैट्रिक पूरी कर ली। जल्द ही उदिता (29') ने भी गोल दागा और हाफ टाइम तक भारत 7-0 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा। मुमताज़ ने 32वें मिनट में अपना दूसरा और 39वें मिनट में तीसरा गोल दागकर हैट्रिक पूरी की। इसी बीच नेहा (38') और शर्मिला (45') ने भी गोल कर स्कोर 11-0 कर दिया। आखिरी क्वार्टर में रुतुजा पिसल ने 53वें मिनट में गोल कर स्कोर 12-0 कर दिया। सिंगापुर पूरी कोशिशों के बावजूद एक भी गोल नहीं कर सका और भारत ने मुकाबला एकतरफा अंदाज में अपने नाम किया।

शास्त्री बोले, सैमसन के बल्लेबाजी क्रम को न बदलें, पारी की शुरुआत करते हैं तो जीतती है टीम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें एशिया कप में पारी की शुरुआत के लिए ही भेजा जाना चाहिये। शास्त्री ने कहा कि सैमसन के बल्लेबाजी क्रम को नहीं बदला जाना चाहिये क्योंकि वह पारी की शुरुआत में ही बेहतर खेलते हैं। सैमसन को टी20 एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में जगह तो मिल गयी है पर उनको अंतिम ग्यारह में शामिल किये जाने की संभावना कम ही है क्योंकि टीम में शुभमन गिल को उपकप्तान के तौर पर शामिल किया गया है और माना जा रहा है कि वहीं पारी की शुरुआत करेंगे। शास्त्री का मानना है कि सैमसन शीर्ष पर ही रहकर आपको मैच जिता सकते हैं निचले क्रम पर उनका प्रदर्शन प्रभावी नहीं रहा है। शास्त्री ने कहा, सैमसन शीर्ष पर सबसे ज्यादा खतरनाक बल्लेबाजी करते हैं। इससे वह आपको मैच जिता सकते हैं। अगर वो किसी भी पारी में धमाकेदार प्रदर्शन करते हैं, तो टीम की जीत की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें शीर्ष पर ही रहने दो, यही सबसे अच्छा है। सैमसन ने हाल ही में केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) की 5 पारियों में 368 रन बनाए हैं और इनमें से 350 से ज्यादा रन उन्होंने सलामी बल्लेबाज के तौर पर बनाए हैं पर टीम की घोषणा के समय ही मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने साफ कर दिया है कि वे एशिया कप में पारी शुरु नहीं करेंगे।

ऑडी ने 7.8 लाख रुपए तक घटाये वाहनों के दाम, नई कीमतें 22 सितंबर से होगीं लागू

जीएसटी का लाभ ग्राहकों को देने के लिए कीमतों में 7.8 लाख रुपये तक कटौती की

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसियां)। जर्मन लग्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी इंडिया ने सोमवार को भारत में अपने सभी मॉडलों की कीमतों में 2.6 लाख रुपये से लेकर 7.8 लाख रुपये तक कटौती का ऐलान किया है। नई कीमतें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से लागू होगीं।

ऑडी इंडिया ने एक बयान में कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव के बाद उसने अपने सभी उत्पाद पोर्टफोलियो की कीमतों में संशोधन किया है, ताकि ऑटोमोबाइल पर जीएसटी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके। अब ग्राहकों को मॉडल के आधार पर 2.6 लाख रुपये से लेकर 7.8 लाख रुपये तक का लाभ मिलेगा। कंपनी के मुताबिक नई कीमतों के तहत कंपनी की एंट्री-लेवल एसयूवी क्यू3 की शुरुआती कीमत 43.07 लाख रुपये हो जाएगी, जो पहले 46.14 लाख रुपये थी। इसी तरह टॉप-एंड एसयूवी क्यू8 की शुरुआती कीमत 1.18 करोड़ रुपये से घटकर अब 1.1 करोड़ रुपये हो जाएगी। इसके अलावा एसयूवी क्यू5 और क्यू7 जैसे अन्य मॉडलों के साथ-साथ सेडान ए4 और ए6 की कीमतों में भी कमी की गई है।

कंपनी ने कहा कि संशोधित कीमतें लागू होने के बाद ऑडी की लक्जरी कारों और एसयूवी रेंज को और अधिक सुलभ बनाएगी, जिससे त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों की मांग में तेजी आएगी। ग्राहक अपनी पसंदीदा कार की सटीक कीमत जानने के लिए ऑडी इंडिया के नजदीकी डीलरशिप पर जा सकते हैं या कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी शुल्क से कोलकाता की चमड़ा फैक्ट्रियों की रफ्तार पर लगा ब्रेक

नई दिल्ली। कोलकाता के बंताला स्थित एक चार मंजिला चमड़ा फैक्टरी में करीब 380 कर्मचारी हैं, जो ह्यूगो बॉस जैसे ब्रांड के लिए हैंडबैग और वॉलेट तैयार करते हैं। चमड़े के टुकड़े करीने से पंक्तियों में रखे हुए हैं और फैक्टरी में तेज़ी से काम हो रहा है, लेकिन इसके पीछे एक बड़ी आर्थिक चिंता छुपी है। क्रीसेंट एक्सपोर्ट्स के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है, लेकिन हाल ही में अमेरिका ने भारत के कुछ उत्पादों पर 50 फीसदी तक आयात शुल्क बढ़ा दिया है। इसका सीधा असर ऑर्डर पर पड़ा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एम. अजहर ने बताया कि अमेरिका से आने वाले कई ऑर्डर रोक दिए गए हैं और उत्पादन की रफ्तार भी धीमी हो गई है। अमेरिका ने यह जवाबी शुल्क रूस से तेल खरीदने के चलते लगाया है, जिसमें अतिरिक्त 25 फीसद शुल्क 27 अगस्त से लागू हुआ। इस समय सीमा से पहले जितना माल तैयार था, उसे क्रीसेंट ने हवाई मार्ग से भेजा, जबकि सामान्यतः समुद्री मार्ग का इस्तेमाल होता है। चमड़ा निर्यातकों पर 50 फीसदी तक आयात शुल्क का असर, ऑर्डर घटे, उत्पादन प्रभावित कंपनी की लगभग 60 फीसदी बिक्री अमेरिका में होती है, जबकि शेष यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में। अन्य कंपनियां जैसे जेसी इंटरनेशनल भी इसी संकट से जूझ रही हैं। उनके अनुसार अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही चुनौतीपूर्ण रहेगी।

देश की पहली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस जल्द होगी शुरू, दिल्ली-पटना यात्रा अब सिर्फ 11.5 घंटे में

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे देश की पहली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस को दिवाली से पहले शुरू करने जा रहा है। यह ट्रेन सितंबर के अंत तक यात्रियों के लिए शुरू की जा सकती है। अब तक वंदे भारत ट्रेनें केवल दिन की यात्रा के लिए चेयर-कार सुविधा देती थीं, लेकिन नई ट्रेन को खासतौर पर रातभर की लंबी दूरी की यात्रा के लिए डिजाइन किया गया है। यह स्लीपर ट्रेन दिल्ली और पटना के बीच प्रयागराज होते हुए चलेगी। इस रूट पर यात्रा का समय अब सिर्फ 11.5 घंटे होगा, जबकि राजधानी एक्सप्रेस को यही दूरी तय करने में लगभग 23 घंटे लगते हैं। ट्रेन पटना से रात 8 बजे रवाना होकर सुबह 7:30 बजे दिल्ली पहुंचेगी। वापसी यात्रा भी इसी समय पर होगी। भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड द्वारा बनाए गए इस ट्रेन के कोच आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से युक्त हैं। हर कोच में सीसीटीवी कैमरे, एलईडी स्क्रीन, ऑटोमैटिक दरवाजे, फायर सेफ्टी सिस्टम और ऑनबोर्ड घोषणा प्रणाली जैसी सुविधाएं होंगी। इसके इंटीरियर को विमान की तर्ज पर डिज़ाइन किया गया है। टिकट की कीम राजधानी एक्सप्रेस से 10-15 फीसदी अधिक हो सकती हैं, लेकिन सुविधाओं और कम समय के कारण यह ट्रेन हवाई यात्रा से सस्ता और सुविधाजनक विकल्प साबित होगी।

उपभोक्ताओं की बदलती मांग को देखते हुए हुंडई ने पेश किए नए मॉडल

नई दिल्ली। शहरी और अर्ध-शहरी इलाकों में उपभोक्ताओं की बदलती मांग को देखते हुए हुंडई मोटर इंडिया ने लगातार नए मॉडल और अपडेट पेश कर रही है। हुंडई इंडिया ने 1996 में भारतीय बाजार में कदम रखा था और यह हर साल लाखों ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। कंपनी की रणनीति सिर्फ नई कारें लॉन्च करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को समझते हुए डिजाइन, तकनीक और किफायत पर भी ध्यान देती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण क्रेटा है, जिसने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में बेजोड़ लोकप्रियता हासिल की। जानकार मानते हैं कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बढ़ते रुझान को देखते हुए हुंडई ने भी ईवी सेगमेंट पर फोकस बढ़ा दिया है। कंपनी आने वाले समय में इलेक्ट्रिक कारों की रेंज में नए विकल्प पेश करने की तैयारी कर रही है। ऑटो एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारतीय ग्राहकों का भरोसा और बाजार की तेजी ने हुंडई को आगे बढ़ाया है। साथ ही, कंपनी के डीलर नेटवर्क और आफ्टर-सेल्स सर्विस को भी इसकी सफलता का अहम कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ सालों में जब इलेक्ट्रिक कारों की मांग और बढ़ेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चीन और जाकिर...

बोर्ड के अन्य सदस्यों में प्रियंका गांधी वाड्रा, पी चिदंबरम, सुमन दुबे, अशोक गांगुली, मोंटेक सिंह अहलूवालिया और विजय महाजन शामिल हैं।

यह नोटिस राहुल गांधी पर जनवरी 2025 में दर्ज एफआईआर से संबद्ध है। राहुल गांधी के इंडियन स्टेट से संघर्ष वाले विवादित बयान पर ओड़ीशा के झारसुगुड़ा में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया कि राहुल गांधी के बयान से भारत की एकता और अखंडता को खतरा है। शिकायतकर्ता राम हरि पुजारी ने कहा कि राहुल गांधी ने इंडियन स्टेट के खिलाफ युद्ध घोषित कर देशद्रोह भड़काया है। मामले की जांच के बाद आईजी हिमांशु लाल ने आरोपों को सही पाया और एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। यह मामला झारसुगुडा थाने में धारा 152 (भारत की एकता और संप्रभुता को खतरा) और धारा 197 (1) (डी) (झूठी एवं भ्रामक सूचना फैलाना) के तहत दर्ज हुआ।

यह विवाद राहुल गांधी के 15 जनवरी 2025 को दिए गए बयान से शुरू हुआ। राहुल गांधी ने दिल्ली के कोटला रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय के उद्घाटन समारोह में अपने भाषण के दौरान देश-विरोधी बयान दिया। उन्होंने कहा था कि भाजपा और आरएसएस ने देश के हर एक संस्थान पर कब्जा कर लिया है और कांग्रेस, भाजपा, आरएसएस और भारत (इंडियन स्टेट) के खिलाफ संघर्ष कर रही है। राहुल गांधी ने कहा था, मुझे नहीं लगता कि हम एक निष्पक्ष और नैतिक लड़ाई लड़ रहे हैं। इसमें कोई निष्पक्षता या नैतिकता नहीं है। अगर आप मानते हैं कि हम भाजपा या आरएसएस नामक किसी राजनीतिक संगठन से लड़ रहे हैं, तो आप समझ नहीं पाए हैं कि क्या हो रहा है। भाजपा और आरएसएस ने हमारे देश की हर संस्था पर कब्जा कर लिया है। इसलिए अब हम भाजपा, आरएसएस और इंडियन स्टेट से ही लड़ रहे हैं। राहुल गांधी के इस बयान का पूरे देश में विरोध हुआ था और इसे भारतीय राज्य के खिलाफ और राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बताया गया था।

आधार कार्ड...

चुनाव आयोग की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि आधार कार्ड को नागरिकता के सबूत के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस पर जस्टिस बागची ने भी साफ किया कि पासपोर्ट और जन्म प्रमाण पत्र को छोड़कर, चुनाव आयोग द्वारा सूचीबद्ध किए गए 11 दस्तावेज भी नागरिकता के सबूत नहीं माने जाएंगे।

चुनाव आयोग ने जिन दस्तावेजों को मान्यता दी है उनमें (1) केंद्र, राज्य सरकार एवं सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत कर्मियों के पहचान पत्र, पेंशन भुगतान आदेश, (2) एक जुलाई 1987 के पूर्व सरकारी, स्थानीय प्राधिकार, बैंक, पोस्ट ऑफिस, एलआईसी एवं पब्लिक सेक्टर उपक्रमों से जारी आई कार्ड, दस्तावेज, (3) सक्षम प्राधिकार से जारी जन्म प्रमाणपत्र, (4) पासपोर्ट, (5) मान्यता प्राप्त बोर्ड, विश्वविद्यालय से जारी मैट्रिक व अन्य शैक्षिक प्रमाणपत्र, (6) स्थायी आवासीय प्रमाणपत्र, (7) वन अधिकार प्रमाणपत्र, (8) सक्षम प्राधिकार द्वारा जारी ओबीसी/एससी/एसटी जाति प्रमाणपत्र, (9) राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां उपलब्ध हो), (10) राज्य/स्थानीय प्राधिकार द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर और (11) सरकार का कोई भूमि/मकान आवंटन प्रमाणपत्र शामिल है। अब उसमें 12वें नंबर पर आधार कार्ड भी शामिल हो गया है, लेकिन वह नागरिकता की पुष्टि नहीं करेगा और उसकी वैधता की जांच की जा सकती है।

नेता की...

पीठ ने कहा, हम बार-बार कह रहे हैं कि इस अदालत का इस्तेमाल राजनीतिक लड़ाई के लिए न करें। इसे खारिज किया जाता है। अगर आप एक नेता हैं, तो आपको मोटी चमड़ी रखनी चाहिए।

भाजपा की तेलंगाना इकाई ने मई 2024 में रेवंत रेड्डी के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी और आरोप लगाया था कि उन्होंने भाजपा के खिलाफ अपमानजनक और भड़काऊ भाषण दिया था। दावा किया गया कि सीएम रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना कांग्रेस के साथ मिलकर एक फर्जी और संदिग्ध राजनीतिक कहानी गढ़ी कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो वह आरक्षण खत्म कर देगी। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि कथित मानहानिकारक भाषण ने एक राजनीतिक दल के रूप में भाजपा की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है।

एक निचली अदालत ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि रेड्डी के खिलाफ तत्कालीन भारतीय दंड संहिता और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 125 के तहत मानहानि के कथित अपराधों के लिए प्रथम दृष्टया मामला बनता है। अधिनियम की धारा 125 चुनाव के संबंध में विभिन्न वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित है। रेड्डी ने निचली अदालत के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी और तर्क दिया कि शिकायत में लगाए गए आरोप उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनाते। उन्होंने तर्क दिया कि राजनीतिक भाषणों को मानहानि का विषय नहीं बनाया जा सकता। उच्च न्यायालय ने बाद में टिप्पणी की, भले ही यह न्यायालय यह स्वीकार कर ले कि शिकायतकर्ता भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय इकाई का सदस्य है और उसे भारतीय जनता पार्टी का सदस्य माना जा सकता है, फिर भी प्राधिकरण के अभाव में शिकायत विचारणीय नहीं है।

हाईकोर्ट ने कहा था कि न तो शिकायतकर्ता और न ही उसके प्रतिनिधि को भाजपा की राष्ट्रीय इकाई की ओर से शिकायत दर्ज करने के लिए अधिकृत किया गया था। हाईकोर्ट ने कहा, राजनीतिक भाषणों को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। यह आरोप लगाना कि ऐसे भाषण मानहानिकारक हैं, एक और अतिशयोक्ति है। रेड्डी की याचिका स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने निचली अदालत के आदेश और मामले से संबंधित कार्यवाही को रद्द कर दिया था।

संसद भवन में...

इस दौरान सुरक्षाबलों पर पथराव भी किया गया। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया। आंसू गैस के गोले छोड़े। पानी की बौछार की और कुछ जगहों पर फायरिंग भी की। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में 14 लोगों की मौत हो गई और 42 लोग घायल हो गए। काठमांडू के न्यू बानेश्वर और झापा जिले के दमक में सबसे ज्यादा हालात खराब हैं।

द हिमालयन टाइम्स के मुताबिक, न्यू बानेश्वर में हिंसक झड़पों के दौरान गोली लगने से घायल हुए प्रदर्शनकारी ने सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस समय कई घायल व्यक्तियों की पहचान अब भी ज्ञात नहीं है। दमक में प्रदर्शनकारियों ने दमक चौक से नगरपालिका कार्यालय की ओर मार्च किया, जहां उन्होंने नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का पुतला फूंका और कार्यालय के द्वार तोड़ने का प्रयास किया। हालात और न बिगड़ें, इसके लिए सेना को मोर्चे पर उतार दिया गया है।

न्यू बानेश्वर में प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में कुछ प्रदर्शनकारी घायल भी हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए एवरेस्ट अस्पताल, सिविल अस्पताल और आसपास के अन्य अस्पतालों में ले जाया गया है। कार्यकर्ता रोनेश प्रधान ने बताया कि हामी नेपाल संगठन ने प्रदर्शनकारियों को प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए मैतीघर में एक प्राथमिक चिकित्सा शिविर स्थापित किया है। प्रधान ने कहा, मैतीघर में छह से सात लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि ज्यादातर घायल एवरेस्ट अस्पताल में हैं।हालांकि, घायलों की सटीक संख्या की पुष्टि अब तक नहीं हुई है।

बताया गया कि सोमवार सुबह 9 बजे से प्रदर्शनकारी काठमांडू के मैतीघर में एकत्रित होने लगे। हाल के दिनों में नेपो किड और नेपो बेबीज जैसे हैशटैग ऑनलाइन ट्रेंड कर रहे हैं। सरकार की ओर से अपंजीकृत प्लेटफॉर्म्स को ब्लॉक करने के फैसले के बाद इसमें और तेजी आई है। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय के अनुसार, हामी नेपाल ने इस रैली का आयोजन किया था। इसके लिए पूर्व अनुमति ली गई थी। समूह के अध्यक्ष सुधन गुरुंग ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन सरकारी कार्रवाइयों और भ्रष्टाचार के विरोध में था। देश भर में इसी तरह के प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने छात्रों से भी अपनी यूनिफॉर्म पहनकर और किताबें लेकर प्रदर्शन में शामिल होने का आग्रह किया।

सरकार के मुताबिक, नेपाल में सोशल मीडिया कंपनियों को पंजीकरण के लिए 28 अगस्त से सात दिन का समय दिया गया था। बीते बुधवार को जब समय सीमा समाप्त हो गई, तब भी किसी भी बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म - जिसमें मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप), अल्फाबेट (यूट्यूब), एक्स (पूर्व में ट्विटर), रेडिट और लिंक्डइन शामिल थे, पंजीकरण नहीं कराया। जिसके बाद सरकार ने गुरुवार से इन कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया। सरकार का कहना है कि फर्जी आईडी से जुड़े यूजर्स इन प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल नफरत फैलाने, अफवाहें फैलाने और साइबर अपराधों के लिए कर रहे थे। इससे समाज में अशांति और असामाजिक गतिविधियां बढ़ रही थीं।

मटन नहीं तो...

एसोसिएशन के महासचिव मेहराजुद्दीन गनई ने बताया कि स्थिति चिंताजनक हो गई है और अगर एक दिन के भीतर घाटी में पशुओं की आपूर्ति नहीं पहुंची, तो मंगलवार से मटन की उपलब्धता शून्य हो जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों में फंसे हुए ट्रकों में कम से कम 400 भेड़ें मर चुकी हैं। इन मौतों का कारण लंबे समय तक ट्रकों का रुकना, भोजन और पानी की कमी और वाहनों के अंदर दम घुटना बताया गया है। सरकार का कहना है कि आवश्यक आपूर्ति मुगल रोड के रास्ते की जा रही है, लेकिन डीलरों का आरोप है कि यातायात पुलिस नियमों का उल्लंघन कर रही है और अनावश्यक रुकावटें पैदा कर रही है। गनई का कहना था कि लखनपुर से ही ट्रकों को नौशहरा, सुरनकोट और पुंछ सहित कई जगहों पर रोक दिया जाता है। उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति देने से पहले कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है, जिससे बड़ी संख्या में मवेशियों की मौत हो जाती है और आर्थिक नुकसान होता है।

उन्होंने कहा कि भेड़-बकरियों से लदे ट्रक कई जगहों पर लगातार तीन-चार दिनों तक फंसे रहते हैं। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि बार-बार अनुरोध करने के बावजूद अधिकारी सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं। मटन डीलर्स एसोसिएशन ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप करने और पशुओं के ट्रकों की कश्मीर में बिना किसी परेशानी के आवाजाही सुनिश्चित करने की अपील की है ताकि और नुकसान को रोका जा सके और बाजार में आपूर्ति स्थिर रहे।

जनता से...

तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने सांसदों को सरकारी योजनाओं का प्रचार करने स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने और संसदीय समितियों में सक्रिय रहने की सलाह दी। पीएम मोदी ने इस कार्यशाला के जरिए भाजपा सांसदों को कई निर्देश दिए कि वे क्या करें और क्या न करें। पीएम मोदी ने सांसदों से संसदीय समितियों की बैठकों में सक्रिय रहने को कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सांसदों को खेल महोत्सव में अधिक से अधिक भाग लेना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा कि सांसद जनता से लगातार जुड़े रहें, खासकर ग्रामीण इलाकों में जाकर जागरूकता फैलाएं। उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग बैन का उदाहरण देते हुए कहा कि जानकारी की कमी के कारण ग्रामीण परिवार परेशान होते हैं। सांसदों को सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों पर नज़र रखनी चाहिए ताकि मदद सही हाथों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसदों से कहा कि वे समिति की रिपोर्ट ध्यान से पढ़ें और सत्र की तैयारी गंभीरता से करें। उन्होंने सरकारी अधिकारियों से टकराव से बचने की सलाह दी और कहा कि वे संसाधन हैं, दुश्मन नहीं हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि ग्रामीण और शहरी समस्याओं को अलग-अलग समझने की ज़रूरत है। उन्होंने सिंगापुर का उदाहरण देते हुए कहा कि एकजुट प्रयास से देश नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। स्वच्छता अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल फंडिंग नहीं, बल्कि अनुशासन और सतत प्रयास का विषय है। इस सत्र में युवा और अनुभवी दोनों तरह के सांसद मौजूद रहे।

कुलगाम में ....

सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम द्वारा आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके में तलाशी अभियान शुरू करने के बाद मुठभेड़ शुरू हुई। सेना के चिनार कोर ने बताया कि सीमा सुरक्षा बलों की जवाबी फायरिंग में दो आतंकवादी मारे गए हैं। सेना के एक जूनियर कमीशन अधिकारी समेत चार घायल जवानों में से दो की जान चल गई है। फिलहाल आतंकियों की तलाशी का अभियान जोर शोर से जारी है। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी फायरिंग की। घायल जवानों को पास के अस्पताल में भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों ने कासो (घेराबंदी और तलाशी अभियान) शुरू किया था।

अधिकारी ने बताया कि जैसे ही संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान के पास पहुंची, छिपे हुए आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका जवाबी कार्रवाई में जवाब दिया गया, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि आखिरी रिपोर्ट आने तक गोलीबारी जारी थी, जबकि इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजा गया है। दूसरी ओर सीमा सुरक्षा बलों ने देर रात जम्मू जिले के आरएस पुरा सेक्टर में एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ कर्मियों ने कल देर रात एक सीमा स्तंभ के पास कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखीं और उसके बाद एक पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने बताया कि फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार युवक सिराज खान (16 वर्ष) पुत्र जाहिद खान ने बताया कि वह पाकिस्तान में गांव 27 चक तहसील भलवाल, जिला सरगोधा, पंजाब (पाकिस्तान) का रहने वाला है। तलाशी में उसके पास से पाकिस्तानी 30 रुपए बरामद हुए हैं।

दुर्गम क्षेत्र में...

पूरी रेल पटरी घने जंगल से होकर गुजरती है जिसमें खड़ी पहाड़ियां और गहरी खाइयां हैं। 70 मीटर से अधिक और 114 मीटर तक की अधिकतम ऊंचाई वाले छह ऊंचे पुल हैं। प्रतिकूल भूगर्भीय परिस्थितियों में 45 सुरंगें हैं, सभी सुरंगों में बलास्ट रहित ट्रैक का निर्माण किया गया है। कुल 45 सुरंगें हैं, जिनकी कुल लंबाई 15.885 किमी है। उसमें सबसे लंबी सुरंग 1.868 किलोमीटर है। दुर्गम भौगोलिक स्थिति और भारी मानसून के कारण अप्रैल से अक्टूबर तक रेल ट्रैक के निर्माण का काम रुका रहा। यह मार्ग पहाड़ी इलाकों, गहरी घाटियों और घाटियों से होकर गुजरती है, जिसके लिए सुरंगों और ऊंचे पुलों, पुलों के निर्माण की आवश्यकता होती है। अस्थिर कमजोर चट्टानें (शेल, सिल्टस्टोन और बलुआ पत्थर) जिनमें त्रुटी, दरारें और पानी का प्रवेश होने से धराशाई होती रहती हैं। ऐसी दुर्गम स्थिति में परियोजना की कामयाबी अत्यंत सराहनीय है।

इस परियोजना के होने से मिजोरम के आइजोल जिले को पहली बार रेल कनेक्टिविटी मिलेगी और यह राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा। कोलासिब और आइजोल निवासियों के लिए आसान, कुशल और सस्ती यात्रा हो जाएगी। सिलचर, गुवाहाटी और दिल्ली जैसे शहरों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा केंद्रों तक लोगों की बेहतर पहुंच हो जाएगी। इसके अलावा मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम हो जाएगी, जिससे इस क्षेत्र में व्यापार और लॉजिस्टिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

आईआरसीटीसी ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मिजोरम के साथ अगस्त 2025 में दो वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। योजनाओं में गुवाहाटी से आगे पूर्वोत्तर की खोज के तहत एक स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन शामिल है, जिसमें आइजोल एक प्रमुख गंतव्य होगा। सहयोग में संयुक्त प्रचार, आसान ट्रैवेल लॉजिस्टिक्स और क्यूरेटेड यात्रा कार्यक्रम शामिल हैं। पर्यटन विकास से आतिथ्य, गाइडिंग और होटल में स्थानीय नौकरियों का सृजन होगा। पर्यटकों की संख्या में वृद्धि से हस्तशिल्प, वस्त्र और कृषि जैसे स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा।

बंगाल में रेत...

जहीरुल के आवास, कार्यालय और वाहनों की तलाशी ली गई है। जहीरुल पर अवैध रेत खनन और इसके व्यापार में शामिल होने का आरोप है। ईडी ने शेख जहीरुल के ठिकाने से भारी मात्रा में नकदी जब्त की गई है। शेख जहीरुल कई रेत खदानों का मालिक है। जहीरुल ने ग्राम पुलिस में काम किया और रेत खनन के काम में शामिल होने से पहले साइकिल मैकेनिक का काम भी किया। ईडी ने शेख जहीरुल के अलावा उनसे जुड़े कई अन्य लोगों के ठिकानों पर भी छापेमारी की। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि यह छापेमारी अभियान अवैध रेत व्यापार से जुड़े वित्तीय नेटवर्क का पर्दाफाश करने पर फोकस है। ईडी को शक है कि इस रैकेट ने बड़ी मात्रा में धन विभिन्न बीमा कंपनियों और व्यावसायिक उपक्रमों में लगाया है।

ईडी के अधिकारियों ने कोलकाता में एक खनन कंपनी के बेहाला और साल्ट लेक सेक्टर-5 स्थित कार्यालयों की तलाशी ली। ईडी अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान कई बैंक खाते और अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। कंपनी के खातों की भी जांच की जा रही हैं और कर्मचारियों से पूछताछ हो रही है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 09 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

ईसीआईएल ने एम्स दिल्ली को सीएसआर पहल के तहत आरओ वॉटर बॉटलिंग प्लांट सौंपा

नई दिल्ली/हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीए-सआर) पहल के तहत अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली को एक आरओ वॉटर बॉटलिंग प्लांट भेंट किया है। यह संयंत्र सोमवार, 08 सितंबर 2025 को एक औपचारिक समारोह में एम्स को सौंपा गया।

समारोह के दौरान, ईसीआईएल के तकनीकी निदेशक डॉ. अनेश कुमार शर्मा ने एम्स निदेशक डॉ. श्रीनिवास एम की उपस्थिति में यह प्लांट सौंपा। अपने संबोधन में, डॉ. शर्मा ने बताया कि ईसीआईएल का लक्ष्य अपने सीएसआर कार्यक्रमों के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा देना है।

यह पहली बार नहीं है जब ईसीआईएल ने एम्स को सहायता दी है। डॉ. शर्मा ने यह भी बताया कि कंपनी ने इस वर्ष की शुरुआत में एम्स को 50 व्हीलचेयर और 50 पेशेंट स्ट्रेचर भी दान किए थे। उन्होंने कहा कि इन सभी पहलों का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों का उत्थान और राष्ट्र की सेवा करना है।

एम्स के निदेशक डॉ. श्रीनिवास एम ने इस सहयोग के लिए ईसीआईएल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सहयोग मरीजों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं को पूरा करने में सहायक होगा। डॉ. श्रीनिवास ने ईसीआईएल से भविष्य में भी अस्पताल के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में सहयोग जारी रखने का आग्रह किया।

इस समारोह में कई प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे, जिनमें ब्रिगेडियर राहुल मलिक (सेवानिवृत्त), कर्नल रोहित मेहरोत्रा, डॉ. पी. वेणु बाबू, हेमंत कुमार सिंह और सुनील कुमार जे. शामिल थे। यह पहल स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है और कॉर्पोरेट जगत की सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाती है।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ

विविध प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

हैदराबाद, 8 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीए-सआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य वैज्ञानिक डॉ. गंगाग्नि राव ने रूस के विज्ञान एवं उच्च शिक्षा उप मंत्री श्री कॉन्स्टेंटिन मोगिलेव्स्की के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए कहा कि रूस में हिंदी सीखने के प्रति रुचि बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि हिंदी सीखने वाले छात्रों के लिए व्यापार, व्यवसाय और अन्य सेवाओं में अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि हिंदी अब देश की सीमाओं से परे वैश्विक स्तर पर व्यापार और व्यवसाय की भाषा बन रही है। साथ ही, विकसित भारत की परिकल्पना भारतीय संस्कृति और भाषा के बिना अधूरी है।संस्थान के प्रशासन नियंत्रक एम. आनंद कुमार ने कहा कि राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए भारत सरकार की नीति प्रोत्साहन और प्रेरणा (Learning with incentive and inspiration) पर आधारित है। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि इसमें 'मनोरंजन' का तड़का भी जोड़ा गया है, ताकि लोग आनंदपूर्वक हिंदी सीखें और इसका उपयोग करें।

इस अवसर पर संस्थान के प्रशासन अधिकारी श्यामसुंदर पी., अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार और हिंदी अनुवादक आदर्श कुमार ने किया।

पखवाड़े के दौरान सितंबर माह में निबंध लेखन, वाक् प्रतियोगिता, चित्र एक कथा अनेक, लघु फिल्म निर्माण, पुस्तक समीक्षा, समाचार वाचन, टंकण, नोटिंग-ड्राफ्टिंग और प्रश्नोत्तरी जैसी कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। साथ ही, वर्ष भर में हिंदी शब्दों का अधिक उपयोग करने वाले और इन प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को निदेशक एवं हिंदी सेवियों द्वारा पुरस्कृत और सम्मानित किया जाएगा।

एसएलबीसी की बैठक में तेलंगाना में बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा

हैदराबाद, 8 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) ने सोमवार को प्रजा भवन, हैदराबाद में अपनी 46वीं तिमाही समीक्षा बैठक का आयोजन किया, जिसमें जून 2025 को समाप्त हुई तिमाही के लिए राज्य के बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा की गई।

इस बैठक में तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री और वित्त एवं योजना मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू, वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुलतानिया, कृषि सचिव एम. रघुनादन राव, भारतीय रिज़र्व बैंक की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती रुचि अस्थाना श्रीनिवास हनुमंकर, नाबार्ड के सीजीएम श्री उदय भास्कर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, हैदराबाद सर्कल के सीजीएम, श्री सहदेवन राधाकृष्णन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में बैंकों के प्रदर्शन का विवरण प्रस्तुत किया:

उन्होंने कहा कि कुल जमा राशि: जून 2025 तक कुल जमा राशि 8,64,312 करोड़ रुपये रही, जिसमें तिमाही के दौरान 23,883 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। कुल अग्रिम 10,93,382 करोड़ रुपये रहे, जिसमें तिमाही के दौरान 12,021 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। सीडी अनुपात 126.50% पर बना रहा, जो 100% से ऊपर है।

उन्होंने कहा कि बैंकों ने खरीफ लक्ष्यों का 32.73% हासिल करते हुए 17,577 करोड़ रुपये के अल्पकालिक फसल ऋण वितरित किए। कृषि से संबंधित गतिविधियों के लिए 23,473 करोड़ रुपये का निवेश ऋण दिया गया, जो लक्ष्य का 30.96% है।

एमएसएमई: 68,033 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया, जो लक्ष्य का 33.42% है।

शिक्षा और आवास ऋण: शिक्षा के लिए 110.25 करोड़ और आवास के लिए 1407.27 करोड़ रुपये के ऋण दिए गए।

कुल प्राथमिकता क्षेत्र: विभिन्न क्षेत्रों में 1,11,768 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया, जो लक्ष्य का 28.79% है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत 128.07 लाख खाते खोले गए, जिनमें से 83.18% आधार से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के तहत भी बड़ी संख्या में ग्राहकों को कवर किया गया है।

उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने बैंकों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें इस वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों को भी हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बैंकों से व्यावसायिक लक्ष्यों के साथ-साथ सामाजिक लक्ष्यों को भी मानवीय दृष्टिकोण के साथ पूरा करने की सलाह दी। उन्होंने कृषि, कमजोर वर्गों और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को अधिक ऋण देने पर जोर दिया। उन्होंने बैंकों से इंदिरम्मा हाउसिंग योजना में सक्रिय रूप से भाग लेने और 4.50 लाख घरों के निर्माण के लिए लाभार्थियों को ऋण देने की अपील की।

कृषि सचिव एम. रघुनादन राव ने कृषि क्षेत्र में बैंकों की भूमिका पर जोर दिया, जबकि वित्त विभाग के प्रधान सचिव श्री संदीप कुमार सुलतानिया ने प्राथमिकता क्षेत्र ऋण को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया, विशेषकर एमएसएमई, शिक्षा और आवास क्षेत्रों में।

बैठक का समापन एसबीआई तेलंगाना के डीजीएम,प्रियब्रत मिश्रा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

युवाओं में श्री अन्न क्रांति को बढ़ावा देने के लिए भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया

हैदराबाद, 8 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), हैदराबाद ने श्री अन्न प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन में नवीनतम प्रगति नामक एक पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से तेलंगाना के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की 30 छात्राओं और शिक्षकों के लिए आयोजित किया गया है, जो 8 से 12 सितंबर 2025 तक चलेगा।

डॉ. जी श्याम प्रसाद, प्रभारी निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, ने उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। अपने संबोधन में उन्होंने पोषक अनाज के रूप में श्री अन्न के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि श्री अन्न पोषण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलेपन और आजीविका के अवसरों में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने छात्रों को कृषि और विशेष रूप से श्री अन्न के प्रति वैज्ञानिक रुचि विकसित करने के लिए प्रेरित किया।प्रशिक्षण कार्यक्रम के निदेशक, डॉ. ए श्रीनिवास, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को श्री अन्न प्रसंस्करण तकनीकों, मूल्यवर्धित उत्पाद विकास और उद्यमिता के अवसरों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। इसका लक्ष्य छात्रों और शिक्षकों में श्री अन्न के प्रति जागरूकता और क्षमता निर्माण करना है।एनसीईआरटी-पीएसवी सीआईवीई, भोपाल के प्रोफेसर डॉ. रविचंद्रन, जो प्रशिक्षण के पर्यवेक्षक भी हैं, ने स्कूल स्तर पर कौशल-आधारित शिक्षा को व्यावसायिक शिक्षा में शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे छात्र कृषि-खाद्य उद्यमिता में भविष्य के करियर के लिए तैयार होंगे।

इस प्रशिक्षण के दौरान, प्रतिभागियों को उन्नत प्रसंस्करण तकनीकों, उत्पाद विविधीकरण, मूल्य श्रृंखला के अवसरों और श्री अन्न के पोषण संबंधी महत्व से अवगत कराया जाएगा। यह कार्यक्रम भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की युवा पीढ़ी को 'श्री अन्न क्रांति' में शामिल करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नामपल्ली पर राधे राधे ग्रूप द्वारा किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रूप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265 के पास पितृ पक्ष की एकम के उपलक्ष्य पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, मनोज शर्मा, नंदकिशोर अग्रवाल, संजय अग्रवाल, साविता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल और अन्य शामिल हैं।

बोनाला श्रीनिवास ने एमबीबीएस सीट हासिल करने पर दी बधाई

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष, बोनाला श्रीनिवास ने अपने बचपन के मित्र नदीम की पुत्री को एमबीबीएस सीट मिलने पर बधाई दी है। इस खास मौके पर, बोनाला श्रीनिवास ने अपने अन्य दोस्तों के साथ मिलकर छात्रा और उसके परिवार के प्रति अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह सफलता न केवल परिवार के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वह चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी और समाज की सेवा में अपना योगदान देगी।

यह बधाई समारोह दोस्तों के आपसी स्नेह और एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होने की भावना को दर्शाता है।

चूड़ीबाजार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मुकेश कुमार सोनी के आवास पर स्थापित गणेश प्रतिमा का आज विसर्जन किया गया। इस अवसर पर उनके परिवार के सदस्यों और दोस्तों ने मिलकर भगवान गणेश को धूमधाम से विदाई दी।
विसर्जन यात्रा में मुकेश कुमार सोनी के साथ उनके परिवार के सदस्य, जिनमें जेठमल सोनी, कांता देवी सोनी, प्रियंका सोनी, जय श्री सोनी, सुरेश कुमार सोनी, अभिषेक सोनी, जय लक्ष्मी सोनी, धनलक्ष्मी सोनी और कड़ेल परिवार के सदस्य शामिल थे।

श्री आईजी गौशाला में सोमवार को महिला मंडल कीसरा की ओर से भजन संध्या तथा एक दिन का घास की व्यवस्था की गई। चंद्रग्रहण के बाद आईजी गौशाला का दर्शन करने पधारे स्वामी नारायण गुरुकुल के छात्र।

डॉ. कोमाटिरेड्डी गोपाल रेड्डी को सर्वश्रेष्ठ पर्यावरणविद् पुरस्कार

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और समाज सेवा के क्षेत्र में अपने अनूठे योगदान के लिए प्रसिद्ध शिक्षाविद् और पर्यावरणविद् डॉ. कोमाटिरेड्डी गोपाल रेड्डी को प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ पर्यावरणविद् पुरस्कार – 2025 से सम्मानित किया गया है। यह घोषणा तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम के राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने की है।

पिछले 25 वर्षों से, डॉ. रेड्डी पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और ओज़ोन परत सुरक्षा के प्रयासों में लगे हुए हैं। उन्होंने देशभर में जागरूकता रैलियों, सेमिनारों, कार्यशालाओं और स्कूल–कॉलेजों में आउटरीच अभियानों के माध्यम से युवाओं और छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक

किया है।

तेलंगाना के पूर्व हरित राजदूत, राष्ट्रीय पर्यावरण सलाहकार और लोटस लैप ग्रुप ऑफ़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष के रूप में, डॉ. रेड्डी सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक प्रेरणादायक शक्ति रहे हैं। उनके इन प्रयासों का सम्मान करते हुए, इस वर्ष का पुरस्कार उन्हें 16 सितंबर, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय ओज़ोन परत संरक्षण दिवस के अवसर पर एक शॉल, स्मृति चिन्ह, पुष्पांजलि और प्रशस्ति पत्र के साथ प्रदान किया जाएगा।

डॉ. रेड्डी को दिसंबर 2023 में संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित ग्रीनिंग एजुकेशन हब – (एर्थ), जायद की भूमि की विरासत उजझ 28 कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधि बनने का सम्मान भी मिला है, जहाँ उन्होंने जलवायु परिवर्तन से संबंधित पहलों पर अपने विचार व्यक्त किए।

मानवाधिकार संरक्षण, वंचितों के लिए शिक्षा और बाल श्रम उन्मूलन में भी उनका योगदान उल्लेखनीय है। रैलियों, संगोष्ठियों और प्रतियोगिताओं के आयोजन में उनके नेतृत्व को अनेक पुरस्कार मिले हैं, जिनमें पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल द्वारा दिया गया राष्ट्रीय पुरस्कार भी शामिल है। वे वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर और सामुदायिक कल्याण कार्यक्रमों में भी सक्रिय हैं और अनेक वंचित परिवारों की मदद की है।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने हाल ही में नलगोंडा, खम्मम और वारंगल से शिक्षक एमएलसी पद के लिए चुनाव लड़ा है, अपनी सेवा भावना का प्रदर्शन किया है। डॉ. रेड्डी का सामाजिक कार्य और शिक्षण क्षेत्र में योगदान उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पुरस्कारों से नवाजा गया है।

तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम ने कहा है कि यह पुरस्कार डॉ. रेड्डी की निस्वार्थ सेवा, पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण और समाज के विकास में किए गए उनके प्रयासों का सम्मान है।

बेगम बाजार पर राधे राधे ग्रुप द्वारा किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रूप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गौशाला के समीप पितृ पक्ष की एकम के उपलक्ष्य पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोशनीवाल, राजेश सर, अनिल भाई, गोविंद राम जी, सुनील भाई, अरुण भाई,नीलम विजयवर्गी, लता गोयल, मीना अग्रवाल, मुकेश केडिया, मनोज शर्मा, आशीष, किशन पाल आदि उपस्थित थे।

बालाजी फ्रेंड्स एसोसिएशन, चारकामन, हैदराबाद के सदस्यों ने टैंकबंड में गणेश विसर्जन के लिए प्रस्थान करने से पहले भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष नितेश अग्रवाल ने चारमीनार इंस्पेक्टर चंद्रशेखर का शॉल ओढ़ाकर स्वागत और सम्मान किया। इस दौरान नित्य पारीक, बरखा वर्मा और अन्य भक्त भी उपस्थित थे, जो भक्ति और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

रसूलपुरा जैन संघ में जीवदया महोत्सव का भव्य आयोजन

500 से अधिक जीवों को मिला अभयदान

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ श्वेतांबर जैन संघ, रसूलपुरा में पूज्य भावरत्नश्रीजी म.सा. के 69वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य जीवदया महोत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भावरत्नाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा–08 की मंगलमयी उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत ट्रस्टियों और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में रमेश पी. तातेड एवं अविनाश भंडारी ने बताया कि इस अवसर पर 50 गौमाताओं, 108 बकरों–बकरियों और 500 पक्षियों (कबूतर, तोता, चिड़िया आदि) को अभयदान प्रदान किया गया। पिंजरों में बंद पक्षियों को आजाद कर खुले आसमान में उड़ाया गया। गौमाताओं को गौशाला भेजा गया, जबकि बकरों–बकरियों को गुजरात के विरमगाम स्थित पांजरापोल भेजा गया।इस प्रेरणादायक आयोजन में मुनि श्री अभिनन्दनसागरजी महाराज, साध्वी श्री भावरत्नाश्रीजी महाराज, बीएप–ीएस स्वामीनारायण मंदिर के आत्मचिंतनदास स्वामीजी और तिरुमला तिरुपति देवस्थान हिन्दू धर्म प्रचार बोर्ड के सदस्य स्वामी कमलेश महाराज सहित कई संत और समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस महोत्सव को सफल बनाने में संघाध्यक्ष संघवी निर्मल कोठारी और मंत्री सुधीर आर कोठारी का मार्गदर्शन रहा। साथ ही, सुरेंद्र भंडारी, हितेश श्रीश्रीश्रीमाल, विक्रम भंडारी और निकेश श्रीश्रीमाल ने भी इसमें सहयोग किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जीवदया प्रेमी मौजूद थे, जिससे पूरा माहौल भावपूर्ण और प्रेरणादायी बन गया।

अत्तापुर मेंगणेश विसर्जन का भव्य दृश्य देखने को मिला, जहाँ लक्ष्मी राम हरण और उनके मित्र पवन कुमार अग्रवाल ने मिलकर भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया।

माता रानी का 17वां विशाल जागरण 27 को

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। धूलपेट नवरात्रि उत्सव समिति रहीमपूरा के तत्वावधान में माता रानी का 17वां विशाल जागरण इस वर्ष नवरात्रि व दशहरा के पावन अवसर पर शनिवार, 27 सितंबर को रात्रि 8:01 बजे प्रारंभ होगा। यह भव्य कार्यक्रम डा. अंबेडकर भवन, पुरानापुल, रहीमपुरा, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम की शुरुआत माता रानी की आरती से होगी, जिसमें श्रद्धालु भक्तों का विशाल संगम देखने को मिलेगा। इस जागरण में कई प्रसिद्ध भजन गायक भाग लेंगे, जिनमें विजय जाजू (जय भवानी कीर्तन मण्डल, भाग्यनगर), ठाकुर रवि सिंह, एस. राजन कुमार, और तारा रानी कथा वाचक अनूप कुमार शामिल हैं। खास बात यह है कि दिल्ली से पधारने वाले नृत्य कलाकार मोंटी नटराजन अपने ग्रुप के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

इस उपलक्ष्य में आज समिति कार्यालय में एक महत्वपूर्ण सभा का आयोजन किया गया, जिसमें जागरण के आयोजन और विषय पर विचार–विमर्श किया गया। सभा में ढ जितेंद्र सिंह, श्रीधर बाबू, के. सत्यनारायण, निर्मेश सिंह, ठाकुर विपिन राज सिंह, रविंदर सिंह लोध, ठाकुर सचिन राज सिंह, पी. कृष्णा, सतीश, नितिन, रघु सिंह, सदाशिव ठाकुर, कुलदीप सिंह सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।इस भव्य आयोजन का उद्देश्य श्रद्धालुओं में भक्तिमय माहौल बनाना एवं माता रानी के दर्शन का सुख प्रदान करना है। यह जागरण श्रद्धालुओं के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित होगा।

पितृ पक्ष के अवसर पर मां दुर्गा कृपा संस्था द्वारा अन्न प्रसाद वितरण

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पितृ पक्ष के पावन अवसर पर मां दुर्गा कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सोमवार को दूसरे दिन, दूज के श्राद्ध के उपलक्ष्य में अन्न प्रसाद वितरण की सेवा आयोजित की गई। इस सेवा के अंतर्गत लगभग 200 लोगों को भोजन परोसा गया।

संस्था के संस्थापक विनय किशोर तायल ने बताया कि यह

सेवा समाज में उन अतृप्त आत्माओं के लिए आयोजित की जा रही है, जो भूख से भटकती हैं। इस कार्य के माध्यम से पितृ गण का आह्वान किया जा रहा है, ताकि उनका सूक्ष्म रूप में आशीर्वाद प्राप्त हो। उन्होंने आगे कहा कि यह कार्य उनकी बुआ जी और सोनसार बाबा जी की प्रेरणा से किया जा रहा है, जिनके आशीर्वाद से यह सेवा सफलतापूर्वक संपन्न हो रही है।

हिंदी शिक्षक कमलेकर नागेश्वर राव 'कमल' को मिला डॉ. सीताकिशोर खरे स्मारक साहित्य साधक पुरस्कार

दतिया (मध्यप्रदेश), 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित भव्य हिंदी महोत्सव एवं कवि सम्मेलन में तेलंगाना राज्य के नागरकर्नूल जिले के वेलदंडा मंडल स्थित जिला परिषद उच्च विद्यालय के हिंदी शिक्षक श्री कमलेकर नागेश्वर राव 'कमल' को उनकी उत्कृष्ट साहित्यिक साधना और काव्य प्रतिभा के लिए डॉ. सीताकिशोर खरे स्मारक साहित्य साधक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उन्हें आदित्य संस्कृति मासिक पत्रिका के तत्वावधान में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया, जिसमें देशभर के 19 राज्यों से आए प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने भाग लिया। हिंदी दिवस (14 सितंबर) के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में श्री राव ने अपनी प्रभावशाली कविता प्रस्तुत कर कवि–मंडली और श्रोताओं की भरपूर सराहना प्राप्त की।

सम्मेलन में मध्यप्रदेश के पूर्व गृहमंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा, आदित्य संस्कृति पत्रिका के संपादक श्री जगत शर्मा, तथा मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक श्री विकास दवे ने श्री राव को स्मृति–चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

इस उपलब्धि पर हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव, विशेष अधिकारी श्रुतिकांत भारती, सचिव गैबुवली, परीक्षा विभाग के सुरेश पुरी सहित अन्य कर्मचारियों ने श्री राव को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

संख्या: सी/ई-नीलामी कैटलॉग/एससी/2025-26

PUB/1094/25

कृते व भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत दक्षिण मध्य रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल द्वारा वाणिज्यिक आय और गैर-किराया राजस्व अनुबंधों के लिए ई-नीलामी आमंत्रित करते हैं। इसके अनुसार, सिकंदराबाद मंडल ने निम्नलिखित श्रेणियों के लिए ई-नीलामी की प्रक्रिया शुरू की है, जिसे वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर अधिसूचित किया गया है।

क्र. सं.	श्रेणी	कैटलॉग संख्या	नीलामी शुरू होने की तिथि और समय	संबंधित स्टेशन / ट्रेन	नीलामी विवरण
1	पार्सल	SCPARCE	10 सितंबर 2025 12:00	12734, 12774, 07030, 12706 and 17007/08	एसएलआर कोच संख्या 12734, 12774, 07030, 12706 और पार्सल वैन संख्या 17007/08 में पार्सल स्पेस।
2	पार्किंग	PRKG-F 08-25-29	10 सितंबर 2025 12:30	SC, PRS, JET, SNF	**सिकंदराबाद पीआरएस कॉम्प्लेक्स, जेम्स स्ट्रीट और सनतनगर** रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग अनुबंध।
3	पार्किंग	PRKG-B 09-25-30	12 सितंबर 2025 12:30	SC	**सिकंदराबाद** स्टेशन पर एमएलसीपी पीएफ 10 की ओर स्थित पार्किंग लॉट (एक्सेस कंट्रोल्ड)।
4	विज्ञापन	SC-ADVTS-MIXED	15 सितंबर 2025 12:00	ACROSS SC DIVN, LPI, BIDR, JET, MABD, MCI, KMT, BDCR, CHZ	1. सिकंदराबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर लिफ्ट के अंदर विनाइल रैपिंग के माध्यम से स्टेटिक विज्ञापन के लिए अनुबंध। 2. मंचिर्याल रेलवे स्टेशन पर गैर-डिजिटल विज्ञापन प्रदर्शन के लिए अनुबंध। 3. लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग क्षेत्र में डिजिटल मीडिया के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों का प्रदर्शन। 4. जेम्स स्ट्रीट (जेईटी) रेलवे स्टेशन के पास और आसपास पाँच स्थानों पर रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) पर स्टेटिक मीडिया (ओओएच) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों के लिए अनुबंध। 5.बिदर रेलवे स्टेशन के पास रोड अंडर ब्रिज पर विज्ञापन के लिए अनुबंध। 6. चार्लापल्ली रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग क्षेत्र में बि-पोल होर्डिंग (स्टेटिक) और लॉलीपॉप (स्टेटिक मीडिया) के माध्यम से विज्ञापन के लिए अनुबंध। 7. बीदर रेलवे स्टेशन के पास किमीऑ नंबर 66/2-3 पर रोड अंडर ब्रिज 8. मंचिर्याल रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग क्षेत्र के भीतर वाणिज्यिक स्टेटिक विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए अनुबंध। 9. खम्मम रेलवे स्टेशन के पास लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 104 पर और भद्राचलम रोड पर रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) पर होर्डिंग और बोर्ड (स्टेटिक मीडिया) के माध्यम से विज्ञापन के लिए अनुबंध। 11. वारंगल स्टेशन पर स्केच में उल्लिखित आरयूबी पर आउट ऑफ होम स्टेटिक होर्डिंग, डिजिटल एलईडी बोर्ड, वॉल पेंटिंग आदि के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों के लिए अनुबंध।
5	विविध (स्टेटिक)	SC-EV-BS-HFZ	15 सितंबर 2025 13:00	HFZ	हाफिजपेट रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिकल व्हीकल चार्जिंग स्टेशन के लिए अनुबंध।
6	पार्किंग	PARK-C 09-25-31	17 सितंबर 2025 12:00	BG, HTCY, FNB	भोंगीर, हाईटेक सिटी और फतेह नगर ब्रिज रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग अनुबंध।
7	पे एंड यूज़	SC-ACWH-TOI-25	17 सितंबर 2025 13:00	SC, HYB	1.सिकंदराबाद स्टेशन (5 ब्लॉक) पर 182 दिनों के लिए पे एंड यूज़ शौचालय अनुबंध। 2.हैदराबाद रेलवे स्टेशन पर 365 दिनों के लिए क्लॉक रूम अनुबंध। 3.सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर पीएफ 10 पर 365 दिनों के लिए प्रीपेड एसी वेटिंग हॉल अनुबंध।
8	एम पी एस	SCMPS-A 09-25-11	18 सितंबर 2025 12:00	HYB, KZJ, WL	हैदराबाद, काजीपेट और वारंगल रेलवे स्टेशनों पर मल्टी पर्पस स्टॉल अनुबंध।
9	कैटरिंग	SC-CATG -14-2025	22 सितंबर 2025 14:00	GT, SEM, MMZ, PDPL, SKP, SKZR, JMKT, HTCY, LPI	घाटकेसर, सेडम, मंदामर्री, पेद्दापल्ली, शंकरपल्ली, नेकोंडा, सिरपुरकागजनगर, जम्मिकुंटा, हाईटेक सिटी और लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशनों पर कैटरिंग स्टॉल अनुबंध।
10	विविध (स्टेटिक)	SC-RCR-013	21 अक्तूबर 2025 14:00	FZGH, NLRD, HTCY	फिरोजगुडा, नेकलेस रोड और हाईटेक सिटी स्टेशनों पर रेल कोच रेस्टोरेंट की स्थापना और इंस्टॉलेशन के लिए अनुबंध।

इच्छुक पक्ष और ठेकेदार कृपया इसका संज्ञान लें और ई-नीलामी नोटिस के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए ऊपर उल्लिखित वेबसाइट देखें। पूछताछ या स्पष्टीकरण के लिए, कृपया नीचे दिए गए अधिकारी के कार्यालय से संपर्क करें।

A1374 **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / सिकंदराबाद**

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, PUNAM DEVI Spouse of Service No. 6947396F Hav JITENDRA KUMAR, Resident of Post:Barauli, Dist:Bhojpur, Bihar-802207 have changed my name from PUNAM DEVI to PUNAM KUMARI vide affidavit dt:08-09-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary,Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, RATNAMANIKYAM Mother of Service No. 15690464A Hav SUBBA RAO BETU, Resident of H.No.3-65, B C Colony, Nidamarru, Chanamilli, Dist:West Godavari, Andhra Pradesh-534198 have changed my name from RATNAMANIKYAM to BETHU RATNA MANIKYAM vide affidavit dt:08-09-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, SATYANARAYANA Father of Service No.15690464A Hav SUBBA RAO BETU, Resident of H.No.3-65, B C Colony, Nidamarru, Chanamilli, Dist:West Godavari, Andhra Pradesh-534198 have changed my name and DOB from SATYANARAYANA, DOB:01-07-1964 to BETHU VENKATA SATYANARAYANA, DOB:01-01-1956 vide affidavit dt:08-09-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, MUNTAJ BEE Mother of Service No. 15811592H Nk SHAIK MALIBASHA, Resident of H.No.6-18/A, B C Colony, Vill:Ayyavari Kodur, PO:Bandi Atmakur, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518523 have changed my name and DOB from MUNTAJ BEE, DOB:15-08-1957 to SHAIK MUNTAJ BEE, DOB: 14-10-1955 vide affidavit dt:08-09-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

इंदिराम्मा आवास योजना में आधार त्रुटियों के कारण लाभार्थियों को निराशा

मंचेरियाल, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार की इंदिराम्मा आवास योजना के तहत घर पाने की उम्मीद लगाए बैठे कई लाभार्थी आज निराशा के दौर से गुजर रहे हैं। मंचेरियाल और आसिफाबाद जिलों में बड़ी संख्या में लाभार्थियों के आधार कार्ड में नाम, उपनाम या नंबर की गलतियों के कारण उनके बिल स्वीकृत नहीं हो पा रहे हैं।

=9 आर्थिक तंगी और तकनीकी अड़चनें: कई लाभार्थियों ने कर्ज लेकर, यहां तक कि सोना बेचकर घर निर्माण कार्य पूरा किया है, लेकिन ऐप में दर्ज गलत विवरणों के कारण उन्हें भुगतान नहीं मिल रहा। हाउसिंग ऐप में आधार संबंधी त्रुटियों के चलते बिल रिजेक्ट हो रहे हैं।

=9 सॉफ्टवेयर अपडेट से बढ़ी परेशानी: राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर हाउसिंग पोर्टल को अपडेट किया जा रहा है। इससे पहले दर्ज किए गए विवरण अगर गलत हैं, तो उन्हें अब संशोधित नहीं किया जा सकता। उदाहरण के तौर पर, जब पंचायत सचिव निर्माण की तस्वीरें अपलोड करते हैं, और बाद में एई द्वारा बेसमेंट स्तर की तस्वीरें अपलोड की जाती हैं, तो दोनों विवरणों में मेल न होने पर ऐप उन्हें अस्वीकार कर देता है।

मंडल स्तर पर एमपीडीओ लॉगिन से नाम में सुधार संभव है।यदि लाभार्थी महिला है और पति के आधार से नाम जुड़ा है, तो सुधार का अधिकार केवल जिला कलेक्टर को है। कलेक्टर और एमपीडीओ लॉगिन में किए गए सुधारों को अपडेट होने में समय लगता है। कई बार ये सुधार तकनीकी टीम तक पहुंचने के बावजूद लंबित रह जाते हैं।बिल स्वीकृति में देरी: कुछ लाभार्थियों को एक या दो बिल मिले हैं, जबकि कई को अब तक एक भी भुगतान नहीं मिला। बेसमेंट स्तर पर बिल स्वीकृत होने के बाद दीवार निर्माण के दौरान सॉफ्टवेयर अपडेट हो जाता है, जिससे अगला बिल अटक जाता है।प्रशासन की सीमाएं: जिला अधिकारियों का कहना है कि यह समस्या उनके स्तर पर हल नहीं हो सकती। वे समय-समय पर लॉगिन में सुधार करते हैं, लेकिन हैदराबाद स्थित तकनीकी टीम से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा।लाभार्थियों का कहना है कि वे अपनी समस्याएं उठाने से डरते हैं, क्योंकि सत्ताधारी नेताओं की प्रतिक्रिया उन्हें पीछे हटने पर मजबूर करती है। प्रशासन की निष्क्रियता और तकनीकी बाधाओं के कारण इंदिराम्मा घर का सपना अधूरा रह गया है।

चेन्नूर में लायंस क्लब द्वारा नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर 22 को

चेन्नूर, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायंस क्लब के तत्वावधान में चेन्नूर में एक नि:शल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर की जानकारी देने के लिए तैयार किए गए पोस्टर का अनावरण सीआई देवेंद्र राव ने किया।

उक्त शिविर 22 सितंबर, सोमवार को सुबह 8:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चेन्नूर स्थित साईराम फंक्शन हॉल में आयोजित किया जाएगा। शिविर में दृष्टि और नेत्र संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए विशेषज्ञों द्वारा जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। लायंस क्लब के पदाधिकारियों ने बताया कि यह शिविर चेन्नूर मंडल और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों के लिए है, और सभी से आग्रह किया गया है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं।इस अवसर पर नगर एसआई: सुब्बाराव, जोन चेयरपर्सन: लायन मोडुमपुरम वेंकटेश्वर, चेन्नूर लायंस क्लब अध्यक्ष: लायन जाडी तिरूपति, सचिव: लायन सौधम श्रीनिवास, कोषाध्यक्ष: लायन निम्मला सागर, आई कैंप चेयरपर्सन: लायन कट्टा सदानंद, सह-चेयरपर्सन: लायन कुंभम मल्लिकार्जुन रेड्डी एवं अन्य सदस्यों में लायन बेलमपल्ली नागराजू, लायन जक्कुला सत्यनारायण, लायन कप्सा प्रताप सिंह, एनाम सतीश आदि उपस्थित थे।

लायंस क्लब द्वारा किया जा रहा यह प्रयास समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और ज़रूरतमंदों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

छात्रों को राज्य स्तरीय पुरस्कार, मंचेरियाल के कार्मेल स्कूल को मिली सम्मानजनक उपलब्धि

मंचेरियाल, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मंचेरियाल स्थित कार्मेल स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता राज्य भर के स्कूलों के बीच आयोजित की गई थी, जिसमें कार्मेल स्कूल की टीम ने अपनी ज्ञान और तैयारी का शानदार परिचय दिया।

इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में जिला कलेक्टर कुमार दीपक (आईएएस) ने छात्रों को सम्मानित किया। उन्हें 8000/- रुपये का नकद पुरस्कार और प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

सम्मान समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया, जिसमें जिले के कई प्रमुख अधिकारी और स्कूल प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों मेंडॉ. अनीता - जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. सुधाकर नायक - कार्यक्रम अधिकारी, वेंकटेश्वरलू - डीईएमओ, नीलिमा - दिशा सीपीएम, होली बाह - जीवविज्ञान शिक्षिका, कार्मेल स्कूल, सिस्टर रेनेटा - प्रधानाचार्या और स्कूल के प्रशासनिक कर्मचारी एवं छात्रगण शामिल थे।

इस सम्मान से छात्रों में उत्साह की लहर दौड़ गई है। विद्यालय प्रशासन ने इसे छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम बताया है।

यह पुरस्कार न केवल छात्रों की प्रतिभा को मान्यता देता है, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर युवाओं की भागीदारी को भी प्रोत्साहित करता है।

श्रीमद् भागवत पारायण में शामिल होने के लिए विभिन्न समाजों को निमंत्रण

हैदराबाद, 8 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद-सिकंदराबाद लोहाणा महाजन, लव फॉर काऊ फाउंडेशन, और हैदराबाद सुंदरकांड मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 14 से 20 सितंबर, 2025 तक श्री जलाराम बापा मंदिर, बडीचावड़ी में श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के लिए शहर के विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों को निमंत्रण दिया गया है।

आज जारी की गई एक प्रेस विज्ञप्ति में, कार्यक्रम के प्रधान संयोजक श्री राजेश रामाणी ने बताया कि श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण में भाग लेने के लिए बी.ए.पी.एस. स्वामीनारायण मंदिर के कोठारी स्वामी प.पू. आत्मचिंतनदास स्वामी, श्री गुजराती सेवा मंडल, उमिया पाटीदार समाज ट्रस्ट, लेवा पाटीदार समाज और अन्य कई प्रमुख संगठनों के प्रतिनिधियों को निमंत्रण दिया गया।

इनमें तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के पूर्व सदस्य कमलेश स्वामी, पार्श्वनाथ जैन मंदिर के चेयरमैन अशोक वजावत, और फिल्म अभिनेत्री हिना भाटिया जैसी हस्तियाँ भी शामिल हैं।

यह आयोजन पितृ पक्ष के पावन अवसर पर सर्वजन हिताय और सर्वदेह, धन, विद्या, आयु, आरोग्य, सुख, समृद्धि, ऐश्वर्य, और पितृ मोक्ष प्रदान करने के संकल्प के साथ किया जा रहा है। कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगा। श्री जगन्नाथ स्वामी मठ, सीतारामबाग के महंत अच्युत रामानुजाचार्य के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में, देवी स्विकृति रामानुजा दासी अपनी पवित्र वाणी में श्रीमद् भागवत पारायण का लाभ देंगी।राजेश रामाणी ने कहा, भागवत कथा परमात्मा से जुड़ने का सबसे श्रेष्ठ और सुंदर माध्यम है। उन्होंने सभी सनातन धर्मप्रेमियों से इस धार्मिक आयोजन में भाग लेने और इसका लाभ उठाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार, और हैदराबाद-सिकंदराबाद गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तरुण मेहता सहित कई प्रमुख व्यक्ति उपस्थित थे।

केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा 489वें नवीकरण पाठ्यक्रम का उद्घाटन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र द्वारा तेलंगाना राज्य के निर्मल जिले के हिंदी अध्यापकों के लिए 08 सितंबर 2025 से 20 सितंबर 2025 तक आयोजित 489वें नवीकरण पाठ्यक्रम का उद्घाटन समारोह आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी ने आभासी मंच के माध्यम से की।

कार्यक्रम में पाठ्यक्रम संयोजक एवं क्षेत्रीय निदेशक डॉ. फत्ताराम नायक, अतिथि प्रवक्ता डॉ. दीपेश व्यास, कार्यालय अधीक्षक डॉ. एस. राधा उपस्थित थे। समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इस पाठ्यक्रम में कुल 24 प्रतिभागियों (16 महिलाएँ, 8 पुरुष) ने पंजीकरण कराया।

अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी ने कहा कि दो सप्ताह के इस प्रशिक्षण से शिक्षकों की जिज्ञासाएँ और शंकाएँ स्वतः दूर हो जाएँगी। उन्होंने बताया कि यह शिविर न केवल हिंदी भाषा के शिक्षण में सहायक होगा, बल्कि प्रतिभागियों के कौशल विकास और उनकी छिपी प्रतिभाओं को उजागर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पाठ्यक्रम संयोजक डॉ. फत्ताराम नायक ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का असली सार शिक्षक ही प्रदान करता है। तकनीक केवल विषय पढ़ाने में सहायक हो सकती है, लेकिन नैतिक शिक्षा और संस्कारों का ज्ञान केवल शिक्षक के मार्गदर्शन से संभव है। उन्होंने सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ प्रशिक्षण लेने की सलाह दी, ताकि यह अधिक लाभकारी हो।

कार्यालय अधीक्षक डॉ. एस. राधा ने कहा कि अहिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी पढ़ाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, जिसे शिक्षक अपनी लगन और समर्पण से पूरा करते हैं, और इस तरह राष्ट्रभाषा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। डॉ. दीपेश व्यास ने हिंदी की वैश्विक पहचान पर जोर देते हुए कहा कि हिंदी के बिना व्यापार और नौकरी के क्षेत्र में प्रगति करना कठिन है, क्योंकि यह भाषा एक विस्तृत मंच प्रदान करती है।

प्रतिभागी शिक्षकों शशिराज जी. चौव्हान, शिव कुमार, रमादेवी चिलुवेरी और अरूणा राणी ने व्याकरण संबंधी समस्याओं को दूर करने की अपेक्षा व्यक्त की, जिसके लिए संस्थान के प्राध्यापकों ने समाधान का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपेश व्यास ने किया, जिन्होंने सभी का परिचय कराते हुए विषय प्रवर्तन किया।

अंत में डॉ. एस. राधा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। तकनीकी सहयोग श्री सजग तिवारी ने प्रदान किया। राष्ट्रगान के साथ उद्घाटन समारोह का समापन हुआ।

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,787.30
+76.54 +0.095% ↑
एनएसई :24,773.15
32.15 (0.13%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,12,200/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,28,445/- (प्रति किलोग्राम)

यूरिया की कमी से जूझते किसान कतार में जगह सुरक्षित करने के लिए अपना रहे अनोखे तरीके

मंचेरियाल, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले में यूरिया की भारी कमी ने किसानों की परेशानियों को बढ़ा दिया है। मल्लापुर मंडल के सिरीपुर में रविवार को एक विचित्र दृश्य देखने को मिला, जब किसानों ने कृषि सहकारी समिति में यूरिया प्राप्त करने के लिए कतार में अपनी जगह सुरक्षित करने हेतु झाड़ू, पुराने कपड़े और पेड़ की टहनियाँ रख दीं। कतार में चप्पल नहीं, टहनियाँ और कपड़े: सिरीपुर, मोगिलीपेटा और नादिकुडा गाँवों के किसानों को सुबह-सुबह सूचना मिली कि सिरीपुर कृषि सहकारी समिति में 320 बोरी यूरिया पहुँची है। सूचना मिलते ही तीनों गाँवों के किसान समिति परिसर में इकट्ठा हुए और अपनी बारी सुनिश्चित करने के लिए पारंपरिक चिह्नों की जगह अजीबोगरीब वस्तुओं का इस्तेमाल किया।प्रत्येक किसान को सीमित आवंटन: यूरिया की सीमित उपलब्धता को देखते हुए समिति ने प्रत्येक किसान को एक से दो बोरी यूरिया आवंटित की। यह आवंटन किसानों की मांग के मुकाबले बेहद कम था, जिससे असंतोष की स्थिति बनी रही।

कमी के कारण बढ़ रही बेचैनी: यूरिया की कमी से किसानों की फसल उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है। खेतों में समय पर उर्वरक न मिलने से फसल की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हो सकती हैं।किसानों द्वारा अपनाए जा रहे ये असामान्य तरीके न केवल उनकी बेचैनी को दर्शाते हैं, बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि कृषि आपूर्ति व्यवस्था में सुधार की तत्काल आवश्यकता है।

बीआरएस ने यूरिया की कमी के विरोध में उपराष्ट्रपति चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा की

हैदराबाद, 08 सितंबर 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव (केटीआर) ने आज घोषणा की कि उनकी पार्टी यूरिया की कमी के चलते उपराष्ट्रपति चुनाव का बहिष्कार करेगी। उन्होंने कांग्रेस और बीजेपी दोनों सरकारों पर तेलंगाना के किसानों की उपेक्षा का आरोप लगाया।

तेलंगाना भवन में पत्रकारों से बात करते हुए, केटीआर ने कहा कि बीआरएस पिछले 20 दिनों से राज्य और केंद्र सरकार को यूरिया की तीव्र कमी के बारे में चेतावनी दे रही थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने कहा, तेलंगाना के 71 लाख किसानों के साथ एकजुटता दिखाते हुए, हमने उपराष्ट्रपति चुनाव में भाग न लेने का फैसला किया है। अगर नोटा का विकल्प होता, तो हम उसे चुनते।

उन्होंने कांग्रेस और केंद्र की बीजेपी सरकार पर किसानों के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया और इसे किसान समुदाय के साथ विश्वासघात बताया।

मंचेरियाल मॉडल स्कूल परिसर में आवारा कुत्तों का हमला, छह वर्षीय बच्ची घायल

मंचेरियाल, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के कासिपेट मंडल स्थित तेलंगाना मॉडल स्कूल के छात्रावास परिसर में रविवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब आवारा कुत्तों ने छह वर्षीय बच्ची पर हमला कर दिया।

घायल बच्ची की पहचान चोपारी अक्षिता (6) के रूप में हुई है, जो छात्रावास में कार्यरत एक सफाईकर्मी की बेटी है। जब वह परिसर में अकेली घूम रही थी, तभी दो आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया और उसके हाथों और पैरों को नोच डाला। अक्षिता की चीखें सुनकर उसकी माँ मौके पर पहुँची और उसे बचाया।

अक्षिता को तत्काल मंचेरियाल कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद शनिवार को उसे छुट्टी दे दी गई। उसके माता-पिता ने बताया कि बच्ची अभी भी सदमे की स्थिति में है।

घटना का सीसीटीवी फुटेज सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे अभिभावकों में गहरी चिंता फैल गई है। कई अभिभावकों ने स्कूल प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों से परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और आवारा कुत्तों के खतरे से निपटने की मांग की है।

यह घटना न केवल स्कूल परिसर की सुरक्षा पर सवाल उठाती है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता को भी उजागर करती है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गंडीपेट में गोदावरी चरण 2 और 3 परियोजनाओं की आधारशिला रखी, मूसी नदी की सफाई का संकल्प

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज गंदीपेट में गोदावरी चरण 2 और 3 परियोजनाओं की आधारशिला रखी। उन्होंने घोषणा की कि उनकी सरकार 20 टीएमसी गोदावरी नदी का पानी हैदराबाद लाएगी, जिसमें से 16 टीएमसी पेयजल के लिए और 4 टीएमसी प्रदूषित मूसी नदी की सफाई के लिए उपयोग किया जाएगा।

हैदराबाद के जल इतिहास का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने याद किया कि 1908 में निजाम द्वारा बनाए गए उस्मान सागर और हिमायत सागर ने शहर को बाढ़ से बचाया और दशकों तक पेयजल आपूर्ति को बनाए रखा। उन्होंने कांग्रेस की पिछली सरकारों को 1965 में मंजीरा और 2002 तक तीन चरणों में कृष्णा नदी का पानी लाने का श्रेय दिया।रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार हैदराबाद को विश्वस्तरीय शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हम मूसी नदी को साफ

करेंगे, तुम्मिडी हट्टी के पास जीवन रक्षक चेवेल्ला परियोजना के माध्यम से सिंचाई प्रदान करेंगे और किसानों व गरीबों को न्याय सुनिश्चित करेंगे। यह इंदिरम्मा का राज्यम है, गरीबों का राज्य।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि 9 दिसंबर को तेलंगाना राइजिंग-2047 विजन दस्तावेज का अनावरण किया जाएगा और किसी भी साजिश को राज्य के विकास को पटरी से उतारने नहीं दिया जाएगा।आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि कांग्रेस सरकार हैदराबाद के विकास के लिए ईमानदारी से काम कर रही है। उन्होंने कहा, पहले की कांग्रेस सरकारों ने गोदावरी, कृष्णा और मंजीरा का पानी हैदराबाद लाकर पेयजल की समस्या से निजात दिलाई। लेकिन पिछली सरकार ने शहर की बढ़ती आबादी के अनुरूप बुनियादी ढांचा बनाने में विफल रही। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, हमने इस विशाल परियोजना को शुरू किया है ताकि जुड़वां शहरों के निवासियों को जल संकट का सामना न करना पड़े। यह बदलाव का संकेत है।उन्होंने आगे कहा कि अगले दो वर्षों में हैदराबाद को अंतरराष्ट्रीय शहर बनाने के लिए आवश्यक योजनाएँ बनाई जा रही हैं, ताकि भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों को ध्यान में रखा जाए। हमने शहर के निवासियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का जीवन प्रदान करने के लिए मूसी की सफाई शुरू की है, श्रीधर बाबू ने कहा।इससे पहले, मुख्यमंत्री ने हैदराबाद वाटर बोर्ड के तहत 16 जलाशयों का उद्घाटन किया, नियो पुलिस जल आपूर्ति और सीवरेज परियोजना की आधारशिला रखी, और कोकापेट में नियो पुलिस ट्रम्पेट इंटरचेंज का उद्घाटन किया।

केटीआर ने तेलंगाना मुख्यमंत्री पर साधा निशाना कालेश्वरम को बदनाम करने के लिए माफी की मांग

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव (केटीआर) ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला, उन पर पाखंड, भ्रष्टाचार और तेलंगाना के किसानों के साथ विश्वासघात का आरोप लगाया।

तेलंगाना भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, उन्होंने मुख्यमंत्री से कालेश्वरम लिफ्ट इरिगेशन परियोजना को बदनाम करने के लिए माफी मांगने की मांग की, जबकि वह इसकी जल आपूर्ति पर निर्भर है। उन्होंने कहा, जिन नेताओं ने कालेश्वरम को 'कुलेश्वरम' कहकर मजाक उड़ाया, वे आज इसे कल्पवृक्ष और कामधेनु बता रहे हैं।

फिर भी वे सार्वजनिक रूप से इस परियोजना का अपमान कर रहे हैं। यह पाखंड की पराकाष्ठा है।उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना की लागत को बढ़ाकर कमीशन लिया जा रहा है। बीआरएस शासन के दौरान कोंडापोचम्मा सागर परियोजना की लागत 1,100 करोड़ रुपये थी, जो अब 7,390 करोड़ रुपये दिखाई गई है, जबकि मूसी सौंदर्यीकरण परियोजना की लागत 16,000 करोड़ से बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये हो गई है। ये विकास के आंकड़े नहीं, बल्कि कमीशन के आंकड़े हैं, उन्होंने आरोप लगाया।

मेदिगड्डा बैराज पर, केटीआर ने कहा कि 250 करोड़ रुपये की मरम्मत को रोका जा रहा है, जबकि ठेकेदार एलएंडटी ने इसे अपनी लागत पर करने की पेशकश की है। उन्होंने सरकार पर बनकचर्ला परियोजनाओं को तरजीह देने का आरोप लगाया। उन्होंने 7,000 करोड़ रुपये से अधिक के ठेके ब्लैकलिस्टेड कंपनियों को देने पर भी सवाल उठाए।यूरिया की कमी का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी दोनों ने किसानों को निराश किया है। इसके विरोध में बीआरएस उपराष्ट्रपति चुनाव का बहिष्कार करेगी। कालेश्वरम को विश्व की सबसे बड़ी लिफ्ट इरिगेशन परियोजना बताते हुए, केटीआर ने इसके 20 लाख एकड़ की सिंचाई जैसे उपलब्धियों को रेखांकित किया और इसे विफल बताने के खिलाफ चेतावनी दी।

उन्होंने कांग्रेस नेताओं से बिना शर्त माफी और दलबदल करने वाले विधायकों को तत्काल अयोग्य घोषित करने की मांग की।

मुख्यमंत्री ने मेदारम और बासर मंदिरों के उन्नयन की समीक्षा की

हैदराबाद, 08 सितंबर 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज मेदारम सम्मक्का-सरक्का मंदिर और बासर श्री ज्ञान सरस्वती मंदिर के विकास के लिए मास्टर प्लान की समीक्षा की।

समीक्षा बैठक में, अधिकारियों ने मेदारम में आगामी विकास कार्यों के लिए विस्तृत डिजाइन प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ये कार्य 100 दिनों के भीतर पूरे किए जाएँ, ताकि मेदारम महाजटारा के लिए समय पर तैयारियाँ हो सकें।

उन्होंने जोर दिया कि सभी संरचनाएँ प्राकृतिक पत्थरों से बनाई जाएँ और भक्तों की सुविधा के लिए उचित प्रवेश, निकास और पार्किंग सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ।मुख्यमंत्री ने जंपन्ना धारा में भविष्य की जरूरतों के लिए पानी संरक्षण हेतु चेक डैम निर्माण की योजनाएँ तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने घोषणा की कि वह इस सप्ताह मेदारम का दौरा करेंगे। बासर मंदिर के विकास पर, रेवंत रेड्डी ने कहा कि स्थानीय भावनाओं का सम्मान किया जाए और योजनाएँ अंतिम रूप देने से पहले पुजारियों और स्थानीय विशेषज्ञों के सुझाव लिए जाएँ।

समीक्षा में मंत्री कोंडा सुरेखा, सीतक्का, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, अदलूरी लक्ष्मण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्रीनिवास राजू, धर्मार्थ विभाग की प्रधान सचिव शैलजा रामय्यर और वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

तेलंगाना बीजेपी प्रमुख ने कांग्रेस पर बीसी आरक्षण को लेकर निशाना साधा, कमरेड्डी रैली को बताया 'विश्वासघात'

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने आज कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला, उन पर बीसी आरक्षण को लेकर लोगों को गुमराह करने और अपनी विफलताओं के लिए बीजेपी को दोषी ठहराने का आरोप लगाया।

न'एबल्ली में पार्टी के राज्य कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण लागू करने की न तो ईमानदारी है और न ही प्रतिबद्धता। उन्होंने बताया कि 2018 के पंचायत राज अधिनियम (धारा 285) में संशोधन के बिना स्थानीय निकाय चुनावों में 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण लागू नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने 22 महीनों तक इस प्रक्रिया में देरी की और फिर बीजेपी और केंद्र पर दोष मढ़ा। बिना कानूनी संशोधन के आरक्षण लागू नहीं हो सकता। कांग्रेस ने कमरेड्डी सभा को बीसी घोषणा के रूप में नहीं, बल्कि बीसी समुदाय के साथ विश्वासघात की रैली के रूप में इस्तेमाल किया।उन्होंने बताया कि स्थानीय निकाय चुनावों में देरी के कारण तेलंगाना पहले ही पंचायती राज संस्थानों के लिए केंद्र से मिलने वाले लगभग 3,000 करोड़ रुपये खो चुका है। उन्होंने राज्य सरकार पर जानबूझकर चुनाव टालने और बीसी समुदायों को झूठे वादों के साथ धोखा देने का आरोप लगाया।बीजेपी की बीसी सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं ओबीसी समुदाय से हैं और केंद्रीय मंत्रिमंडल में 27 बीसी नेता शामिल हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि केंद्र ने बीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया है।उन्होंने कहा, केवल तीन बीसी मंत्रियों वाली कांग्रेस सरकार को बीसी कल्याण पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में बीसी समुदाय को सच्चा न्याय केवल बीजेपी सरकार के तहत मिलेगा।राव ने आगे घोषणा की कि 17 सितंबर को सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में तेलंगाना मुक्ति दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि होंगे।

अत्तापुर में श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा गणेश प्रतिमाओं का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गणेश निमार्जन महोत्सव के अवसर पर श्री श्याम मित्र मंडल, अतापुर द्वारा रिंग रोड स्थित 140 पिलर के पास आने वाली गणेश प्रतिमाओं का भव्य स्वागत किया गया। मंडल द्वारा श्रद्धालु गणेश भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया, जिसे हजारों लोगों ने श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया। इस दौरान मंडल के कार्यकर्ताओं ने सैकड़ों गणेश प्रतिमाओं पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया।

विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति इस आयोजन में कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

इन सभी अतिथियों का स्वागत मंडल के कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत मित्तल एवं संरक्षक पवन नालपुरिया ने किया।बच्चों के लिए विशेष उपहार इस अवसर पर अमित कुमार मोदी द्वारा बच्चों को चॉकलेट और बिस्किट वितरित किए गए, जिसे लोगों ने खूब सराहा।सेवा में समर्पित कार्यकर्ता मंडल के अनेक कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनमें शामिल हैं: श्रीकांत मित्तल, तेजपाल नेहरा, डालूराम, सोहनलाल नेहरा, भंवरलाल चाहर, संतोष चौधरी, हरी सिंह शेखावत, अंकुश बंसल, राजेश स्वामी, नरेंद्र जांगिड़, शशिकांत शर्मा, दिनेश शर्मा, बाबूलाल जोशी, सत्यनारायण सूरजगढ़ वाले, सत्येंद्र ठाकुर, अरुण पाराशर, करण सिंह जोधा, प्रकाश भाटी, बृजेश नालपुरिया, रामप्रसाद रीनवा, छाजूलाल मीणा, श्याम सुंदर जांगिड़, संतोषी सदा सुखी, राजेश शर्मा, कीर्ति सिंह एडवोकेट, कवि पुरुषोत्तम कड़ेल, पन्नालाल शर्मा, मूलचंद शर्मा, भूपेंद्र सिंह, धनराज चौधरी, राम अवतार गुप्ता, संजय गुप्ता, जय श्री श्याम, लक्ष्मी निवास शारडा, घेवरचंद सांखला, राजेश साबू, मनीष शर्मा चिड़ावा वाले, आशीष अग्रवाल, अशोक शर्मा पांडुरंगा नगर, गिरधारी लाल निठारवाल सहित अन्य सेवाभावी सदस्य।इस आयोजन ने न केवल धार्मिक भावनाओं को प्रकट किया, बल्कि सामाजिक समरसता और सेवा भावना का भी सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

पूज्य गुरुमां के सान्निध्य में हैदराबाद में 'हिमालयन मेडिटेशन शिविर' का सफल आयोजन

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूज्य गुरुमाँ के पावन सानिध्य में 7 सितंबर, 2025 को हैदराबाद के भारतीय विद्या भवन ऑडिटोरियम में 'लाइफ मैनेजमेंट थ्रू हिमालयन मेडिटेशन' शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में लगभग 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इनमें तेलंगाना उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश श्री वी. रामकृष्ण रेड्डी,

महेश फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष विष्णु जी पंसारी, और बिड़ला मंदिर, हैदराबाद के सीईओ श्याम कोठारी शामिल थे।

गुरुमाँ ने अपने संबोधन में कहा कि हिमालयीन समर्पण ध्यानयोग केवल एक ध्यान पद्धति नहीं है, बल्कि यह गुरु की आत्मा द्वारा शिष्य की आत्मा पर किया गया एक संस्कार है।

उन्होंने कहा कि गुरु कृपा से ही आत्मसाक्षात्कार जैसी सर्वोच्च आध्यात्मिक घटना घटित हो सकती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समाज में जिस निर्विचार स्थिति को ध्यान समझा जाता है, वह असल में ध्यान की शुरुआत है।गुरुमाँ ने बताया कि हिमालय के गुरुओं ने अपना जीवन आध्यात्मिक प्रगति को समर्पित कर दिया है और वे लगातार नए अनुसंधान साधकों के साथ साझा करते रहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज के समाज के लिए अनुभूति आधारित क्रियाविहीन ध्यान सबसे उपयुक्त है। उनके अनुसार, केवल 30 मिनट के नियमित ध्यान से व्यक्ति अपने चक्रों और नाड़ियों का शुद्धिकरण करके शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति, और सुमधुर पारिवारिक व सामाजिक संबंध प्राप्त कर सकता है, जो अंततः मोक्ष की ओर ले जाता है।

हैदराबाद हिमालयन ध्यान परिवार केंद्र के प्रमुख आचार्य चिराग शाह ने इस आयोजन को एक आध्यात्मिक उत्सव बताया। उन्होंने कहा कि पूज्य गुरुमाँ की दिव्य उपस्थिति ने साधकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस शिविर की सफलता के पीछे 90 स्वयंसेवकों की दो महीने की कड़ी मेहनत और सेवा भावना रही। स्वागत नृत्य, भजन और भोजन प्रसाद ने इस कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया।

आचार्य शाह ने पूज्य स्वामीजी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और सभी सहयोगी सदस्यों, जिनमें सुरेश पटेल, श्रीमती हर्षा जी, और राजेंद्र गावणेकर जी शामिल थे, का आभार व्यक्त किया।

भारतीय स्टेट बैंक
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय
थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी - 505215

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

भारतीय स्टेट बैंक, एसबीआई की ओर से, **गोदावरीखानी के क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय** (RBO) **के तहत एसबीआई कनुकुला शाखा (20614)** के लिए लीज पर वाणिज्यिक/कार्यालय उपयोग हेतु परिसर के लिए मालिकों/मुख्तारनामा धारकों से प्रस्ताव आमंत्रित करता है, जिसका कालीन क्षेत्र लगभग 195.17 वर्ग मीटर (2100 वर्ग फुट) हो। परिसर में पर्याप्त बिजली लोड, पानी की आपूर्ति, पार्किंग की जगह, जनरेटर, ई-लॉबी और वी-सैट रखने की जगह सहित सभी सुविधाएं होनी चाहिए, और इसका मुखौटा (frontage) अच्छा होना चाहिए। पूरा स्थान एक ही मंजिल पर, अधिमानतः भूतल (ग्राउंड फ्लोर) पर होना चाहिए। परिसर कब्जे/उपयोग के लिए तैयार होना चाहिए या एक प्लॉट भी हो सकता है। विस्तृत मापदंडों, नियमों और शर्तों और मूल्य बोली वाले तकनीकी बोली का प्रारूप एसबीआई वेबसाइट www.sbi.co.in या www.bank.sbi पर **https://sbi.co.in/web/sbi-in-the-news** से एसबीआई इन द न्यूज के तहत **प्रोक्योरमेंट न्यूज लिंक से** 06/09/2025 **से** 26/09/2025 तक डाउनलोड किया जा सकता है और इसे भरकर जमा करना होगा।सरकारी विभागों/सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों/बैंकों के स्वामित्व वाले परिसरों को प्राथमिकता दी जाएगी।पूरी तरह से भरे हुए प्रस्ताव एक सीलबंद लिफाफे में **भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय, आरबीओ-II गोदावरीखानी, तिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली - 505215 पर 26/09/2025 को दोपहर 3:00 बजे** से पहले जमा किए जाने चाहिए। एसबीआई बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। दलालों का मनोरंजन नहीं किया जाएगा।

हस्ता/- क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय-II, गोदावरीखानी, मकान नंबर 5-6-174, पहली मंजिल,
थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली-505215
ईमेल: agmr2.aoniz@sbi.co.in फ़ोन +91 9951784387.

भारतीय स्टेट बैंक
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय
थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी - 505215

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

भारतीय स्टेट बैंक, एसबीआई की ओर से, **गोदावरीखानी के क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय** (RBO) **के तहत एसबीआई एलिगैड शाखा (20474)** के लिए लीज पर वाणिज्यिक/कार्यालय उपयोग हेतु परिसर के लिए मालिकों/मुख्तारनामा धारकों से प्रस्ताव आमंत्रित करता है, जिसका कालीन क्षेत्र लगभग 232.34 वर्ग मीटर (2500 वर्ग फुट) हो। परिसर में पर्याप्त बिजली लोड, पानी की आपूर्ति, पार्किंग की जगह, जनरेटर, ई-लॉबी और वी-सैट रखने की जगह सहित सभी सुविधाएं होनी चाहिए, और इसका मुखौटा (frontage) अच्छा होना चाहिए। पूरा स्थान एक ही मंजिल पर, अधिमानतः भूतल (ग्राउंड फ्लोर) पर होना चाहिए। परिसर कब्जे/उपयोग के लिए तैयार होना चाहिए या एक प्लॉट भी हो सकता है। विस्तृत मापदंडों, नियमों और शर्तों और मूल्य बोली वाले तकनीकी बोली का प्रारूप एसबीआई वेबसाइट www.sbi.co.in या www.bank.sbi पर **https://sbi.co.in/web/sbi-in-the-news** से एसबीआई इन द न्यूज के तहत **प्रोक्योरमेंट न्यूज लिंक से** 06/09/2025 **से** 26/09/2025 तक डाउनलोड किया जा सकता है और इसे भरकर जमा करना होगा।सरकारी विभागों/सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों/बैंकों के स्वामित्व वाले परिसरों को प्राथमिकता दी जाएगी।पूरी तरह से भरे हुए प्रस्ताव एक सीलबंद लिफाफे में **भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय, आरबीओ-II गोदावरीखानी, तिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली - 505215 पर 26/09/2025 को दोपहर 3:00 बजे** से पहले जमा किए जाने चाहिए।एसबीआई बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। दलालों का मनोरंजन नहीं किया जाएगा।

हस्ता/- क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय-II, गोदावरीखानी, मकान नंबर 5-6-174, पहली मंजिल,
थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली-505215
ईमेल: agmr2.aoniz@sbi.co.in फ़ोन +91 9951784387.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.